हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 321, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 15 मई, 2023 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस की जीत पर बोले जयराम रमेश कहा- भारत जोड़ो यात्रा के समय ही तय हो गया था एजेंडा

आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की उम्मीदें बढ़ी

नई दिल्ली। कर्नाटक में कांग्रेस को बहुमत के साथ शानदार जीत हासिल हुई है। इसके बाद से कांग्रेस की उम्मीदें आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव को लेकर उम्मीदें बढ़ गई हैं। अपनी पार्टी की जीत पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने प्रतिक्रिया दी।

भारत जोड़ो यात्रा के समय तय हुआ जीत का एजेंडा- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा, "जीत का एजेंडा पिछले साल अक्टूबर में भारत जोड़ो यात्रा से तय कर लिया गया था। जब राहुल गांधी ने कर्नाटक में 22 दिन गुजारे और इस दौरान 7 जिलों और 21 विधानसभा की सीटें से गुजरे। उसी समय पार्टी में एक सद्भावना, एकता और विश्वास देखने को मिला, जिससे कांग्रेस को मजबूती मिली।

कांग्रेस के लिए टर्निंग प्वाइंट रहा भारत जोड़ो यात्रा- "कांग्रेस के लिए भारत जोड़ो यात्रा एक टर्निंग प्वाइंट रहा और इसके बाद हमने कई सभाएं और रैलियां की, जिसका पार्टी पर काफी सकारात्मक असर देखने को मिला है। हमने भारत जोड़ो

यात्रा के दौरान ही चुनाव के लिए अपने वादे को लेकर विचार किया और लोगों को वादे किए। हालांकि, हमने अपना घोषणापत्र तैयार किया, लेकिन उनमें से पांच वादों को काफी सोच-विचार के साथ राहुल गांधी के भारत जोड़ो यात्रा के दौरान तय किया गया था।"

भाजपा पर साधा निशाना- वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, "कांग्रेस ने जीत हासिल की और भाजपा की डबल इंजन सरकार का भांडा-फोड़ हुआ है, लोगों को सच का पता लगा है।" ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने भी भाजपा पर तंज कसा है और कहा, "कर्नाटक तो झांकी है और अभी पूरा हिंदुस्तान बाकी है। कर्नाटक ने दिखाया है कि देश की जनता तानाशाही को पराजित कर सकती है। जो 1978 में हुआ था, वहीं अब कर्नाटक से शुरूआत हो चुकी है।"

भारत जोड़ो यात्रा का सीधा असर- कांग्रेस की जीत के बाद जयराम रमेश ने पोल की एक तस्वीर शेयर करते हुए ट्वीट किया और लिखा, "कर्नाटक में #BharatJodoYatra का यह सीधा असर है। मोटे तौर पर पार्टी को एकजुट करने, कैडर में जोश भरने और कर्नाटक चुनाव के लिए नैरेटिव सेट करने में यात्रा की जबरदस्त भूमिका रही। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कर्नाटक के लोगों के साथ राहुल गांधी ने कई बातचीत की। इन बातचीत के आधार पर हमारी गारंटी एवं घोषणापत्र के लिए वादों पर चर्चा हुई और उन्हें अंतिम रूप दिया गया।"

कर्नाटक में पार्टी को हासिल हुआ बहुमत- कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को बहुमत हासिल हुआ है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को कुल 224 सीटों में से 135 सीटों के साथ बहुमत मिला है। वहीं, भाजपा केवल 66 सीटें ही जीत पाई है। जेडीएस को मात्र 19 सीटों के साथ खाता बंद करना पड़ा।

सिपाही की गोलीमार हत्या करने वाले दो बदमाश पुलिस मुठभेड़ में ढेर

उरई। शहर कोतवाली क्षेत्र में फैक्ट्री एरिया में रविवार की दोपहर कोतवाली पुलिस ने मुठभेड़ में बाइक सवार 2 बदमाशों को मार गिराया दोनों बदमाश सिपाही भेद जीत सिंह की हत्या में शामिल थे। मंगलवार की रात फैक्ट्री एरिया में हाईवे पर चौकी के समीप बाइक सवार दो बदमाशों ने सिपाही भेद जीत सिंह की धारदार हथियार से बिहार का हत्या कर दी। इसके बाद बदमाश भाग गए थे। आरोपितों की तलाश में पुलिस की कई टीमों के साथ एसपीएफ भी लगी हुई थी। रविवार को दोपहर हत्या आरोपितों के बारे में सटीक सूचना मिल गई फैक्ट्री एरिया में छुपे हुए थे। इसके बाद पुलिस की टीमें वहां पहुंच गए लेकिन बदमाशों ने भागने के प्रयास में फायरिंग कर दी जवाब में पुलिस ने भी गोली चला दी जिसमें दोनों बदमाश मारे गए प्रभारी निरीक्षक शिव कुमार सिंह राठौर के हाथ में भी गोली लगी है।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र व यूक्रेन युद्ध पर अहम चर्चा जयशंकर ने विदेश मंत्रियों से की मुलाकात

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने फ्रांस, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, साइप्रस, लातविया, लिथुआनिया और रोमानिया के अपने समकक्षों के साथ यहां बैठकों के दौरान हिंद-प्रशांत और यूक्रेन युद्ध सहित कई मामलों पर चर्चा की है। जयशंकर ईयू हिंद-प्रशांत मंत्रिस्तरीय मंच (ईआईपीएमएफ) में भाग लेने के लिए स्वीडन की तीन दिवसीय यात्रा पर शनिवार को स्टॉकहोम पहुंचे थे। ईआईपीएमएफ से अलग शनिवार को एस जयशंकर ने अपने समकक्षों से मुलाकात की। जयशंकर ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'फ्रांस की विदेश मंत्री कैथरीन कोलोना से मिलकर खुशी हुई। बैस्टिल दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा को सफल बनाने को लेकर उनकी तरह उत्साहित हूं। हिंद-प्रशांत और जी-20 पर विचारों का आदान-प्रदान किया।' बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी 14 जुलाई को फ्रांस के बैस्टिल दिवस समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने मोदी को पेरिस में होने वाली परेड में शामिल होने का निमंत्रण भेजा था। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारतीय सशस्त्र बलों की एक टुकड़ी भी अपने फ्रांसीसी समकक्षों के साथ परेड में भाग लेगी। जयशंकर ने ऑस्ट्रिया के विदेश मंत्री

अलेक्जेंडर शालेनबर्ग से भी मुलाकात की और कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए। जयशंकर ने ट्वीट किया, 'अपने मित्र और ऑस्ट्रिया के विदेश मंत्री शालेनबर्ग के साथ गर्मजोशी से और सार्थक चर्चा हुई। गतिशीलता और प्रवासन संबंधी समझौतों पर हस्ताक्षर किए। वैश्विक मुद्दों, विशेष रूप से यूक्रेन और हिंद-प्रशांत पर चर्चा की।' बेल्जियम की विदेश मंत्री हादजा लाहबीब के साथ पहली बैठक में जयशंकर ने द्विपक्षीय संबंधों और बहुपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। उन्होंने बुल्गारिया के विदेश मंत्री इवान कोंडोव के साथ भी विचारों का आदान-प्रदान किया और मजबूत होते द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। जयशंकर ने साइप्रस के विदेश मंत्री कॉन्स्टेंटिनोस कोम्बोस के साथ भी मुलाकात की। जयशंकर ने लातविया के विदेश मंत्री एडगर्स रिंकेविक्स से भी मुलाकात की और यूक्रेन विवाद के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। जयशंकर ने लिथुआनिया के विदेश मंत्री गेब्रिलस लैंड्सबर्गिस से मुलाकात के बाद ट्वीट किया, 'लिथुआनिया के विदेश मंत्री लैंड्सबर्गिस के साथ द्विपक्षीय सहयोग और हिंद-प्रशांत पर एक अच्छी बातचीत हुई। जयशंकर ने यूक्रेन में फंसे सभी भारतीय नागरिकों को स्वदेश लाने के लिए चलाए गए अभियान ह्याऑपरेशन गंगाह्व में सहयोग देने के लिए अपने रोमानियाई समकक्ष बोगदान ऑरेस्कु को धन्यवाद दिया।' जयशंकर बांग्लादेश से स्वीडन पहुंचे हैं, जहां उन्होंने शुक्रवार को छठे हिंद महासागर सम्मेलन को संबोधित किया था।

कांग्रेस नेता सिद्धारमैया के आवास के बाहर लगे भगवान राम और बजरंग बली के पोस्टर

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 में कांग्रेस को बड़ी जीत हासिल हुई है। 224 विधानसभा सीटों में कुल 135 सीटों पर कांग्रेस ने शानदार जीत दर्ज की। वहीं भाजपा के खाते में केवल 66, जेडीएस को 19 और अन्य के खाते में 19 सीटें आई हैं। इस शानदार जीत के बाद कांग्रेस ने अपने ट्वीटर वॉल पर हनुमान जी का एक पोस्टर जारी किया है, जिसमें सिद्धारमैया, डीके शिवकुमार और राहुल गांधी नजर आ रहे हैं। कांग्रेस ने ट्वीटर पर इस तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, 'जय बजरंगबली'। इसके अलावा कांग्रेस नेता सिद्धारमैया के आवास के बाहर भी भगवान राम और बजरंग बली के पोस्टर लगे हुए नजर आए हैं। वहीं, शिवकुमार के आवास पर समर्थकों ने बैनर लगाए हैं जिसमें उन्हें कांग्रेस की जीत के लिए बधाई दी गई है और उन्हें 'अगला मुख्यमंत्री' बताया गया है। कर्नाटक में कांग्रेस किसे

सीएम बनाएगी, इस पर पेंच फंसा हुआ है। कांग्रेस ने राज्य के अपने नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक बुलाई है। इस बैठक में 'राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा' के नाम पर मुहर लग सकती है। निवर्तमान विधानसभा में विपक्ष के नेता सिद्दरमैया और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष डी के शिवकुमार मुख्यमंत्री पद के प्रमुख दावेदार हैं। कांग्रेस विधायक दल की बैठक आज शाम को साढ़े पांच बजे होगी और सभी नवनिर्वाचित विधायकों को बेंगलुरु आने का निर्देश दिया है। कर्नाटक में मिली हार के बाद बसवराज बोम्मई ने यहां मीडियाकर्मियों से बातचीत की और कहा, 'मेरी पार्टी अध्यक्ष के साथ अनऔपचारिक बैठक हुई है और हमने कुछ मुद्दों पर चर्चा की है। हम चुने हुए प्रत्याशियों की बैठक बुलाएंगे और एक गहन विश्लेषण करेंगे। हम लोकसभा में वापसी करेंगे।'

कर्नाटक में कांग्रेस को दिलाई विजय, अब मध्य प्रदेश में भी जीत दिलाने का जिम्मा संभालेंगे सुनील कानुगोलू

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिला है। पार्टी ने विधानसभा की 224 सीटों में से 136 सीटों पर जीत हासिल की है जबकि, बीजेपी बुरी तरह से हार गई। जानकारी के मुताबिक कांग्रेस पार्टी के कर्नाटक चुनाव की रणनीति सुनील कानुगोलू ने तैयार की थी। वहीं, कर्नाटक मे ऐतेहासिक जीत के बाद सुनील को मध्य प्रदेश में इसी तरह के परिणाम लाने का काम सौंपा गया है। वह अब एमपी में कांग्रेस को जीत दिलाने के लिए मजबूत रणनीतियां तैयार करेंगे। कर्नाटक में जीत के बाद कांग्रेस ने अब कानूनगोलू को मध्य प्रदेश के लिए काम सौंपा है। साल 2018 के विधानसभा चुनावों में जीत के बाद भी पार्टी ने 2020 में राहुल गांधी के करीबी विश्वासपात्र ज्योतिदारित्य सिंधिया द्वारा बगावत के बाद सत्ता खो दी थी।मध्य प्रदेश में चुनाव कुछ ही महीने दूर हैं और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह दोनों ही अथक परिश्रम कर रहे हैं। वहीं, कानुगोलू को केंद्र राज्य में शिवराज सिंह चौहान सरकार को घेरने के लिए कर्नाटक जैसा लक्षित अभियान तैयार करने के लिए कहा गया है। पार्टी के दिग्गज नेता जेपी अग्रवाल, कमल नाथ और दिग्विजय सिंह दोनों मध्य प्रदेश के चुनावों में जीत हासिल करने के लिए जमीनी स्तर के मुद्दों पर काम कर रहे हैं। पार्टी नेताओं के मुताबिक दिग्विजय सिंह विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी का किला संभालते रहे हैं, जबकि कमलनाथ जिलेवार पार्टी को मजबूत करते रहे हैं। पार्टी नेता ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान सरकार कई गुटों के कारण आंतरिक लड़ाई से जूझ रही है, इसलिए ही सुनील कानुगोलू को इसका मुकाबला करने का काम सौंपा गया है। कानून-व्यवस्था, सरकारी योजनाओं की विफलता और भ्रष्टाचार के आरोपों पर राज्य में भाजपा सरकार की विफलता की पहचान करने का काम भी कानुगोलू को सौंपा गया है।

42 साल तक रहा रामपुर में आजम खान का दबदबा, नहीं बचा पाए बेटे अब्दुल्ला का किला; आप ने किया ध्वस्त

रामपुर। सपा के महासचिव आजम खां को स्वार विधानसभा सीट के उपचुनाव में तो मात मिली ही है, वह निकाय चुनाव में भी अपना राजनीतिक घर नहीं बचा पाए। जिस शहर से वह 10 बार विधायक चुने गए, उसी शहर में उनकी पार्टी मुख्य मुकाबले से भी बाहर हो गई। रामपुर नगरपालिका चुनाव में आम आदमी पार्टी प्रत्याशी सना खानम ने बाजी मारी है। सपा तीसरे स्थान पर रही है। आजम खां का रामपुर की राजनीति में करीब 42 साल दबदबा रहा है। 1980 में पहली बार वह शहर विधायक चुने गए। तब से 10 बार विधायक बने। 1996 में वह चुनाव हार गए तो उन्हें राज्यसभा सदस्य बना दिया। प्रदेश में जब भी सपा की सरकार बनी, तब वह कई-कई विभागों के मंत्री रहे, प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष भी रहे। रामपुर से लोकसभा सदस्य भी चुने गए। उनकी पत्नी डा. तजीन फात्मा भी राज्यसभा सदस्य रहीं। बेटे अब्दुल्ला भी दो बार स्वार सीट

से विधायक चुने गए। इतना बड़ा सियासी घराना होने के बावजूद आजम खां के शहर में ही सपा निकाय चुनाव हार गई। हालांकि पांच निकायों में सपा प्रत्याशी विजयी हुए हैं, लेकिन आजम की सीधी प्रतिष्ठा रामपुर पालिका से जुड़ी थी। रामपुर नगरपालिका में सपा की हार के कई कारण रहे। प्रत्याशी चयन को लेकर भी लोगों में नाराजगी थी। फात्मा जबी को प्रत्याशी बनाया गया था। इससे पहले उनके पति अजहर खां अध्यक्ष थे, जो लंबे समय से जेल में हैं। आप ने मामून शाह खां की पत्नी सना खानम को प्रत्याशी बनाया। चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटे मामून ने आनन-फानन में शादी की। निकाह के दूसरे दिन ही दुल्हन (सना खानम) ने नामांकन कराया और दुल्हन के लिबास में ही वोट मांगने शुरू कर दिए। सपा महासचिव आजम खां अपने बेटे अब्दुल्ला आजम का किला भी नहीं बचा पाए। स्वार सीट से अब्दुल्ला दो बार विधायक चुने गए थे। साल 2017 में उन्होंने नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां को हराया था, जबकि 2022 में नवेद मियां के बेटे हमजा मियां को हराया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बोले, लोकसभा चुनाव में सभी 80 सीटों पर जीत के संकल्प को मिली मजबूती

लखनऊ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा निकाय चुनाव में पार्टी को मिला अभूतपूर्व समर्थन लोकसभा चुनाव में सभी 80 सीटें जीतने के संकल्प को मजबूती देगा। पार्टी की जीत पर उन्होंने मतदाताओं व पार्टी कार्यकताओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि जनता ने फिर विपक्ष की नकारात्मक राजनीतिक सोच को नकार कर सबका साथ-सबका विकास व सबका विश्वास को तवज्जो दी है। पार्टी ने हर कार्यक्रम व अभियान को अंजाम तक पहुंचाकर जीत का स्वर्णिम इतिहास रचा है। प्रदेश में ट्रिपल इंजन जुड़ने से केंद्र व राज्य सरकार की नगरीय विकास की गति में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि खुशहाली व समृद्धि की ओर बढ़ता यूपी जनता के फैसले से और अधिक निखरेगा। यही नहीं प्रदेश में सपा-बसपा सहित तमाम विपक्षी दलों के स्वघोषित गढ़ों को ढहा कर जनता ने स्वार व छानबे विधानसभा सीटों के उपचुनाव में भी भाजपा गठबंधन को विजय का आशीर्वाद दिया है।

आत्मनिर्भर भारत के तहत देश में ही बनेंगे 928 रक्षा उत्पाद, सेना के बचेंगे 715 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत देश में ही रक्षा उत्पादों के निर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी के तहत रक्षा विभाग ने 928 उत्पादों की एक लिस्ट जारी की है, जिनका अब भारत में ही निर्माण किया जाएगा। इन उत्पादों के विदेशों से आयात पर अगले पांच से साढ़े पांच साल में प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि इस लिस्ट को जारी करने का उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत देश में ही रक्षा उत्पादों के निर्माण को बढ़ावा देना है। बता दें कि आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत रक्षा मंत्रालय ने यह चौथी लिस्ट जारी की है, जिसमें विभिन्न हथियारों में इस्तेमाल होने वाले रणनीतिक रूप ले अहम उत्पाद शामिल हैं। मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि रक्षा मामले में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में मंत्रालय ने 928 रणनीतिक रूप से अहम उत्पादों की लिस्ट जारी की है, जिनका अभी देश में ही निर्माण किया जाएगा। अभी इन उत्पादों के आयात पर करीब 715 करोड़ रुपए खर्च होते हैं। रक्षा मंत्रालय ने दिसंबर 2023 से लेकर दिसंबर 2028 तक इन

928 उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाने की समय सीमा तय की है। इससे पहले रक्षा मंत्रालय ने तीन और ऐसी लिस्ट जारी की थी। ये लिस्ट दिसंबर 2021, मार्च 2022 और अगस्त 2022 में जारी की गईं थी। अभी तक 2500 उत्पादों का घरेलू उत्पादन शुरू हो चुका है और तय समयसीमा में ही 1238 उत्पादों का भी देश में उत्पादन शुरू करने की योजना है।

1.75 लाख करोड़ रुपए के हथियार उत्पादन का लक्ष्य- रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इससे ना सिर्फ देश में रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा साथ ही हमारी रक्षा उत्पादन की गुणवत्ता में भी इजाफा होगा। इसके लिए रिसर्च संस्थानों को भी इससे जोड़ा जाएगा। बता दें कि भारत दुनिया के सबसे बड़े हथियार खरीददारों में से एक है। अगले पांच सालों में सेना अपनी हथियार खरीद जरूरतों पर करीब 130 बिलियन डॉलर खर्च करने की योजना बना रही है। यही वजह है कि घरेलू रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। आत्मनिर्भर योजना के तहत अगले पांच सालों में देश में 1.75 लाख करोड़ रुपए के रक्षा उत्पादों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है।

उन्नाव में गंगा में नहाने गए तीन दोस्त डूबे, दो को नाविकों ने बचाया, एक की मौत

उन्नाव। फतेहपुर चौरासी क्षेत्र के गांव उम्मरपुर प्रीतम में रविवार को सात दोस्त तरबूज खाने के बाद गंगा में नहाने चले गए। इस दौरान तीन दोस्त गहरे पानी में जाने से

गंगा में डूबने लगे। यह देख बाहर मौजूद अन्य दोस्तों ने मदद के लिए आवाज लगाई। इस पर आसपास के किसान नाव लेकर डूबे दोस्तों वसीम, नईम और प्रवीण को बचाने पहुंचे। काफी प्रयास के बाद नाविकों ने नईम और प्रवीण को बचा लिया। इसके बाद नाविकों ने वसीम की तलाश में करीब एक घंटे की मशक्कत की। तब जाकर 19 वर्षीय वसीम उन्हें भंवर में फंसा हुआ मिला। वसीम को बाहर निकाला गया। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसी बीच मौके पर पहुंचे दिवंगत वसीम के स्वजन का रो रो कर बुरा हाल है। वहीं उसके बाकी के दोस्त भी घटना से दहशत में रहे। पुलिस ने मामले की जांच की।

संपादकीय

एक अकेला थक जाएगा, साथी हाथ बढ़ाना

कर्नाटक विधानसभा का चुनाव भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर लड़ा। डबल इंजन की सरकार में एक ही एंजन चेहरा प्रधानमंत्री मोदी का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और छवि के कारण 2014 के बाद जितने भी चुनाव हुए हैं। उन सभी में सबसे ज्यादा मतदान मोदी के चेहरे पर हुआ है। पिछले 9 वर्षों में भाजपा का संगठन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आश्रित भाजपा के नेता और कार्यकर्ता मानते है कि नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ेंगे, और चुनाव जीत जाएंगे। कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने पन्ना प्रमुख से लेकर संगठन के हर स्तर के नेताओं और कार्यकताओं को कर्नाटक विधानसभा चुनाव में लगाया था। हर जिले में सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार करने के लिए केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। पिछले 6 माह से प्रचार सुनियोजित रूप से किया जा रहा था। भाजपा और सरकार ने अपने सभी संसाधन कर्नाटक विधानसभा चुनाव में झोंक दिए थे। इसके बाद भी 2018 के चुनाव से कम सीटें भाजपा को मिली हैं। यह भाजपा के लिए चिंता का विषय है। भारतीय जनता पार्टी वर्तमान में प्रधानमंत्री मोदी के कारण, सत्ता और संगठन में मजबूत हैं। सभी सूत्र प्रधानमंत्री मोदी जी निकलते हैं, और उन पर जाकर खत्म हो जाते हैं। इस बार कांग्रेस ने कर्नाटक चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत से प्रचार किया। राहुल गांधी, मलिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी, सिद्ध रमैया, डीके शिवकुमार सहित कांग्रेस के नेताओं ने पूरी क्षमता के साथ एकजुट होकर चुनाव लड़ा। आम जनता की तकलीफों को समझा। आमजन को राहत देने के लिए चुनाव पूर्व घोषणा और प्रचार प्रसार किया। पहली बार कांग्रेस ने, कर्नाटक की सरकार तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी ही शैली में घेरने का काम किया। कांग्रेस के इस आक्रमक रुख से कर्नाटक की जनता में यह विश्वास बना कि कांग्रेस उनके हितों की रक्षा कर सकेगी। जनता भी खुलकर कांग्रेस के सामने आई समर्थन में जिसके कारण कांग्रेस को कर्नाटक में अप्रत्याशित सफलता प्राप्त हुई है। पहली बार कांग्रेस में गुटबाजी नहीं दिखी। सब ने मिलकर हर संभव प्रयास किया। जिसके सार्थक परिणाम 136 सीटें जीतकर कांग्रेस को उत्थान की ओर ले जाने में सफलता मिली है। कांग्रेस इस जीत से सबक ले। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को इस जीत से ज्यादा उत्साहित होने की जरूरत नहीं है। यह जीत सभी के प्रयास से हुई है। कांग्रेस संगठन और गांधी परिवार को यह समझना होग। भविष्य में संगठन को मजबूत बनाना, निर्वाचित प्रतिनिधियों का सम्मान, कार्यकर्ता की महत्वपूर्ण भूमिका हैं। इन्हें आगे लाना होगा। विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं की भागीदारी कांग्रेस संगठन में बढ़ानी होगी। केंद्रीय एवं प्रादेशिक राजनेताओं में समन्वय बनाकर रखना होगा। भारत जोड़ो यात्रा ने राहुल गांधी की एक नई छवि बनाई है। उनकी मेहनत रंग ला रही है। लेकिन उन्हें यह समझना होगा, एक अकेला थक जाएगा, साथी हाथ बढ़ाना। यदि सभी का साथ रहा, तो निश्चित रूप से कांग्रेस एक बार फिर, आम जनता का नेतृत्व करने वाली पार्टी बनेगी। कांग्रेस को आंदोलन करने वाली पार्टी बनना होगा। जनता को लगे कि कांग्रेस उसकी लड़ाई लड़ रही है। तब जनता कांग्रेस के साथ खड़ी होगी। पिछले 30 वर्षों में कांग्रेस संगठन निष्क्रिय था। गांधी परिवार के इर्द-गिर्द चापलूस नेताओं का जमघट हो गया था। भारत जोड़ो यात्रा, हिमाचल और कर्नाटक के विधानसभा चुनाव से यह दूरियां कम हुई हैं। गांधी परिवार और कांग्रेस संगठन नेताओं और कार्यकताओं के महत्व को समझ रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हुए लगभग 84 अनुवांशिक संगठन है। जो लगातार जनता के बीच सक्रिय रहते हैं। कांग्रेस के संगठन निष्क्रिय संगठन मजबूत होगा। तभी कांग्रेस मजबूत हो पाएगी। सत्ता बलशाली हाथों में ही सुरक्षित होती है। कांग्रेस संगठन मजबूत नहीं होगा तो जैसे पिछली बार कर्नाटक तथा मध्य प्रदेश की कांग्रेस सरकारें गिरा दी गई। आगे भी ऐसी ही गिरा दी जाएंगी। भाजपा संगठन को समय रहते समझना होगा कि पैसे एवं ताकत के बल पर ज्यादा समय तक सत्ता पर बने रहना संभव नहीं है। शासन उन्हीं का सुरक्षित होता है, जिनके राज में जनता सुखी होती है। केंद्र में 9 साल से भाजपा की सरकार है। प्रधानमंत्री मोदी के चमत्कारिक, ईश्वरीय नेतृत्व से केंद्र की सत्ता मोदी के इर्द-गिर्द घूम रही है। कांग्रेस में जो बुराइयां 50 सालों में विकसित हुई थी। ठीक उसी तरह की बुराइयां अब भाजपा संगठन में देखने को मिल रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ही पार्टी से संबंधित सारे निर्णय ले रहे हैं। भाजपा बिजनेस हाउस की तरह कार्य कर रही है। जिसके कारण भाजपा मतदाताओं की अपेक्षा में खरी नहीं उतर पा रही हैं। पिछले सालों में धार्मिक ध्रुवीकरण 80 :20 के चलते भले पिछले वर्षों में चुनाव जीत लिए। लेकिन महंगाई, बेरोजगारी से आम जनता का जीवन दूभर हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह संसद के अंदर एक अकेला ही काफी है, जैसे संवाद बोले हैं। उसको देखते हुए यही कहा जा सकता है। एक अकेला थक जाएगा साथी हाथ बढ़ाना। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के परिणाम एक तरह से सभी के लिए सबक है।

मोदी के शासन में तेजी से प्रगति की उड़ान भर रहा है भारतीय विमानन क्षेत्र

प्राचीन भारत का इतिहास गवाही दे रहा है कि लगभग 500 वर्ष पूर्व भी भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वैश्विक स्तर पर लगभग 25 प्रतिशत का योगदान था एवं विदेशी व्यापार में भी भारत विश्व में प्रथम स्थान पर था। परंतु, अरब आक्रांताओं एवं ब्रिटेन के शासन काल में भारत की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई एवं राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त करते समय तक यह रसातल तक पहुंच चुकी थी। वर्ष 1947 के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था ने पुनः सम्भलना शुरू किया एवं वर्ष 2014 के बाद से तो भारत ने आर्थिक विकास के मामले में तेज रफ्तार पकड़ ली है।

भारत में प्राचीन काल में अधिकतर व्यापार समुद्रीय मार्ग के माध्यम से होता रहा है। 1000 वर्ष पूर्व भी भारत का समुद्री मार्ग विकसित अवस्था में था एवं यह दक्षिणी अफ्रीका एवं यूरोप के देशों के साथ जुड़ा हुआ था। साथ ही, लगभग 500 वर्ष पूर्व भारत में जी.टी. रोड का निर्माण हो चुका था, अतः देश में समुद्री एवं सड़क मार्ग का विकास शताब्दियों पूर्व होता रहा है। परंतु, हाल ही के समय में भारत ने आधारभूत संरचना का विकास करने की जो रफ्तार पकड़ी है वह पूर्व के वर्षों में दिखाई नहीं देती हैं। वर्ष 2013-14 तक भारत में लगभग 75,000 किलोमीटर का सड़क मार्ग विकसित हो पाया था जो आज बढ़कर 150,000 किलोमीटर से अधिक हो गया है। भारत में प्रतिदिन लगभग 25 किलोमीटर से अधिक की सड़कें बनाई जा रही है। सड़कों की गुणवत्ता पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है, आवश्यकता पड़ने पर कुछ सड़क राजमार्ग पर तो हवाई जहाज को भी उतारा जा सकता है। इसी प्रकार, हवाई मार्ग को विकसित करने का कार्य हालांकि राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के पूर्व ही प्रारम्भ हो चुका था। एयर इंडिया कम्पनी के विमान, कोलकत्ता, मुंबई, दिल्ली के साथ ही इंदौर एवं ग्वालियर जैसे शहरों की ओर भी उड़ान भरते थे। परंतु, वर्ष 2014 के पूर्व के लगभग 50-60 वर्षों में देश में आधारभूत संरचना का विकास करने पर उतना ध्यान नहीं दिया गया, जितना पिछले 9 वर्षों के दौरान दिया गया है। इसी कारण से अब भारतीय नागरिकों की आकांक्षाएं भी बढ़ती जा रही हैं एवं कई छोटे-छोटे नगरों के नागरिक भी हवाई जहाज से यात्रा करने को लालायित हैं। हाल ही के वर्षों में नागरिक विमानन का तो एक तरह से लोकतांत्रीयकरण हो गया है क्योंकि पूर्व के खंडकाल में केवल अमीर वर्ग के

नागरिक ही हवाई जहाज से यात्रा के बारे में सोच सकते थे परंतु अब तो मध्यमवर्गीय एवं गरीब वर्ग के नागरिक भी हवाई जहाज से यात्रा करने की स्थिति में आ चुके हैं।

वर्ष 2013-14 में 6 करोड़ नागरिकों ने हवाई यात्रा की थी जब कि हाल ही में समाप्त वर्ष में 14.40 करोड़ नागरिकों ने हवाई यात्रा की है। वर्तमान में रेलवे के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी ए.सी. क्लास से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या 18.50 करोड़ यात्री प्रतिवर्ष है। नागरिक विमानन क्षेत्र प्रतिवर्ष 10.3 प्रतिशत की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है जबकि रेल्वे की विकास दर 5.6 प्रतिशत प्रतिवर्ष है। इस प्रकार अगले 5 या 6 वर्षों में हवाई यात्रा करने वाले नागरिकों की संख्या रेलवे के प्रथम एवं द्वितीय ए.सी. श्रेणी के यात्रियों की संख्या से अधिक हो जाने की पूरी सम्भावना दिखाई देती है। वर्ष 2013-14 में देश में 400 हवाई जहाज थे जिनके संख्या आज बढ़कर 700 हवाई जहाज तक पहुंच गई है। राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के उपरांत वर्ष 2013-14 तक देश में 74 एयरपोर्ट विकसित किए जा सके थे जबकि पिछले 9 वर्षों के दौरान देश में 74 नए एयरपोर्ट विकसित किए जाकर आज 148 एयरपोर्ट देश में कार्यरत हैं। साथ ही, आगे आने वाले 5 वर्षों के दौरान देश में कुल एयरपोर्ट की संख्या को 200 तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आज देश के नागरिक न्यूनतम सरकारी नियंत्रण के साथ उच्च स्तर का प्रशासन चाहते हैं। जिसे कि वर्तमान में केंद्र सरकार द्वारा प्रदान करने का भरपूर प्रयास किया जा रहा है। विमानन क्षेत्र में कार्य कर रही कम्पनियों को इसी संदर्भ में पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान की गई है। चाहे वह ग्राहकों से किराया वसूल करने की प्रक्रिया के सम्बंध में हो अथवा विभिन नगरों के बीच विमान की सुविधा उपलब्ध कराने का क्षेत्र हो, सरकार का कोई भी दखल इन कम्पनियों के निर्णयों पर नहीं रहता है। आज निजी क्षेत्र की भारतीय विमान कम्पनियां केंद्र सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही हैं। अभी हाल ही में सम्पन्न किए गए आपरेशन गंगा के अंतर्गत यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को वहां से सफलतापूर्वक निकालकर भारत में वापस लाने में देश के रक्षा विभाग को निजी क्षेत्र की विमानन कम्पनियों ने भी सहयोग किया था। इसी प्रकार एक बार पुनः आपरेशन कावेरी के अंतर्गत सूडान में फंसे भारतीय नागरिकों को सफलतापूर्वक भारत में लाया गया है। अभी हाल ही में टाटा समूह की एयर इंडिया कम्पनी द्वारा 250 विमान एयरबस कम्पनी से एवं 220 विमान बोइंग कम्पनी से खरीदे जा रहे हैं। यह पूरे विश्व में ही आज तक का सबसे बड़ा विमान खरीदी सौदा माना जा रहा है। आज भारत में 14.4 करोड़ नागरिक देश के विभिन भागों की हवाई यात्रा करते हैं एवं 6 करोड़ नागरिक विश्व के अन्य देशों की हवाई यात्रा करते हैं। इस प्रकार, कुल मिलाकर 20.4 करोड़ नागरिक प्रतिवर्ष हवाई यात्रा कर रहे हैं। अगले 5 वर्षों के दौरान इस संख्या को 40 करोड़ यात्रियों तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जब देश में हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में तेज गति से वृद्धि होने लगे तो नए विमानों की आवश्यकता तो महसूस होनी ही हैं। नए विमान खरीदने के साथ ही भारत में ही हवाई जहाज के इंजन निर्माण करने के उद्देश्य से विनिर्माण इकाई की स्थापना भी की जा रही है, जो अगले 3 से 4 वर्षों के बीच विनिर्माण का कार्य प्रारम्भ कर देगी। इसी प्रकार, एयर बस ने भी टाटा समूह के साथ बड़ोदा में 20,000 करोड़ रुपए की लागत से एक अन्य विनिर्माण इकाई स्थापित करने के सम्बंध में एक करार पत्र पर हॉल ही में हस्ताक्षर किए हैं। केंद्र में मोदी सरकार द्वारा भारत के मध्यम एवं गरीब वर्ग के नागरिकों को हवाई जहाज से यात्रा करने की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रारम्भ की गई उड़ान योजना को बहुत सफलता मिली है। उड़ान योजना के अंतर्गत भारत में 1.17 करोड़ मध्यम एवं गरीब वर्ग के नागरिकों ने 1.20 लाख हवाई फेरों के माध्यम से हवाई यात्रा की है। अब छोटे-छोटे शहरों को भी विमान सुविधाएं प्राप्त बड़े नगरों एवं महानगरों के साथ जोड़ दिया गया है। अब तो देश में कई छोटे शहरों से भी विमान सेवाओं की मांग दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। उड़ान यात्रा को सफल बनाने के उद्देश्य से पिछले 6 वर्षों के दौरान 473 नए हवाई मार्ग बनाए गए हैं जो पूर्व में शायद व्यवहार्य ही नहीं थे। 73 नए एयरपोर्ट बनाए गए हैं।

एक अजब -सा रिश्ता है,
माँ जीवन का फरिश्ता है,
वात्सल्य का ना दायरा है,
मातृत्व का ये किस्सा है!!

धरती- सी जिसकी गोंद है,
अंबर- सा विस्तृत आँचल,
कोयल- सी मीठी लोरियां,
ममता जिसका निश्छल!!

दुःख में अडिग चट्टान- सी,
मन में भावों की बहती नदियाँ,
बच्चों के सपनों के खातिर,
न्यौछावर करती आई खुशियाँ!!

बिन खिलाये ना निवाला लेती,
हमें सुला सुकूँ से सोती,
शिक्षा और संस्कार पिरोती,
है निःस्वार्थ की अलख ज्योति!!

तरक्की अगर हमारी होती,
मन समंदर में गोते लगाती,
कलंकित अगर संतान होती,
तो आँसुओं से उसको धोती!!

बलिदान एक करें सभी,
तन्हा ना उसको छोड़ें कभी,
गुनाहों से मुख मोड़ें अभी,
अटूट रिश्ता जोड़ें सभी!!

बदले में हम बस प्यार दें,
दामन में खुशियाँ अपार दें,
जीवन उस पर वार दें,
ईश्वर! माँ को उम्र तमाम दें!!

By- Pratima Singh

कभी अपनी गिरेबां में क्यों नहीं झांकते 'श्रीमान'!

चुनी गई सरकार के मंत्री शायद आचार्य कणिक के इस सिद्धांत को अपनाते हैं, जो ज्ञान उन्होंने धृतराष्ट्र को दिया था। आचार्य कणिक (धृतराष्ट्र के कूटनीतिक मंत्री) स्पष्ट रूप से कहते हैं कि जिनके द्वारा राज्य छीने जाने का कोई भी संकट हो, उन्हें निश्चित रूप से शत्रु समझा जाए और ऐसे लोगों को कभी भी जीवित नहीं छोड़ा जाए।

एक दूसरी महत्वपूर्ण बात, वह यह भी कहते हैं कि चतुर राजा वही है, जो देने की बात तो करे, लेकिन दे नहीं। जितना संभव हो, टालता रहे। आचार्य कणिक की मंत्रणा थी कि पांडवों को राज्य देने की बात तो की जाए, किंतु उन्हें दिया न जाए तथा जितनी जल्दी संभव हो, पांडवों का वध कर दिया जाए। अक्षरशः सत्य, इसी तरह आज के कुछ राजनीतिक दल के नेता शायद आचार्य कणिक की धृतराष्ट्र को दिए गए इस मंत्रणा को आत्मसात करके सत्ता में आते ही उस पर अमल करना शुरू कर देते हैं। यह ठीक है कि सरकार जनता को अपनी उपलब्धियां खूब महिमामंडित करके बताए, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटनाओं पर भी राजनीतिक रोटियां सेंकने लगे तो इसे क्या कहा जा सकता है। पुलवामा में जवानों की शहादत को वोट बैंक में तब्दील करना कोई भारत के राजनीतिज्ञों से सीख सकता है। भारत के लिए केंद्र में मजबूत सरकार को जरूरी बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव में वोट मांगते हुए युवाओं से कहा कि बालाकोट की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद भारत द्वारा हवाई हमले से आतंकियों में डर पैदा हो गया है और पाकिस्तान में सत्तारूढ़ लोगों को बुरे सपने आ रहे हैं। प्रधानमंत्री एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधा और कहा कि हवाई हमलों के बाद पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी थी, लेकिन स्थानीय दोनों पार्टियां दुखी थीं। स्पष्ट रूप से उनका इशारा डॉ. फारुख अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती परिवार के लिए था। पहली बार मतदान करने वाले युवाओं का आह्वान करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था कि आप अपना पहला वोट उन बहादुर जवानों को समर्पित कर सकते हैं, जिन्होंने देश के लिए जान गंवा दी। आप गरीबों को घर दिलाने के लिए, गरीबों को मुफ्त इलाज दिलाने के लिए, खेतों में पानी पहुंचाने के लिए वोट दे सकते हैं, तो उनका आशय साफ था कि शहादत पाए सैनिकों के लिए क्यों नहीं?

उन्होंने कहा था कि लोकसभा चुनाव में लोगों को केवल सांसद या प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि मजबूत भारत के लिए मजबूत सरकार चुननी है। देश के फायदे के लिए केवल मजबूत सरकार कड़े फैसले ले सकती है। मोदी ने कहा था कि पांच वर्ष पहले ऐसा वक्त था, जब पाकिस्तान के आतंकी हम पर हमला करते थे और पाकिस्तान हमें धमकता था। हमारे बहादुर जवान कार्रवाई के लिए अनुमति मांगते थे, लेकिन सरकार तब डरी रहती थी। पता नहीं किस मजबूत सरकार के लिए प्रधानमंत्री अपील कर रहे थे? प्रधानमंत्री ने कर्नाटक में कांग्रेस के चुनावी घोषणा-पत्र में बजरंग दल पर लगाम लगाने के लिए कटाक्ष करते हुए और बजरंग दल को बजरंगबली हनुमान से जोड़कर मतदाताओं को भावनात्मक रूप से अदभुत वाकपटुता का परिचय देते हुए आम मतदाताओं को जोड़ने का प्रयास किया। प्रधानमंत्री ने कहा, पार्टी ने पहले भगवान राम को बंद कर दिया था और अब वह बजरंग बली का नारा लगाने वालों को बंद करना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी चुनावी दौरे पिछले सप्ताह कर्नाटक में अपनी तीनों जनसभाओं के दौरान जय बजरंग बली के नारे लगाए। उनके इस कदम को कांग्रेस के उस वादे की काट के तौर पर देखा जा रहा है, जिसमें उसने अपने चुनावी घोषणापत्र में दक्षिणपंथी संगठन बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का वादा किया है।

भारत माता की जय के साथ-साथ मोदी ने अपने भाषण की शुरूआत और अंत में दक्षिण कन्नड़ जिले के मुल्की, उत्तर कन्नड़ के अंकोला और बेलगावी जिले के बेलहोंगल में जय बजरंग बली का नारा बुलंद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि 10 मई को मतदान केंद्र पर आप क्या करेंगे? क्या आप गालीबाजों को सजा देंगे? जब आप पोलिंग बूथ में बटन दबाएंगे तो जय बजरंगबली बोलकर सजा दें। प्रधानमंत्री के इस भाषण की आलोचना करते हुए एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि पीएम मोदी ने कर्नाटक के लोगों से कहा कि वोट डालते वक्त जय बजरंगबली कहें, लेकिन अगर मैं यहां खड़ा होकर आपसे कहूं कि वोट डालते वक्त अल्लाह हू अकबर कहिए तो मीडिया मेरी आलोचना करने लगेगा। शिवसेना उद्धव गुट के नेता उद्धव ठाकरे ने पिछले सप्ताह कहा कि उनके पिता बाल ठाकरे को धर्म के नाम पर वोट मांगने के कारण मताधिकार से वंचित कर दिया गया था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्नाटक में वोट मांगने के लिए जय बजरंग बली के नारे का इस्तेमाल कर रहे हैं। उद्धव ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, हो सकता है कि चुनाव आयोग के प्रावधान अब बदल गए हों। मोदी ने पिछले सप्ताह कर्नाटक के लोगों से अपील की थी कि कांग्रेस को दंडित करने के लिए वे अपना वोट डालते समय जय बजरंग बली बोलें।

ममता हैं सबसे शीतल छाँव घनेरी

ममता हैं सबसे शीतल
छाँव घनेरी ,
इसके बिना इतिहास
अधूरा,हर कथा अधूरी।
स्नेह, दया, करूणा की
है अनमोल तिजोरी,
वात्सल्य की रसधारा
की गंगा यमुना कावेरी ।
जिसने माँ की पूजा की
और नाम की माला फेरी,
खुशियों से भरपूर जीवन रहता है हर क्षण सिंदूरी।
जब-जब गहाराया संकट, चुनौतियों ने ऑख तरेरी,
तब-तब ममता से ही मिलता साहस और दिलेरी।
संततियों के ख्वाब ख्वाहिशें चाहे हो गैर जरूरी ,
त्याग, समर्पण के पथ पर चलकर करती पूरी।
सद् मार्ग की राह दिखाती नहीं सिखाती हेरा-फेरी,
परवरिश से दूर भगाती दिल दिमाग की हर कमजोरी।
ऑचल में ही पलता हैं हुनर, हौंसला और होशियारी ,
संस्पर्श से निखर जाता हैं सौंदर्य और समझदारी।

मनोज कुमार सिंह प्रवक्ता
लेखक/साहित्यकार / उप सम्पादक कर्मश्री मासिक पत्रिका ।

कर्नाटक : कांग्रेस के प्रति अति दुराग्रह का परिणाम?

कर्नाटक विधानसभा चुनाव परिणाम आ चुके हैं। स्वयं को अजेय समझने वाली भारतीय जनता पार्टी जो सत्ता में वापसी की बाँट जोह रही थी बुरी तरह धराशायी हो गयी है। और भाजपा जिस कांग्रेस को देशद्रोहियों की पार्टी,टुकड़े टुकड़े गैंग,यहाँ तक कि राष्ट्र को विभाजित करने के प्रयासों में लगी पार्टी बताकर देश को कांग्रेस मुक्त बनाने के सपने देखती रहती है उसी कांग्रेस ने शानदार पूर्ण बहुमत हासिल कर राज्य की सत्ता पर अधिकार जमा लिया है। इन चुनाव परिणामों के तरह तरह के विश्लेषण हो रहे हैं। परन्तु एक बात तो साफ है कि राज्य के जागरूक, धर्मनिरपेक्ष मतदाताओं ने सामूहिक रूप से नफरत की राजनीति व ऐसे प्रयासों को,फुजूल की बयानबाजियों तथा धार्मिक भावनाओं के बहाने वोट हासिल करने के सभी प्रयासों को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

कर्नाटक में सत्तारूढ़ रही भाजपा जोकि भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी थी वह चुनाव प्रचार के दौरान अपनी उपलब्धियों का जिक्र करने के बजाय अपनी चिरपरिचित रणनीति के तहत यहाँ भी कांग्रेस,नेहरू गांधी परिवार व उसके पिछले शासनकाल पर ही ज्यादा हमलावर रही। इनके नेताओं के भाषणों में चीन पाकिस्तान को लाल आँखें दिखाने जैसा विरोध नहीं सुनाई दिया। ये उन अंग्रेजों के जुल्म की दास्ताँ सुनाने से भी कतराते हैं जिन्होंने देश को गुलामी की जंजीरों में जकड़ रखा था और स्वतंत्र आंदोलन में भाग लेने वाले लाखों लोगों को यातनाएं दी थीं और शहीद किया था। बल्कि इनके निशाने पर वही कांग्रेस पार्टी व उनके नेता रहते हैं जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किया और पराधीन देश को स्वाधीन कराया। इनके वोट मांगने के रंग भी निराले हैं। कभी बजरंग बली के नाम पर वोट मांगते हैं,तो कभी मुझे 91 गलियां दीं,मेरी कब्र खोदने को कह रहे,मुझे सांप कहा बिच्छू कहा जैसी बातें कर सहानुभूति का वोट मांगते हैं। कभी साम्प्रदायिक भय व विद्वेष फैलाकर तो कभी झूठे राष्ट्रवाद का लिबादा ओढ़ कर वोट मांगते हैं। कभी अपने विरोधियों को पाकिस्तानी, राष्ट्रविरोधी, देशविरोधी बताकर जनसमर्थन मांगते हैं, तो कभी कांग्रेस पर तुष्टीकरण का इलजाम लगाकर तो कभी अपने विरोधियों को टुकड़े टुकड़े गैंग बताकर जनता की सहानुभूति अर्जित करना चाहते हैं। यह सब कुछ कर्नाटक चुनाव प्रचार के दौरान हुआ।

कर्नाटक चुनाव प्रचार के दौरान हालांकि अनेक घटिया टिप्पणियां विभिन्न पार्टियों द्वारा की गयीं परन्तु सबसे विवादित टिप्पणी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा कर्नाटक के कोप्पल में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते समय की गयी थी । वहां नड्डा ने कहा था कि-9 साल पहले कैसा भारत था ? भ्रष्टाचार के नाम से जाना जाने वाला भारत था । कैसा भारत था ? फैसले नहीं लेने वाला भारत था। कैसा भारत था ? घुटने टेक कर के चलने वाला भारत था। और जब आपने मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाया तो दुनिया में सिक्का जमाने वाला भारत बन गया, छलांग लगाने वाला भारत, विकसित भारत। आज देखो भारत में जी 20 की बैठक हो रही है...... यह भारत की पहचान मोदी जी ने बनाई है इसको हमें समझना चाहिये। कर्नाटक की जनता ने नड्डा के इस बयान को गंभीरता से समझा और अपने मतदान के द्वारा इसका जबरदस्त प्रतिवाद किया। कर्नाटक के जागरूक मतदाताओं ने नड्डा का यह कथन अस्वीकार्य किया कि -2014 से पहले का भारत घुटने टेक कर के चलने वाला भारत था। निश्चित रूप से इससे पूरे देश का अपमान हुआ है । कर्नाटक की जनता ने जे पी नड्डा को भारत पाक युद्ध के उस इतिहास को फिर से पढ़ने के लिये मजबूर कर दिया जब भारतीय सेना ने भारत के लेफ़्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के समक्ष 16 दिसंबर 1971 को शाम 4.35 बजे पाकिस्तान के लेफ़्टिनेंट जनरल नियाजी ने 93 हजार सैनिकों के साथ भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए थे। इतिहास गवाह है कि यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का सबसे बड़ा सैन्य आत्मसमर्पण था। इस तरह इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत ने दुश्मनों को घुटने टेकने पर मजबूर किया था। नड्डा साहब ने कर्नाटक में यह भी फरमाया था कि 2014 से पहले का भारत फैसले नहीं लेने वाला भारत था।

18 केंद्रों पर हुई पीसीएस प्री की परीक्षा, 8000 अभ्यर्थी हुए शामिल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य पर अवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा जिले के 8 केंद्रों पर संपन्न हुई। परीक्षा को नकल विहीन संपन्न बंद कराने के लिए जिला अधिकारी आर्यका अखौरी ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण कर जायजा लिया। जिलाधिकारी ने आज प्रथम पाली की परीक्षा में लुर्दस कान्वेंट बालिका इंटर कॉलेज, राजकीय सिटी इंटर कॉलेज एवं राजकीय बालिका इंटर कॉलेज महुआबाग का निरीक्षण किया। उन्होंने कक्ष निरीक्षक एवं केंद्र व्यवस्थापको को नकल विहीन परीक्षा संपन्न कराने का निर्देश दिया। परीक्षा में कुल 8000 परीक्षार्थियों ने दो पारियों में परीक्षा दी। परीक्षा की सुचिता बनाए रखने के लिए 8 सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा 18 स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती तथा पर्याप्त संख्या में पुलिस बल लगाए गए थे।

उत्तर भारत की सतनामी संत परंपरा की एक महत्त्वपूर्ण कड़ी थे ब्रह्मलीन महंथ रामाश्रय दास

प्रखर डेस्क। उत्तर भारत का एक गांव भुड़कुड़ा सतनामी संत परंपरा का लोक तीर्थ है। यहां बूला,गुलाल,भीखा जैसे तत्व ज्ञानी सिद्ध साधक ध्यान की गहराई में उतरकर साधना किए तथा मानवता का संदेश दिए। आठ पहर बत्तीस घरी भरो पियाला प्रेम/यारी कहें विचारि के यही हमारो नेम की परंपरा यहां जीवंत हुई। कालांतर में इस परम्परा से एक महत्त्वपूर्ण नाम जुड़ा जिसे श्री महंथ रामाश्रय दास के रुप में जाना जाता है। उन्होंने ध्यान योग को अपनाकर मन पर विजय प्राप्त किया। वे कहते थे "ध्यान किए क्या होय, मन को जो नहिं वश करे/मन वश नहिं जो होय, ध्यान सो काहे करै"। चौदह मई 2008 श्री महँथ रामाश्रय दास के ब्रह्मलीन होने की तिथि है। आज ही के दिन सतनामी परम्परा की महत्वपूर्ण कड़ी श्री महन्त रामाश्रय दास का भौतिक शरीर गोरखपुर के पाली गांव में शांत हुआ था। इसके उपरांत उनके पार्थिव देह को सिद्धपीठ भुड़कुड़ा लाया गया तथा पूर्ववर्ती सद्गुरुओं की समाधि के समीप मठ परिसर में ही समाधि दी गई। डेढ़ दशक के बाद भी एक संत के रुप में उनकी सूक्ष्म उपस्थिति का बोध समाज में निरंतर बना हुआ है। इससे यह सिद्ध होता है कि आत्मा अमर है तो महात्मा (महान+आत्मा) भी अमर हैं। यदि मठ मन्दिर समाज के शक्ति केन्द्र हैं तो श्री महन्थ रामाश्रय दास जैसे संत सज्जन शक्ति पुंज के रुप में इस धरा धाम को आलोकित किए हैं। समाज द्वारा प्रेरणादाई जीवन को विस्मृत नहीं किया जा सकता। उनके द्वारा किया गया लोकोपकार उनके व्यक्तित्व का स्मरण सदैव दिलाता रहता है। महंथ रामाश्रय दास ने 'सेवा धरम सकल जग जाना ' के मर्म को जानकर भुड़कुड़ा जैसे अत्यंत पिछड़े क्षेत्र में चालीस बीघा जमीन एवम् दस हजार रुपए दान देकर वर्ष 1972 में उच्च शिक्षा का प्रकल्प खड़ा किया तथा अपने गुरु द्वारा आरंभ किए गए कार्य को आगे बढ़ाया। इस प्रकल्प को चलाने के लिए आरंभिक दिनों में अध्यापकों को आवासीय व्यवस्था एवम् भोजन निःशुल्क उपलब्ध कराया। धीरे धीरे यह यशःकाय महाविद्यालय एक विशिष्ट उच्च शिक्षण संस्थान के रुप में स्थापित हुआ। बीते पचास वर्षों में इस प्रकल्प से बहुतेरे लाभान्वित हुए और आगे भी हो रहे हैं। जिस प्रकार गृहस्थ अपने पुरखों का स्मरण कर श्राद्ध तथा तर्पण करते है उसी प्रकार से समाज के लोग भी प्रेरणादाई जीवन का पुण्य स्मरण कर जन्मजयंती एवम् पुण्य तिथि मनाते हुए अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं। डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी के अनुसार संत आध्यात्म का व्यवहारिक रूप हैं। इन्ही की चिन्तन धारा पर आध्यात्मिक चिंतन का स्वरूप आधारित है। संत को शास्त्र का वाचिक ज्ञान हो न हो दर्शन अवश्य होता है।वह आध्यात्म का व्याख्याता भले न हो किंतु आध्यात्म चेता होता है। महंथ रामाश्रय दास जी ने अपने जीवन काल में पदों की रचना नहीं की, शास्त्रों की मीमांसा भी नहीं किया।केवल सत्संग किया और गाया कि "प्रभु जी सब विधि चूक हमारी/कीजै लाज सरन आए की गुन ऐगुन न विचारी "। गाते गाते ही उनका जीवन संदेश बन गया।अमृतकाल में सिद्धपीठ का कण कण आज आध्यात्मिक चेता ब्रह्मलीन महन्थ रामाश्रय दास को श्रद्धा पूर्वक याद कर कृतज्ञता का भाव व्यक्त कर रहा है। उनकी सूक्ष्म उपस्थिति को सादर नमन।

श्री महन्थ रामाश्रय दास
(जन्म: 1919 ब्रह्मलीन: 2008)

रत्नों से करें अपना उपचार

हमारे देश में रत्नों का इतिहास बहुत पुराना है। रत्नों को केवल इसलिए नहीं धारण किया जाता कि वे कीमती होते हैं और हमारी प्रतिष्ठा का प्रश्न उनसे जुड़ा होता है अपितु उनमें दिव्य औषधीय तथा रसायनिक गुण भी होते हैं। प्राचीन ज्योतिष-शस्त्र और रसायन शास्त्र से भी उनका घनिष्ठ संबंध है। इस प्रकार रत्न न केवल शरीर के बाहरी सौन्दर्य की वृद्धि करते हैं बल्कि उसे अनेक रोगों से भी बचाते हैं। खान के निकले पत्थरों की रत्नों की उपाधि दिए जाने के लिए जरूरी है कि उसमें पारदर्शिता का गुण हो साथ ही वे सुप्रकाशयुक्त और किरण-भेद हों। कुछ रत्न ऐसे भी होते हैं जिनके आरपार नहीं देखा जा सकता है। रत्नों की श्रेष्ठता आंकने के लिए उनकी स्थिरता को मापा जाता है। रत्नों की स्थिरता दो प्रकार के प्रभावों से होती है पहला यांत्रिक प्रभाव से और दूसरी रासायनिक प्रभाव से। रगड या दाब से रत्नों का अपरिवर्तनीय रहना यांत्रिक स्थिरता है जबकि विभिन्न रासायनिक पदार्थों के सम्पर्क में आने पर भी रत्न के गुणों में बदलाव न आना रासायनिक प्रभाव की स्थिरता है। रेत की रगड से रत्न प्रायः मैले और धुंधले हो जाते हैं। कई प्रकार के पत्थरों को रत्नों में शुमार किया जाता है। हीरा, नीलम, पन्ना, पुखराज, फीरोजा, रूबी आदि रत्न बहुत प्रसिद्ध हैं। रासायनिक ग्रंथों के अनुसार अच्छा मोती गोलाकार, चिकना, भारी तथा ठीक स्थान पर बिछा होना चाहिए। मसूर के आकार वाले हल्के रंग वाले कांतिहीन छोटे-छोटे छेद और कटी-फटी रेखायुक्त मोती दूषित होते हैं। मोती में स्थिरता की कमी होती है इसलिए इसे कीमती रत्नों में स्थान नहीं दिया जाता। मोतियों की माला पहनने से दाह और पित्त शांत होते हैं। सभी रत्नों में प्रमुख हीरा माना जाता है। हीरे में असाधारण गुण माने जाते हैं। इसे निर्भयता और अदम्यता का प्रतीक भी कहा जाता है। हीरा कार्बन का एक अपररूप होता है। हीरा सफेद, लाल, पीला और काले रंग का होता है। हीरा मोटा, चिकना, भारी चोट सहने वाले चमकदार तथा पानी से भरे पीतल के बर्तन में डालकर घुमाने से लकीरें उत्पन्न करने वाला होना चाहिए आठ पहलू या छः कोणों वाला हीरा श्रेष्ठ होता है। धाररहित व तिकोना हीरे का प्रयोग नहीं करना चाहिए। यों तो हीरे की कांति सभी रोगों में फायदा करती है परन्तु विशेषतः लाल हीरा जरामरण को दूर करता है पीला हीरा शरीर को मजबूत बनाता है काला हीरा रोगों का नाश करता है तथा सफेद हीरा रसायन के काम में आता है। स्वास्थ्य वृद्धि के लिए आवश्यक है कि हीरा कांतिमय निर्दोष और साफ हो। शुद्ध हीरा सभी रोगों का नाश करने वाला, वीर्यवर्धक तथा बलदायक होता है। अशुद्ध हीरा का प्रयोग कदापि न करें इससे कोढ़, पसली का दर्द, पाण्डु रोग, अपंगता आदि हो सकते हैं। हल्की आभामय लालिमा ही नीलम की विशेषता है। अलसी के फूल की तरह आभामान पानी में डालने पर पानी नीला नजर आए ऐसा नीलम सर्वश्रेष्ठ होता है। सेवन करने से (भस्म) नीलम, त्रिदोष, श्वास-कास रस वर्धक तथा वीर्यवर्धक है। गोमेद हिमालय और सिन्धु में प्राप्त होता है। भारी, चिकना चमकदार, अच्छे रंग वाला गोमेद सर्वश्रेष्ठ होता है। इसकी छाया तीन रंगों की होती है लाल, पीली, तथा काली। हल्के विरूप, खुरदरे तथा मैले गोमेद का प्रयोग नहीं करना चाहिए। यह अम्ल उष्ण, वात नाशक तथा बुद्धि प्रबोधक है। सौन्दर्य बल में भी गोमेद की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रवाल समुद्र से प्राप्त होता है। समुद्र में इसका विस्तार किसी लता की तरह होता है। गोल, पक्की तंदूरी के समान लाल रंग, सीधा साफ लम्बा और चिकना प्रवाल उत्तम होता है। यह शरीर को पुष्ट करने वाला वीर्यवर्धक तथा आखों की ज्योति बढ़ाने वाला होता हैं। यह पाण्डु ज्वर, कासश्वास तथा मेद को नष्ट करने वाला होता है। शुद्ध मूंगे से बना दंतमंजीन दातों को मजबूत, सफेद व चमकीला बनाता है। शुद्ध मूंगे को बारीक पीसकर कपड़े से छान लें और लगभग एक सप्ताह तक गुलाब जल में छांटने से मंजन तैयार हो जाता है।

शुद्ध हीरा सभी रोगों का नाश करने वाला, वीर्यवर्धक तथा बलदायक होता है। अशुद्ध हीरा का प्रयोग कदापि न करें इससे कोढ़, पसली का दर्द, पाण्डु रोग, अपंगता आदि हो सकते हैं। हल्की आभामय लालिमा ही नीलम की विशेषता है। अलसी के फूल की तरह आभामान पानी में डालने पर पानी नीला नजर आए ऐसा नीलम सर्वश्रेष्ठ होता है। सेवन करने से (भस्म) नीलम, त्रिदोष, श्वास-कास रस वर्धक तथा वीर्यवर्धक है। गोमेद हिमालय और सिन्धु में प्राप्त होता है। भारी, चिकना चमकदार, अच्छे रंग वाला गोमेद सर्वश्रेष्ठ होता है।

अमलतासा के फूल के रंग वाला, स्निग्ध, नर्म, निर्मल तथा स्थूल पुखराज सबसे अच्छा होता है। काले छेद वाला बेरंग तथा झाई तथा झाई वाला पुखराज दूषित होता है। सभी प्रकार के विषों के प्रभाव को दूर करने में पुखराज का प्रयोग बहुत प्रसिद्ध है। मंदाग्नि, कुष्ठ तथा बवासीर को भी पुखराज की सहायता से दूर किया जा सकता है। चमकदार पीला, चम्पा के फूल के रंग वाला भारी, चिकना, स्वच्छ श्वेत छाया तथा काली कांतिवाला वैदूर्य उत्तम होता है। वैदूर्य को कल्याणकारी माना जाता है। यह रक्तपित्त तथा गुल्म को दूर करता है। प्रत्येक रत्न का नौ ग्रहों से भी घनिष्ठ संबंध है जैसे माणिक सूर्य को, मूंगा चन्द्रमा को, मोती मंगल को, पन्ना बुध को पुखराज बृहस्पति को, हीरा शुक्र को, नीलम शनि को, गोमेद राहु को, बौर वैदूर्य या लहसुनिया केतु को शांत करता है। इन नवरत्नों को धारण करने से नव ग्रहों की शांति होती है, साथ ही इससे लगन, उत्साह और धैर्य बढ़ता है, दरिद्रता नष्ट होती है तथा दीर्घायु व आरोग्य की प्राप्ति होती है। आप अपनी बीमारी के लक्षणों के आधार पर इन रत्नों को हार, अंगूठी या ताबीज द्वारा धारण करके उसे दूर कर सकते हैं। ●●●

गठियाः मोटे लोगों को अधिक सताता है

मोटापा बहुत से रोगों से जुड़ा हुआ है, जैसे हृदय रोग, मधुमेह, निद्रा कालीन श्वास समस्या, कई प्रकार के कैंसर और ऑस्टेयोआर्थ्राइटिस आदि का समस्याएं भी मोटापे के कारण उत्पन्न हो जाती है। लेकिन मोटापे से होने वाली सबसे बड़ी समस्या गठिया की होती है। गठिया एक ऐसा रोग है जिसमे हड्डियों के जोडो में दर्द होता है या फिर उनमें सुजन आ जाती है। यह रोग शरीर के जोड़ों में होता है जैसे पैर की उंगलियों के जोड़े, हाथ की उंगलियों के जोड़े इसके अलावा कलाई और घुटनों को भी यह रोग प्रभावित कर सकता है। अगर रोगी को गठिया का आक्रमण तेज होता है तो एक सप्ताह या उससे कुछ अधिक चलता है। इस दौरान रोगी को हल्का हल्का बुखार सा रहता है। रोगी की भोजन में अरुचि हो जाती है। रोगी को रोग का आक्रमण कई सप्ताहों या महीनों बाद दुबारा हो सकता है। इस रोग में जोड़ो में यूरिक अम्ल के रवा या क्रिस्टल बनते हैं तथा वे त्वचा के भीतर भी बनते हैं। गठिया के कारण यूरिक अलयुक्त गुर्दे की पथरी की समस्या भी उत्पन्न हो सकती है। इसके कारण पेट में तेज पीड़ा होती है। इसके प्रभाव से गुर्दा ठीक से कार्य करना भी बंद कर सकता है जो की एक अत्यंत गम्भीर स्थिति है क्योंकि गुर्दे के ठीक से कार्य न करने के कारण रक्त में विषेले पदार्थ एकत्र होते रहते हैं। गठिया की खतरनाक अवस्था में शरीर की लाखों कोशिकाएं नष्ट हो जाती हैं जिसके कारण यूरिक अम्ल उतकों में प्रवेश कर जाता है। इस रोग का कारण अत्यधिक शराब पीना, प्रोटीन एवं शर्करा युक्त आहार अधिक खाना तथा व्यायाम न करना है। तनाव भी इस रोग का एक महत्वपूर्ण कारण माना जाता है। अनुवांशिकता भी इस बीमारी का कारण हो सकता हैं। अगर वैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो गठिया होने का मूल कारण जोड़ोंए त्वचा और गुर्दे में यूरिक अम्ल के रवे या क्रिस्टल बनना है। गठिया के रोगियों में सामान्य लोगों की तुलना में अधिक मात्रा में यूरिक एसिड बनता है। शरीर में यूरिक अम्ल अधिक मात्रा में होने के कारण यह रक्त में मिल जाता है और रक्त के माध्यम से इस रोग का आक्रमण तेज हो जाता है। मोटापा दुनिया भर में एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या बन चुकी है और अब यह एक महामारी का आकार ले रही है। यह स्थिति अत्यधिक विकसित और विकासशील देशों में है। केवल अमेरिका में ही मोटापा आबादी की एक तिहाई लोगों को अपनी चपेट में ले चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का अनुमान है कि दुनिया भर में मोटापा से एक बिलियन लोग प्रभावित हैं। ऐसा मोटापा मापने का पैमाना बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) के आधार पर कहा जा सकता है। नई दिल्ली स्थित इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के सीनियर कंसल्टेंट हड्डी रोग एवं जोड़ें के प्रतिस्थापन सर्जन डॉ।राजू वैश्य का कहना है कि किसी व्यक्ति का वजन (किलोग्राम में) उसकी ऊंचाई (मीटर में) के साथ आंका जाता है। बीएमआई 30 के बाराबर या उससे अधिक होने की स्थित में मोटापा का प्रभाव होता है, जबकि यही बीएमआई 40 के बराबर या उससे अधिक होने की स्थिति में एक बीमारी का रूप होता है। डा।राजू वैश्य का कहना है कि गठिया समेत कई स्वास्थ्य समस्याओं का सीधा संबंध मोटापा से जुड़ा हुआ है। यह विशेष तौर पर घुटनों के पुराने आस्टियो आर्थराइटिस यानि गठिया को बुरी तरह से प्रभावित करता है, जिससे पीड़ित व्यक्ति असहज और जबरदस्त पीड़ा का अनुभव करता है। घुटनों के जोड़ों को नुकसान पहुंचाने के पुख्ता सबूत शरीर का अत्यधिक वजन है। अधिकतर मोटे व्यक्ति घुटनों के गठिया रोग से ग्रसित रहते हैं, क्योंकि उनके घुटनों को अतिरिक्त मांसपेशियों का भार सहना पड़ता है, जिससे चिकिनी और मुलायम उपास्थि यानि कार्टिलेज का जोड़ प्रभावित हो जाता है। चलने के दौरान शरीर को एक बल से 3 से 6 गुना बार सहना पड़ता है। इसलिए एक आदर्श वजन के साथ अतिरिक्त वजन के बढ़ जाने से जोड़ पर असामान्य उच्च भार पड़ने लगता है और कार्टिलेज में सही तरह से काम करना बंद कर देती है। यही गठिया का कारण बनता है। हालांकि घुटने की पूर्ण अर्थ्रोप्लास्टी(टीकेए) करवाने वाले रोगियों में एक बड़ी सं?या मोटे और मोटापा से ग्रसित लोगों की है। 'मोटापे की महामारी' आने से घुटने के गठिया रोग में और ज्यादा वृद्धि होने की आशंका है, जिससे मोटे लोगों में टीएके की व्यापक बढ़ोत्तरी हो जाएगी। कई सर्जनों का विश्वास है कि अधिक वजन वाले शरीर में टीकेए के परिणाम कम आते हैं। जो घटकों में बढ़े तनाव और आसपास की हड्डियों पर बढने वाले भार के परिणाम के रूप में होता है। मोटापा ग्रसित रोगियों में टीकेए पेरी ऑपरेटिव के खतरे और प्रत्यारोपण के संदर्भ में कुछ विवाद को भी जन्म दिया है। कुछ अध्ययन के अनुसार बुरी तरह से मोटापे ग्रसित लोगों में प्रत्यारोपण की विफलताओं के जोखिम की जटिलताएं उत्पन्न हो जाती हैं। लोगों में मोटापे संबंधी उच्च से निम्न स्तर के खतरे को बताने वाले बीएमआई में कोई निश्चित कट ऑफ नहीं होता है, हालांकि वजनी रोगियों में इसका खतरा ज्यादा होता है। फिर भी हमने देखा है कि मोटे लोगों में आपरेशन के बाद का अच्छे परिणाम कम आते हैं, ये रोगी टीकेए अपनाकर दर्द में काफी सुधार प्राप्त कर सकते हैं। जबकि मोटापा ग्रस्त रोगी के साथ घुटने में गठिया-प्रभावित दर्द से राहत की मिलने की प्रक्रिया से इनकार नहीं किया जा रहा है। ऐसे रोगियों के खतरे का परामर्श महत्वपूर्ण है, साथ ही एक मोटे रोगी के द्वारा स्वास्थ्य की देखभाल के सिलसिले में अतिरिक्त खर्च और सेवा जरूरी हो जाता है। अच्छे परिणामों और रोगियों की संतुष्टि (85 प्रतिशत) में पर्याप्त सुधार से पता चलता है कि बुरी तरह से मोटापाग्रस्त रोगियों में निश्चित रूप से टीकेए उपचार मिलनी चाहिए। इस वर्ग के रोगियों को तकनीक से फायदा होता है, जो एलाइनमेंट की सटीकता को बढ़ा सकती है। सभी मोटे (30 से अधिक बीएमआई) के लिए टीकेए के परिणामों में परस्पर विरोधी प्रदर्शन की समीक्षा की गई है। ●●●

अखरोट खाने से कई रोगों के निवारण

जाजहिंदी, कवसिंग, अकोड, अक्षोट और चारमगज विभिन्न भाषाओं में अखरोट के ही नाम हैं यूग्लांदासी परिवार के सदस्य अखरोट का वानस्पतिक नाम यूग्लांस रेजिआ लिनिअस है। अखरोट एक पर्णपाती वृक्ष है जिसकी ऊंचाई लगभग 30-35 मीटर तक हो जाती है। इसके पत्ते 15 से 35 सेटीमीटर लंबे होते हैं। इसका फल कठोर, गुठलीदार होता है। ये दो प्रकार के होते हैं कागजी और कठोर। इसमें से कागजी अखरोट आसानी से टूट जाता है। इसमें सितम्बर-अक्टूबर में फल लगते हैं। रोपने के बाद इसके फल प्राप्त करने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है इसमें 8-10 साल का समय लग जाता है। हमारे देश में अखरोट की सबसे ज्यादा पैदावार कश्मीर में होती है। यहां पैदा होने वाले अखरोट की किस्म भी सबसे अच्छी होती है। कश्मीर के अलावा हिमाचल प्रदेश, पंजाब एवं उत्तर प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में भी अखरोट उगाया जाता है। अखरोट एक बहुउपयोगी वृक्ष है। यह खाने के लिए प्रयोग तो होता ही है। इसकी लकड़ी भी बहुत उपयोगी होती है। इसके लगभग सभी अंग औषधि के रूप में प्रयोग किए जाते हैं। आयुर्वेद के अनुसार अखरोट के पत्ते स्तंभक बल देने वाले तथा कृमिनाशक होते हैं। इसका हरा छिलका सिफलिसरोधी तथा कफनिस्सारक होता है। इसका तेल मृदु विरेचक तथा उदर कृमिनाशक होता है। इसके अतिरिक्त अखरोट रस में मधुर, पुष्टिकारक, पित्तश्लेष्मा की वृद्धि करने वाला, बलवर्धक, ऊष्णवीर्य, सारक, शुक्रजनक, रूचिकारक, हृदय के लिए हितकर तथा क्षयरोग, रक्त विकार एवं दाह को शांत करने वाला होता है। इसकी गिरी बुद्धिवर्धक होती है। कब्ज दूर करने के लिए अखरोट के तेल को 20-40 मिलीलीटर दूध के साथ नियमित रूप से लेना चाहिए। इससे खुल कर दस्त होता है और कब्ज की परेशानी दूर होती है। गले के घावों को दूर करने के लिए कच्चे अखरोट के सिरके या काढ़े से गरारे करने चाहिएं। नासूरों के इलाज के लिए अखरोट की गिरी को मोम या मीठे तेल में पकाकर नासूरों पर लगाना चाहिए। प्रमेह तथा मूत्र संस्थान के रोगों के लिए भी अखरोट बहुत लाभकारी है। इसके लिए 50 ग्राम अखरोट की गिरी में 40 ग्राम छुहारा तथा 10 ग्राम बिजौले की मींग मिलाकर घी में कूट लें और मिश्री मिलाएं। इस मिश्रण की 25 ग्राम मात्रा का नियमित सेवन करने से बहुत फायदा होता है। शरीर को शक्ति तथा स्फूर्ति देने के लिए भी अखरोट का प्रयोग किया जाता है इसके लिए अखरोट की गिरी में बराबर मात्रा में मुनक्का मिलाकर सेवन करना चाहिए। यदि चेहरा लकवा प्रभावित हो तो प्रभावित भाग पर अखरोट को लेप करके दशमूल या निर्गुडी के काढ़े की भाप लेने से लाभ होता है। स्तनपान कराने वाली माताओं या उन माताओं को जिन्हें दूध नहीं उतरता को गेहूं के आटे में अखरोट के पत्तों का चूर्ण मिलाकर दूध में गूंथ कर, गाय के घी में पूड़ियां तलकर खानी चाहिए। इससे दूध की मात्रा बढ़ जाती है। कुत्ते द्वारा काटे जाने पर, विष के प्रभाव को दूर करने के लिए 10 मिलीलीटर अखरोट के तेल को 50 मिलीलीटर गरम पानी में मिलाकर 6-6 घंटे के बाद रोगी को पिलाना चाहिए। मस्तिष्क की कमजोरी दूर करने के लिए भी अखरोट को गुणकारी माना जाता है। इसके लिए प्रतिदिन 25 ग्राम अखरोट की गिरी का सेवन करना चाहिए। लेकिन चूंकि यह पचने में भारी होता है इसलिए इसका सेवन केवल सर्दियों में किया जाना चाहिए। दर्द या पीड़ा दूर करने के लिए प्रभावित स्थान पर अखरोट के कच्चे फल की ताजा गिरी का लेप करके गरम ईंट या बालू से सिंकाई करने पर पीड़ा दूर हो जाती है। मलय लोग पेटदर्द तथा पेचिश में विशेष रूप से अखरोट का सेवन करते हैं। इसका तेल उदस्थ कृमियों को भी नष्ट कर देता है। ●●●

कहानी

पासवाले घर की बहू

वह आराम से आठ बजे सोकर उठती, चाय पीती, फिर नहा-धोकर सज-धजकर बैठ जाती. लोगों से चहक-चहककर बातें करती, क्योंकि मायका बगल में होने के कारण उसे माता-पिता से दूर होने का एहसास ही नहीं हुआ। ग्यारह-बारह बजे अपने कमरे में चली जाती और घंटों सोती रहती, केवल खाने व चाय के लिए निकलती। सुबह-शाम उसके भतीजे-भतीजी डिब्बा लिए हाज़िर रहते, 'मम्मी ने दिया है, बुआ को बहुत पसंद है।' बार-बार नाम लेकर पुकारने पर भी ऋषभ ने जवाब नहीं दिया। चाय ठंडी हुई जा रही थी, इसलिए विवश होकर मैं ही ऊपर पहुंच गई, जहां रिया अपनी छत पर खड़ी उससे बतिया रही थी। उनके प्रेमभरे 'गुटर गूं' में मेरे तीक्ष्ण स्वर ÷चाय पीनी है? ने विघ्न डाल दिया। रिया वहां से टली नहीं, मुस्कुराकर बोली, नमस्ते आंटीजी। मैंने अभिवादन का जवाब दिया और पैर पटकती नीचे उतर आई, बेशरम कहीं की, मां के सामने ही उसके बेटे से प्रेम की पींगें बढ़ा रही है, कोई लिहाज़-संकोच है ही नहीं। मां, कहां है मेरी चाय? नीचे आकर ऋ षभ ने पूछा। देख ऋषभ, अब तू बच्चा नहीं है, एक ज़िम्मेदार बैंक ऑफिसर है। छत के उस कोने में खड़े तुम दोनों क्या खुसुर-फुसुर करते रहते हो? बचपन में साथ खेलते थे, मैंने ध्यान नहीं दिया। बड़े हुए तो एक ही कॉलेज में थे, सो मैं चुप रही, लेकिन अब, अब क्या बातें होती हैं? मां, हमने बचपन से लेकर अब तक एक लंबा समय साथ में बिताया है, अब तो हमें एक-दूसरे से बात करने की आदत हो गई है। तुम व्यर्थ ही चिंता करती रहती हो। हमारे बीच ऐसा कुछ भी तो नहीं है। हम सिर्फ बात ही तो करते हैं। 'बात बढ़ते समय नहीं लगता। मेरी भृकुटी में बल पड़ रहे थे। अपने योग्य, सुंदर बेटे की पड़ोस की साधारण-सी रिया से नज़दीकियां मुझसे बर्दाश्त नहीं हो रही थीं। ऋषभ के 'कुछ भी तो नहीं है' कहने पर भी मुझे विश्वास नहीं हुआ। रिया के बदले रुख पर मैं हैरान-परेशान रहती थी। आजकल आए दिन कभी पकौड़े की प्लेट, तो कभी अचार की शीशी लिए हाज़िर हो जाती थी। ऐसे ही एक दिन वो घर पर आ धमकी। उसे देख मैंने कहा, 'सूट तो बड़ा सुंदर है। इसे दिखाने आई थी या पकौड़े देने?' 'कुछ भी समझिए आंटीजी, वैसे कैसी लग रही हूं?' 'ठीक है।' मुझे कहना पड़ा, उसे देखकर ही मैं शंकाग्रस्त हो जाती। बचपन में दिन-रात साथ खेलते बच्चों को युवावस्था में अलग कर देना मुश्किल होता है। हम तीन बहनों की संतानों में ऋषभ इकलौता था। पति के खानदान में भी वह सबसे बड़ा और लाड़-प्यार से पला था। उसकी शादी को लेकर हम सबने बड़े सपने संजोए थे, किंतु हमारे सारे अरमानों पर पानी फिर गया। जल्दी ही ऋषभ ने रिया से विवाह की घोषणा करके हम सबको गहरा आघात दिया। हज़ारों कमानेवाले ऋषभ की अकेली विवाहिता बहन रागिनी ने इसका पुरज़ोर विरोध किया। मैंने तो घर छोड़कर जाने की धमकी तक दे डाली, पर ऋषभ प्रभावहीन रहा। बोला, 'आप घर छोड़कर क्यों जाएंगी? मैं ही अलग हो जाऊंगा। बस, रिया से शादी करवा दीजिए।' 'करवा दूंगी। सारे निर्णय तो खुद ले चुका है। शादी भी कर ले।' 'ठीक है, कोर्ट-मैरिज कर लेता हूं। मुझे तो आपके विरोध का कारण समझ नहीं आ रहा है। हमारी जाति की है, पढ़ी-लिखी, धनी परिवार की है और सबसे बड़ी बात मुझे पसंद है।' 'मैंने जैसी बहू की कल्पना की थी, वो वैसी नहीं है। सिर चढ़ी- नखरैल, पता नहीं क्या देखा तूने उसमें?' 'शादी तो मुझे करनी है, मुझे पसंद है वह।' 'भइया! आपको मम्मी से ऐसे बात नहीं करनी चाहिए।' 'तू चुप रह, मम्मी की चमची। अभी दो दिन में संदीप के पास चली जाएगी। तूने भी तो की थी अपनी पसंद से शादी, मैंने कोई विरोध किया था?' रागिनी चुप हो गई, उसने भी प्रेमविवाह किया था, लेकिन मैंने उसमें अपनी सहमति दी थी। मैं कुछ बोलती उससे पहले ऋषभ के पापा बोले, ऋषभ की शादी रिया के साथ ही होगी। जवान लड़का घर से चला जाए, यही चाहते हो क्या तुम लोग? यह सब मैं नहीं होने दूंगा। अब कोई एक शब्द नहीं बोलेगा। शादी की तैयारी करो। उसके बाद सबने चुप्पी साध ली। शादी, बारात तक मैं बिल्कुल शांत रही। मुंह दिखाई में पांच तोले का हार दिया, लेकिन यह देखकर मेरा मुंह उतर गया कि रिया के माता-पिता ने दान-दहेज काफ़ी कम दिया था। हालांकि बारातियों का स्वागत बढ़िया था। रिया की व्यक्तिगत सभी चीज़ें अच्छी क्वालिटी की थीं, पर हर पारंपरिक सास जैसे घर के अन्य सदस्यों व वर के लिए कीमती गिफ्ट व नक़द की अपेक्षा करती है, मैं भी कुछ उसी तरह की अपेक्षाएं पाले बैठी थी, पर ऋषभ के पिता का सख्त निर्देश था कि मुंह खोलकर कोई मांग नहीं की जाएगी। बहरहाल, रिया बहू बनकर हमारे घर आ गई। जब तक घर रिश्तेदारों से भरा था, मैंने उसे आराम करने दिया। वह आराम से आठ बजे सोकर उठती, चाय पीती, फिर नहा-धोकर सज-धजकर बैठ जाती। लोगों से चहक-चहककर बातें करती, क्योंकि मायका बगल में होने के कारण उसे माता-पिता से दूर होने का एहसास ही नहीं हुआ। ग्यारह-बारह बजे अपने कमरे में चली जाती और घंटों सोती रहती। केवल खाने व चाय के लिए बाहर निकलती। सुबह-शाम उसके भतीजे-भतीजी डिब्बा लिए हाज़िर रहते, 'मम्मी ने दिया है, बुआ को बहुत पसंद है।' 'दादी ने फूफाजी के लिए भेजा है।' उन डिब्बों के स्वादिष्ट व्यंजनों से मुझे परहेज़ न था, लेकिन 'फूफा-बुआ मात्र' की भावना चुभ जाती। जिस दिन ऋषभ-रिया नैनिताल जा रहे थे, रिया ने आकर मुझसे कहा था, आप परेशान मत होइएगा, मेरी मम्मी ने रास्ते के लिए खाना बना दिया है।

कलाकारों ने मॉम्स को दिया स्पेशल मैसेज

चाहे हम कितने भी बड़े क्यों न हो जाएं, हमें हमेशा अपनी मां की जरूरत होती है। बचपन से ही हम घर पहुंचते ही अपनी मां से कुछ न कुछ मांगने के आदी हो गए हैं। मां और बच्चे के बीच का रिश्ता सबसे मजबूत होता है, जो मां की शिक्षाओं और आदर्शों के बच्चे के भविष्य को आकार देता है। मदर्स डे में मां से सीखे जिन्दगी के अनमोल पाठ के बारे में बात की।

आयुध भानुशाली- कहावत है भगवान हर जगह नहीं हो सकते इसलिए उन्होंने मां को बनाया। मेरी मां मेरे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण है। मैं जो भी हूं, उनकी शिक्षाओं के कारण हूं, उनकी सकारात्मकता बेजोड़ है। मेरी नजर में वह सबसे प्रगतिशील इंसान हैं। उनका अटूट आशीर्वाद मुझे जिन्दगी का भरपूर साथ देने के लिए प्रेरित करता है। उनके निस्वार्थ स्वभाव के कारण हमारा परिवार एकजुट हैं।

योगेश त्रिपाठी- मेरी मां ने मुझे खुद से प्यार करना और विनम्रता सिखाई। उनका मुझे पर कर्ज है। शैक्षणिक पृष्ठभूमि से आने के कारण मेरी मां कठोर लेकिन लगाव रखने वाली थीं और उन्होंने मुझे कड़ी मेहनत का महत्व और चीजों का मूल्य समझाया।

यह गुण मैं अपने बच्चों को भी देने की कोशिश कर रहा हूं। मां को अपने बच्चों से जो असीम प्यार होता है, उसकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती।

शुभांगी अत्रे- मां प्रेरणा स्त्रोत होती है, हमें बिना शर्त वाला प्यार और जिन्दगी के अनिगनत कई दूसरे सबक सिखाती है। मेरी मां मेरे लिए रोल मॉडल और प्रेरणा रही हैं, निजी और पेशेवर दोनों तरीकों से। उन्होंने मुझे हर स्थिति में आनंद लेने का तरीका दिखाया है और वह हमेशा मेरी सबसे करीबी दोस्त और सहयोगी रही हैं। वह मुझे समझ जाती हैं, तब भी, जब मेरे पास खुद को जाहिर करने के लिए शब्द नही होते। मेरी जिन्दगी में जब भी मुश्किल पल आते हैं, मां हमेशा राहत के अल्फाज सुनाती हैं और चुनौतियों से उभरने में मेरी मदद करती हैं। उन्होंने मुझे महत्वाकांक्षा और संतोष के बीच संतुलन पाने का महत्व समझाया है।

ऐश्वर्या खरे- मां मेरी दुनिया हैं। मेरी सबसे बड़ी सपोर्ट सिस्टम, चीयरलीडर और मेरी ताकत हैं। जब मैंने अपना करियर आगे बढ़ाने के लिए मुंबई जाने का फैसला किया, तो वही थीं, जिन्होंने मेरी सबसे ज्यादा मदद की और सपोर्ट किया। मैं अपनी मां के बिना जिंदगी की कल्पना भी नहीं कर सकती।

आशी सिंह- मैं अपनी मां के देने जा रही हूं गहने। इसके अलावा, उनके लिए मैनिक्योर, पेडिक्योर और फेशियल का अपॉइंटमेंट शेड्यूल करऊंगी। मांएं अपने काम के लिए पर्याप्त श्रेय नहीं लेती हैं इसलिए उनके आराम का दिन जरूरी है ताकि उन्हें बताया जा सके कि वो बेस्ट की हकदार हैं और उन्हें अपनी व्यस्त जिंदगी से खुद के लिए समय निकालने की जरूरत है।

अदिति शर्मा- मैं अपनी मां से सबसे ज्यादा प्यार करती हूं। वो सबसे अच्छी दोस्त रही हैं, मेरी मां मुझे किसी और से ज्यादा समझती हैं वो मेरी सबसे बड़ी आलोचक भी हैं और जरूरत पड़ने पर मुझे डांटती भी हैं, यही हमारे रिश्ते को बेहद खास बनाता है। ऐसा कुछ भी नहीं है, जो मैं उनसे छिपाती हूं, वो बहुत समझदार इंसान हैं।

निमश तनेजा- मैं मां के साथ अपने रिश्ते को शब्दों में बयां नहीं कर सकता। वो मेरी सबसे बड़ी सपोर्ट सिस्टम रही हैं, मुझे खुशी है कि मैं कुछ अपने और कुछ उनके सपनों को पूरा कर पाया। वो दिल्ली में है इसलिए मैं उनके लिए सरप्राइज प्लान कर रहा हूं।

श्वेता गुलाटी - मेरी मां और मेरे बीच अनोखा बंधन है, हम मां-बेटी से ज्यादा, दोस्त हैं। वो मेरी विश्वासपात्र हैं, जो मेरी जिन्दगी की छोटी से छोटी बात जानती हैं और वो हमेशा मेरे लिए मौजूद रहती हैं। मां और बच्चे का रिश्ता बहुत मजबूत होता है। वो हमारी जिन्दगी की हर बात जानती हैं और वो हमेशा हमारे लिए खड़ी रहती हैं, चाहे कुछ भी हो।

निहारिका रॉय-मॉम्स बेस्ट होती हैं और वो बच्चों और परिवारों के लिए निस्वार्थ भाव से हर रोज दिन-रात काम करती हैं। मेरी मां मेरी सबसे अच्छी दोस्त हैं। हम एक साथ बहुत समय बिताते हैं। वो मेरे हर फैसले को बहुत सपोर्ट करती हैं और हमेशा सही काम करने के लिए मुझे राह दिखाती हैं। हर दिन मदर्स डे है।

कृष्णा कौल- जिंदगी कभी मैनुअल के साथ नहीं आती, यह केवल मां के साथ आती है। लड़कियों के बजाय लड़के अपनी मां के ज्यादा करीब होते हैं और वे उनके साथ ज्यादा एक्सप्रेसिव होते हैं, मैं हमेशा अपनी मां के साथ खास दिन प्लान करता हूं। मैं मां को अपने हाथ से लिखे लेटर के साथ कुछ गिफ्ट्स भेज रहा हूं।

रचना मिस्त्री- मां के प्रति आभार व्यक्त करना चाहती हूं, जो न केवल खूबसूरत महिला हैं, मेरे जीवन में आशीर्वाद भी हैं। मैं अपनी दोनों बड़ी बहनों की आभारी हूं, जो मां से कम नहीं हैं, जिन्होंने मां के मौजूद नहीं होने पर मेरा बहुत ख्याल रखा।

आयुषी खुराना- मैं मां की सबसे ज्यादा प्रशंसा करती हूं, वह मेरी प्रेरणा और मेरी ताकत हैं। हर मुश्किल वक्त में वह हमेशा मेरा सबसे बड़ा सहारा बनकर खड़ी रही हैं। मैं मां को सभी रूढ़ियों को तोड़ते हुए देख कर बड़ी हुई हूं, मुझे बहुत ज्यादा प्यार करती है। वह बदलाव को लाने वाली मजबूत महिला हैं।

काजल चौहान- मैं अपनी मां के प्रति स्नेह व्यक्त करती हूं। मैं मां के बहुत करीब हूं और मैं ऐसे परिवार में पली-बढ़ी हूं, जहां मैं उनके लिए तोहफे नहीं खरीद सकती थी। अब मैं मां को खुश करने वाली हर चीजें खरीद सकती हूं।

रीम समीर शेख- मेरी मां मेरी सबसे बड़ी समर्थक, मेरी विश्वासपात्र और मेरी पहली सबसे अच्छी दोस्त हैं। जब मैंने अभिनय की दुनिया में अपनी यात्रा शुरू की तो मां का अटूट प्यार और समर्थन मेरे लिए सहारा बना रहा। वह हमेशा मुझे प्रोत्साहित करती हैं, चाहे वह सेट पर हों या घर पर, और जीवन के उतार-चढ़ाव में मेरा मार्गदर्शन करती हैं।

शिव ठाकरे- मेरी 'आई' मुझे दिखाती हैं कि बिना शर्त प्यार करना क्या होता है। वह हर चुनौती में मेरी मार्गदर्शक हैं और उनका अटूट समर्थन मेरी सबसे बड़ी ताकत है। वह मुझपर गर्व करती हैं, मुझे उससे बढ़कर कोई भी उपलब्धि की भावना नहीं लगती है।

दीपशिखा नागपाल- मां तो हमेशा मां होती है। मां होने के नाते हमें कई कठिनायों का सामना करना पड़ता है। मैंने हमेशा अपने बच्चों को खुद पाला है। 13 साल तक मैंने अपने बच्चों को स्ट्रिक्ट मां बनकर पाला लेकिन उसके बाद उसका दोस्त बनना होता है, उनमें कई हार्मोनल बदलाव आते हैं जो रिश्ता जीवन भर चलता है। मैं आज भी अपनी मां बहुत याद करती हूं।

ध्रुति मंगेशकर- रीना कपूर मेरे लिए मां जैसी हैं, वह बहुत प्यारी हैं और हमेशा अपने बच्चे की तरह मेरा ख्याल रखती हैं मुझे उनके साथ बहुत मजा आता है, खाली समय में हम आमतौर पर वीडियो या रील्स बनाते हैं और खूब मस्ती करते हैं। वह मुझे बहुत कुछ सिखाती भी है और जहां जरूरत होती है वहां सुधार भी करती हैं।

ईशा सिंह- मेरी मां मेरी सबसे बड़ी ताकत और मेरा सबसे मजबूत सपोर्ट सिस्टम हैं। मां को खास उपहार देने की कठिन परिस्थिति का सामना करती हूं। आप क्या तोहफ दे सकते हैं, जिन्होंने आपको जीवन का तोहफा दिया है? मां दुनिया की सबसे बड़ी चेंजमेकर हैं।

गौतम सिंह विग- मेरी मां हमेशा मेरी रक्षक, मेरी सहारा और मेरी सबसे बड़ी समर्थक रही हैं। हर सुख-दुख में, वह हमेशा मेरे साथ रही हैं, मैं अपनी सारी सफलता का श्रेय उन्हीं को देता हूं। उन्होंने मेरे लिए जो कुछ भी किया है, उसके लिए मैं उनका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं, कोई भी उनके बेहतर मां की इच्छा नहीं कर सकता है।

अंकुर वर्मा- जब मैं घर से दूर रहने के उतार-चढ़ाव से गुजरता हूं, तो मुझे लगातार अपनी मां के प्यार और समर्थन की याद आती है। घर का बना खाना, उनका गर्मजोशी भरा आलिंगन और उनका निरंतर प्रोत्साहन मेरे जीवन में शक्ति का स्त्रोत रहा है। मां से समय और विचारशीलता का महत्व सीखा।

टीवी

शिव शक्ति- तप, त्याग, तांडव

कलर्स के आगामी शो, 'शिव शक्ति- तप त्याग तांडव' में प्रेम और भक्ति है। यह महागाथा शिव और देवी पार्वती के प्रेम, कर्तव्य,त्याग और अलगाव की यात्रा को प्रदर्शित करता है, जो तप, त्याग और तांडव में तब्दील हो जाता है। राम यशवर्धन और सुभा राजपूत शिव और शक्ति की भूमिकाओं में हैं।यशवर्धन कहते हैं, भगवान शिव की भूमिका निभाने का अवसर पाना सबसे बड़े सम्मान की बात है। खुद शिव भक्त होने के नाते, यह परमेश्वर को मेरी श्रद्धांजलि है। सुभा कहती हैं, हम विश्वास करते हैं कि प्रेम हमेशा के लिए है। यह यकीन करना भी मुश्किल है कि मैं हिस्सा बन पाई।

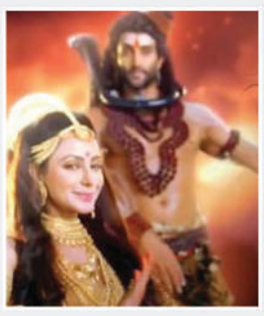

स्नेहा का स्किन केयर रुटीन

स्नेहा वाघ हिंदी और मराठी टेलीविजन इंडस्ट्री का जाना माना चेहरा हैं। गर्मी चरम पर है, ऐसे में लम्बे समय तक लाइट्स के बीच हेवी मेकअप के साथ शूटिंग करना त्वचा को नुकसान पंहुचाता है। इसलिए स्नेहा बताती हैं, इस मौसम में खूब सारा पानी पीना हाइड्रेटेड रहने का सबसे अच्छा तरीका है लेकिन शूटिंग के दौरान बार- बार टॉयलेट का चक्कर लगाना थोड़ा कठिन हो जाता है। इसलिए मैं इलेक्ट्रोलाइट्स पीती हूं क्योंकि यह हमें ऊर्जावान और हाइड्रेटेड रखने का सबसे अच्छा विकल्प है। इसके अलावा ढ़ेर सारी हरी सब्जियां और खूब सारे पानी वाले फल जैसे तरबूज का सेवन करने से त्वचा पर निखार आता है। कभी-कभी मैं उबटन का उपयोग करती हूं, क्योंकि यह डेड स्किन को मारने में मदद करता है और यह दादी और नानी के घरेलु नुस्खे में भी शामिल है, जिससे त्वचा चमकने लगती है।

घर वापस आई अल्का

जीटीवी के शो 'रब से है दुआ' में अल्का कौशल की एंट्री हुई, जो दुआ की मां हमीदा के रोल में हैं। वो न सिर्फ अपनी बेटी को हौसला देंगी बल्कि वहू के रूप में उसके अस्तित्व की लड़ाई में भी उसका साथ देंगी। अल्का लगभग 5 साल बाद जी टीवी पर लौटी हैं। अल्का ने कहा, मैं 5 साल बाद वापसी करके बेहद उत्साहित हूं। लगता है जैसे अपने घर वापस आ गई हूं, मुझे खुशी है, जो सशक्त महिला है। मेरे लिए खुद को चैलेंज देने और नई चीजें आजमाने का बढ़िया मौका है।

श्रेनु के साथ समर्थ की जोड़ी

जी टीवी का फिक्शन शो 'मैत्री' में मैत्री का परिवार चाहता है कि वो अपना घर बसा ले, मैत्री इवेंट मैनेजमेंट बिजनेस पर ध्यान देना चाहती है। अब हर्ष का रोल समर्थ

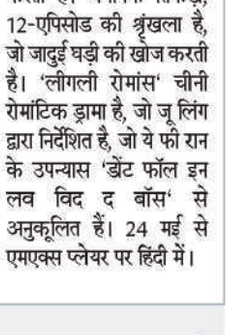

जुरेल निभाएंगे। हर्ष बनारस से प्रयागराज आता है और पेशे से इवेंट मैनेजर है। समर्थ बताते हैं, हर्ष का किरदार खुमिजाज इंसान है, जो जिंदगी के प्रति हमेशा पॉजिटिव सोच रखता है। मुझे बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। मुझसे ज्यादा मेरी दादी को खुशी है कि मैं इससे जुड़ा क्योंकि वो सभी शोज देखती हैं। इस परिवार का हर सदस्य बहुत बढ़िया है।

बेजोड़ इंटरनेशनल ड्रामा

'द लाइट इन योर आइज' और 'लीगली रोमांस' के साथ रोमांस, ट्विस्ट और रोमांचकारी हिंदी में है। 'द लाइट इन योर आइज' कोरियाई नाटक है, जो लोगों के जीवन पर समय के शक्तिशाली प्रभाव की पड़ताल करता है। भयानक तिकड़ी, 12-एपिसोड की श्रृंखला है, जो जादुई घड़ी की खोज करती है। 'लीगली रोमांस' चीनी रोमांटिक ड्रामा है, जो जू लिंग द्वारा निर्देशित है, जो ये फी रान के उपन्यास 'डोंट फॉल इन लव विद द बॉस' से अनुकूलित हैं। 24 मई से एमएक्स प्लेयर पर हिंदी में।

निहारिका का डीप फ्रीजर ड्रामा

जीटीवी का शो 'प्यार का पहला नाम राधामोहन' रोमांटिक ड्रामा है। इस की मोहन (शबीरअहलूवालिया), राधा (निहारिका रॉय) हैं। रधा फ्रीजर में फंस जाएगी और शून्य से नीचे वाले तापमान में जिदा रहने के लिए संघर्ष करेंगी। निहारिका बताती हैं, जब मुझे इस सीक्वेंस के बारे में पता चला तो मैं बेहद उत्साहित हो गई, क्योंकि ऐसा हर दिन नहीं होता, हमको चैलेंजिंग सीन शूट करने को मिलते हैं।

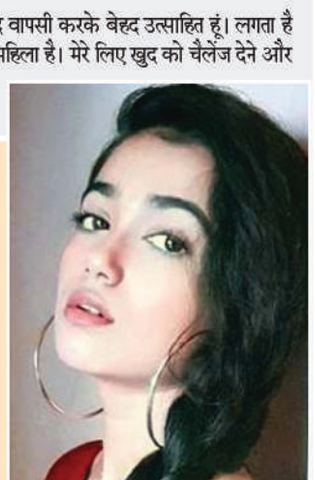

हर संघर्षशील युवा की झलक है अब दिल्ली दूर नहीं में : दिनेश

फिल्म अब दिल्ली दूर नहीं, सिर्फ इमोशनल ड्रामा नहीं है। सपने पूरे करने की राह में आने वाले रोड़े और लगन व कड़ी मशक्कत करके बड़ी कामयावी पाने की यह कहानी रियल स्टोरी है। जिसे लिखा है पेशे से पत्रकार और जाने-माने न्यूज एंकर दिनेश गौतम ने। उन्होंने विभिन्न बड़े ब्रान्ड्स के साथ काम किया है। यह बिहार के मेहनती रिक्शा चालक के बेटे गोविंद जायसवाल के आईएएस अधिकारी बनने की स्टोरी है। जिनका 2007 में सिविल सेवा में चयन हुआ था। जायसवाल को आर्थिक स्तर के कारण ही नहीं बल्कि सामाजिक मानदंडों व प्रचलित मान्यताओं से भी जूझना पड़ा। यह सीधे तौर पर उनकी बॉयोपिक तो नहीं है, पर उनके संघर्ष से प्रेरित जरूर है। देश के सबसे ऊंचे मयार को छूने के बावजूद उन्हें राजनीतिक व सांस्कृतिक चुनौतियों से जूझते हुए चौतरफा संघर्ष करना पड़ा। जिसने ना सिर्फ खुद के लिए बल्कि अपने पूरे परिवार को आर्थिक तंगी से निकालने के लिए आईएएस बनने का सपना देखा। गौतम ने कथानक को भावनात्मक तौर पर खुद महसूसा है, यह परदे पर नजर आता है। दिनेश गौतम ने इस भावनात्मक सचाई में आरक्षण के चलते मेधावी व मेहनतकश जवानों की राह में आने वाली दिक्कतों को सलीके से रखा है। दिनेश ने महेश भट्ट को संवाद दिया, जो संघर्षों का आईना है। भट्ट कहते हैं, इंसान को असफलता को अपना गहना बना लेना चाहिए। फिल्म का निर्देशन किया है कमल चन्द्र ने।

फिल्म में जायसवाल का मुख्य किरदार निभाया है इमरान जाहिद ने। यह उनकी पहली ही फिल्म है। जाहिद सिर्फ जायसवाल से मिले ही नहीं बल्कि उनके संघर्ष को समझा। चूंकि वह खुद भी बिहार से हैं इसलिए इस संघर्ष को समझने में उन्हें आसानी हुई। एक्टर ने कहा, गोविंद जी ने अपनी जिन्दगी से जुड़ी तमाम बातें साझा कीं, जिससे उनके चरित्र में ढलने में सहूलियत रही। श्रुति सोढी ने फिल्म में पंजाबी लड़की की भूमिका में है। इस तरह की फिल्में समाज के बड़े वर्ग के लिए हौंसलाफजाई करने वाली वाली होती हैं। लेखक का कहना है, संघर्ष की बातों ने उन्हें भीतर तक दहला दिया था। वह लगातार कई सप्ताह तक भावनात्मक उतार-चढ़ाव से जूझते रहे। वह कहते हैं, देश में होनहार युवाओं का बड़ा वर्ग है। जो अपने सपने पूरे ना होने या उनके आगे आने वाली अड़चनों से घबरा कर छोटी सी नौकरी या रोजगार में बेमन सा लगा रहता है। अपनी बात को आगे बढाते हुए गौतम ने कहा, छोटे शहरों, कस्बों या ग्रामीण इलाकों से बेहतरीन भविष्य की उम्मीदें लिए महानगरों में आने वाले हर बन्दे की झलक है इसमें।

■

बॉलीवुड

भंडारकर ने किया तब्बू के बारे में खुलासा

एफटीआईआई में दाखिले के लिए इंकार मिलने से लेकर मुख्य अतिथि के रूप में वहां लौटने तक, छठी फेल मधुर भंडारकर ने मनीष पॉल के पॉडकास्ट पर अपनी फिल्में- चांदनी बार, पेज 3 और अन्य के रहस्यों को उजागर किया। छठी कक्षा में फेल होने के बाद स्कूल छोड़ने से लेकर अपनी पहली फिल्म बनाने से पहले वीडियो कैसेट बेचने तक की प्रेरणादायक यात्रा को याद करते हुए, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता ने दिल छू लेने वाल खुलासा किया। पहली फिल्म की असफलता के बाद, मधुर को दोस्त के साथ महिला डांस बार जाने के कारण चांदनी बार का विचार आया। मुंगड़ा गाने और बार में डांसर्स के ख्यालों से कई दिनों तक झुंझने के बाद, भंडारकर ने फिल्म के लिए शोध की शुरू की। उन्होंने बताया की उन्होंने मुंबई भर में विभिन्न प्रकार के डांस बारों का दौरा किया। लंबे समय के रिसर्च के बाद, मधुर तब्बू और अतुल कुलकर्णी अभिनीत चांदनी बार की पटकथा लेकर आए। भंडारकर ने कहा, तब्बू ने मुझसे कहा कि तुम मेरे पास ऐसी स्क्रिप्ट लेकर आ हो जिसे में मना नहीं कर सकती थी,अक्सर मजाक करती थी, मधुर भारतीय मनोरंजन उद्योग के लिए मेरी खोज हैं, भंडारकर ने भारत में सामाजिक मुद्दों पर कुछ बेहतरीन फिल्मों की पेशकश की है, जिनमें चांदनी बार, कॉर्पोरेट, ट्रैफिक सिग्नल, पेज 3, फैशन और हाल ही में सफल इंडिया लॉकडाउन शामिल हैं।

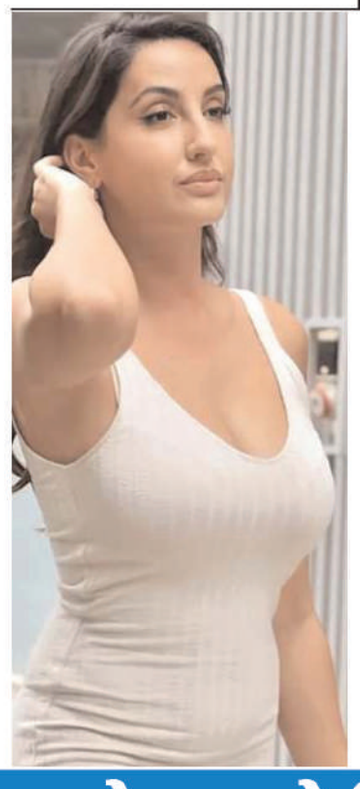

विद्या बालन ने किताब लॉन्च की

विद्या बालन ने अर्शिया लदाक की साड़ियों की अनकही कहानियों के संग्रह का सम्मान करते हुए उनकी पुस्तक को लांच किया। साड़ियों के शौक के लिए जानी जाने वाली विद्या देश के हैंडलूम और लोकल कारीगरों की राजदूत के रूप में उभरी हैं। साड़ियों को अपना स्टाइल स्टेटमेंट बनाते हुए, विद्या बालन ने बार-बार देश के कोने-कोने से बुनकरों के उत्थान के लिए अपना योगदान दिया, जिससे वह पारंपरिक परिधानों की आदर्श प्रतिनिधि बन गई हैं। ए वॉर्डरोब फुल ऑफ स्टोरीज, साड़ी-कहानियों से पहले कभी न बताई गई कहानियों का संग्रह है। यह 34 साक्षात्कारों पर बनाया गया है, जो अर्शिया लदाक ने विद्या बालन, स्वाति पीरामल, शोभा डे, चेरी ब्लेयर के साथ-साथ साड़ी डिजाइनरों और विमोर के पवित्र मुद्रा के साथ आयोजित किया था। कैंसर के खिलाफ लेखक की लड़ाई के दौरान और दुनिया के साथ विंटेज और विरासत साड़ियों के पत्रकारों, नर्तकियों, अभिनेताओं, समाजसेवियों, वकीलों, डॉक्टरों, गायकों, डिजाइनरों, कलाकारों, कॉर्पोरेट दिग्गजों और उद्यमियों को इकट्ठा करने और फिर से कहने में साथ बुनते है। बालन ने साझा किया, अर्शिया के अनमोल संग्रह का उनकी किताब ए वॉर्डरोब फुल ऑफ स्टोरीज के रूप में अनावरण करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है।

नोरा फतेही की सबसे ज्यादा फॉलोइंग

मोरक्को की सोशल मीडिया एजेंसी ने सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले मोरक्को के स्टार्स की लिस्ट जारी की, इस लिस्ट में नोरा फतेही सबसे ऊपर हैं। सोशल मीडिया पर लगभग 44.9 मिलियन फॉलोअर्स है। नोरा ने इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले मोरक्को में जन्में सितारों में से होने की लिस्ट को हासिल की। नोरा को वैश्विक सनसनी फ्रेंच मोंटाना और पेशेवर फुटबॉलर अचरफ हकीमी, जो मोरक्को की राष्ट्रीय टीम में भी खेलते हैं और अभिनेत्री का अनुसरण करते हैं। नोरा अभिनेत्री, डांसर और रियलिटी टीवी शो की जज हैं। बिग बॉस 9 में नोरा को चुलबुली और खुशमिजाज होने के लिए पसंद किया गया था।

राजनीति में सत्ता का संघर्ष

ताकत, राजनीति, धोखेबाजी, और भी बहुत कुछ के साथ सबसे प्रभावशाली और ताकतवर गायकवाड़ लौट आए है। सिटी ऑफ ड्रीम्स सीजन 3 का निर्देशन नागेश कुकुनूर ने किया है। इसमें अतुल कुलकर्णी, सचिन पिलगांवकर, प्रिया बापट, एजाज खान, सुशांत सिंह, रणविजय सिंघा, ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। शो

डिज्नी+ हॉटस्टार पर 26 मई को रिलीज होगा। अतुल कुलकर्णी ने कहा, इस सीजन में उसमें उन घटनाओं के कारण उल्लेखनीय बदलाव होता है, जो उसके व्यक्तित्व के आधार को ही बदल देती हैं सचिन पिलगांवकर ने कहा, राजनीति में ताकत की लड़ाई अपनेआप में दुनिया बनाती है। मूल बात यही है, इस बार बहुत अलग तरीके से पेश किया गया है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी

7.2 अरब डॉलर बढ़कर 595 अरब डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली। देश का विदेशी मुद्रा भंडार पांच मई को समाप्त सप्ताह में 7.196 अरब डॉलर उछलकर 595.976 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई ने यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह, देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.532 अरब डॉलर घटकर 588.78 अरब डॉलर रहा। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2021 में, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। वैश्विक घटनाओं के कारण उत्पन्न दबावों के बीच केंद्रीय बैंक के रुपए के बचाव के लिए मुद्रा भंडार के उपयोग से इसमें गिरावट आई। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, पांच मई को समाप्त सप्ताह में मुद्राभंडार का अहम हिस्सा, विदेशी मुद्रा आस्तियां 6.536 अरब डॉलर बढ़कर 526.021 अरब डॉलर हो गई। डॉलर में अभिव्यक्त किए की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि स्वर्ण भंडार का मूल्य आलोच्य सप्ताह में 65.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 46.315 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार एसडीआर 1.9 करोड़ डॉलर घटकर 18.447 अरब डॉलर रह गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष आईएमएफ में रखा देश का मुद्रा भंडार दो करोड़ डॉलर बढ़कर 5.192 अरब डॉलर हो गया।

21 हजार करोड़ जुटाएगा अदाणी ग्रुप

हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद फंड जुटाने का अदाणी ने किया पहला प्रयास

नई दिल्ली। अदाणी ग्रुप की दो कंपनियां आने वाले दिनों में 21 हजार करोड़ रुपए जुटाने वाली हैं। समूह ने शनिवार को शेयर बाजारों को इसकी जानकारी दी। अदाणी समूह के इस कदम को काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि साल की शुरुआत में आई हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद फंड जुटाने का यह अदाणी का पहला प्रयास है। अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग ने जनवरी में अदाणी समूह के ऊपर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया था। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट 24 जनवरी को आई थी और उसके बाद अदाणी समूह को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। रिपोर्ट आने के बाद करीब एक महीने तक अदाणी के लगभग सारे शेयरों में भारी बिकवाली होती रही और इसके चलते समूह को बाजार पूंजीकरण में बहुत नुकसान हुआ। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट ऐसे समय आई थी, जब अदाणी समूह की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड फरवरी महीने के दौरान अपना एफपीओ लेकर आ रही थी। उस समय अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड एफपीओ से समूह ने 20 हजार करोड़ रुपए जुटाने का प्रयास किया था, लेकिन रिपोर्ट के चलते खराब हुए हालात में समूह ने एफपीओ को पूरी तरह से सब्सक्राइब होने के बाद भी वापस ले लिया था। उसके बाद अब अडानी समूह फिर से फंड जुटाने की तैयारी में है। अरबपति कारोबारी गौतम अदाणी का समूह अपनी दो कंपनियों के शेयर बेचकर लगभग 21000 करोड़ रुपए जुटाने जा रहा है। जिन दो कंपनियों के शेयर बेचे जाने की तैयारी है, वे फ्लैगशिप कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज और अदाणी ट्रांसमिशन हैं। फंड जुटाने की योजना को मंजूरी दोनों के लिए इन दोनों कंपनियों के बोर्ड की बैठक हुई।

अदाणी ग्रीन की फंड जुटाने की योजना टली

अदाणी समूह की एक अन्य कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड भी जल्दी ही फंड जुटाने की योजना का ऐलान करेगी। पहले अदाणी ग्रीन के बोर्ड की बैठक भी 13 मई को ही होने वाली थी, लेकिन बाद में इसे टाल दिया गया। अदाणी ग्रीन एनर्जी ने शेयर बाजारों को बताया है कि कुछ आकस्मिक कारणों से 13 मई को होने जा रही बोर्ड मीटिंग टाल दी गई है। शेयरों को बेचकर फंड जुटाने से संबंधित प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए यह बैठक होने वाली थी। कंपनी ने बताया है कि अब उसकी बोर्ड मीटिंग 24 मई को होगी।

इन निवेश से जुटाए जाएंगे पैसे

वहीं अदाणी एंटरप्राइजेज और अदाणी ट्रांसमिशन ने बोर्ड की बैठक के बाद फंड जुटाने की योजना के बारे में शेयर बाजारों को जानकारी दी।अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की योजना 12500 करोड़ रुपए जुटाने की है, जबकि दूसरी कंपनी अदाणी ट्रांसमिशन 8500 करोड़ रुपए जुटाएगी। इस तरह से समूह कुल 21 हजार करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में है। कुछ खबरों में बताया जा रहा है कि हिस्सेदारी बेचकर फंड जुटाने की अडानी समूह की इस योजना में यूरोप और पश्चिम एशिया के कुछ निवेशक काफी दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

रियल एस्टेट में विदेशी संस्थागत निवेश बढ़ा

2017-22 के दौरान तीन गुना होकर 26.6 अरब डॉलर रहा

नई दिल्ली। भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में 2017-22 के दौरान विदेशी संस्थागत निवेश के रूप में 26.6 अरब अमेरिकी डॉलर मिले। यह आंकड़ा इससे पहले के छह वर्ष के मुकाबले तीन गुना है। रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी कोलियर्स इंडिया ने यह जानकारी दी। उसके मुताबिक इस निवेश में अमेरिका और कनाडा की 70 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कोलियर्स इंडिया ने एक रिपोर्ट में उन कारणों के बारे में बताया, जिनके चलते वैश्विक निवेशकों के लिए भारत एक पसंदीदा विकल्प है। सलाहकार ने कहा कि उद्योग में बड़े संरचनात्मक, नीतिगत सुधारों से पारदर्शिता और कारोबारी सुगमता बढ़ी है, जिसके चलते पिछले कुछ वर्षों में भारत में विदेशी निवेश बढ़ा है। आंकड़ों के अनुसार, रियल एस्टेट में कुल संस्थागत निवेश 2017-22 में बढ़कर 32.9 अरब डॉलर हो गया, जो 2011-16 में 25.8 अरब डॉलर था। इसमें विदेशी संस्थागत निवेश 8.2 अरब डॉलर से बढ़कर 26.6 अरब डॉलर हो गया। हालांकि, इस दौरान घरेलू निवेशकों का निवेश 17.6 अरब डॉलर से घटकर 6.3 अरब डॉलर रह गया।

कल्याण ज्वेलर्स का टेम्पल ज्वेलरी कलेक्शन पेश

नई दिल्ली। टेंपल ज्वेलरी दस्तकारी वाले गहनों की एक आश्चर्यजनक और जटिल शैली है, जिसका दक्षिण भारत में 9वीं शताब्दी ईसवी से एक समृद्ध इतिहास रहा है। हालांकि परंपरागत रूप से मंदिर में देवताओं के शृंगार के लिए इस तरह की ज्वेलरी का इस्तेमाल किया जाता था या राजसी शानो-शौकत की भी यह हिस्सा रही हैं। अब यह दुल्हनों और विशेष अवसरों के लिए एक लोकप्रिय विकल्प बन गई है।

पारंपरिक टेम्पल ज्वेलरी बनाने की प्रक्रिया में कौशल, सटीकता और प्रत्येक डिजाइन से जुड़े दर्शन की समझ बहुत जरूरी होती है। मंदिर के आभूषणों के निर्माण में कई चरण शामिल हैं, जो आभूषणों की डिजाइनिंग से शुरू होते हैं। डिजाइन अक्सर प्राचीन हिंदू शास्त्रों से प्रेरित होते हैं और प्रत्येक पीस का अपना अर्थ और महत्व होता है। अगला कदम नक्काशी का है, जिसमें सोने की एक पतली शीट को पिघले हुए मोम के बेस पर रखा जाता है और विशेष उपकरणों का उपयोग करके सोने की शीट पर डिजाइन को उभारा जाता है। इसके बाद आभूषणों को प्रीशियस और सेमी-प्रीशियस स्टोन से सजाया जाता है, अंत में पॉलिश से फिनिशिंग की जाती है। टेम्पल ज्वेलरी बनाने में प्रयुक्त प्रक्रिया और सामग्रियों की विश्वसनीयता पर सवाल उठते आए हैं। इन चिंताओं के जवाब में भारत के प्रसिद्ध ज्वैलरी ब्रांड कल्याण ज्वैलर्स ने अपना 4-लेवल एश्योरेंस सर्टिफिकेट पेश किया है, जो एक ग्राहक केंद्रित पहल है। यह अपने ग्राहकों के लिए सर्वोत्तम मूल्य, गुणवत्ता और सेवा की गारंटी देता है। कल्याण ज्वैलर्स निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से व्यवसाय करता है, जैसा कि प्रोडक्ट इंफोर्मेशन सैक्शन के 4-लेवल एश्योरेंस प्लान से स्पष्ट होता है। ब्रांड उत्पाद के कुल वजन से अन्य सामग्रियों जैसे लाख, रत्न, कांच, लकड़ी, तामचीनी आदि के वजन को घटाने के बाद उपयोग किए गए सोने के कुल मूल्य पर ग्राहक की सोने की दर को ही चार्ज किया जाता है। कल्याण ज्वेलर्स भारत में अपने किसी भी शोरूम में खरीदे गए गहनों का मुफ्त आजीवन रखरखाव भी प्रदान करता है।

इस साल 9 करोड़ नौकरियां पैदा करेगा पर्यटन उद्योग

जीडीपी में इस उद्योग का 11.48 लाख करोड़ रुपए का योगदान होगा

नई दिल्ली। देश की पर्यटन उद्योग में इस साल 8.8 करोड़ नई नौकरियां पैदा होंगी। सकल घरेलू उत्पादन जीडीपी में इस उद्योग का 11.48 लाख करोड़ रुपए यानी पांच फीसदी योगदान होगा। डिजिटल पेमेंट कंपनी वीसा और प्रोफेशनल सर्विसेज फर्म ईवाई की एक रिपोर्ट में ऐसा कहा गया है। विदेशी सैलानियों को आकर्षित करने पर सरकारी खर्च तेजी से घट रहा है। 2021-22 में सरकारी खर्च जहां 524 करोड़ रुपए था, वहीं 2022-23 में यह 34.9 फीसदी घटकर 341 करोड़ रुपए हो गया। वहीं 2023-24 में यह 51 फीसदी घटकर 167 करोड़ रुपए रहा। कुल नौकरियों में इस सेक्टर की 13 फीसदी हिस्सेदारी है। अगले दशक में भारत में मेडिकल, वेलनेस, आध्यात्मिक, बिजनेस ट्रैवल के साथ एडवेंचर टूरिज्म सेगमेंट में वृद्धि होगी। चार्टिंग दी कोर्स फॉर इंडिया, टूरिज्म मेगाट्रेंड्स अनपैक्ड नाम की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में विदेशी सैलानी घरेलू पर्यटकों से 26 गुना ज्यादा खर्च करते हैं। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर ट्रैवल इंडस्ट्री के 2023 में कोविड के असर से पूरी तरह रिकवर होने की उम्मीद है। इस साल ये प्री-कोविड लेवल के 85.95 फीसदी तक पहुंच जाएगी। इसका बड़ा फायदा भारत को भी मिलेगा।

तीर्थस्थलों के विकास पर खर्च 67 फीसदी बढ़ा

तीर्थस्थलों के विकास पर 2022-23 150 करोड़ रुपए खर्च हुए। वहीं 2023-24 में यह 66.7 फीसदी बढ़कर 250 करोड़ रुपए हो गया। 2023 के आम बजट में टूरिज्म के लिए 2400 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। केंद्र ने 2023 के बजट में विदेश में प्रमोशनल एक्टिविटी पर खर्च में 50 फीसदी कटौती की। इस साल टूरिज्म बजट से 5 फीसदी ज्यादा स्वदेश दर्शन स्कीम के लिए आवंटित किया गया है। 2030 तक देश में 2.5 करोड़ पर्यटकों को लाने का लक्ष्य रखा गया है।

सेंट मोंटफोर्ट के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

भोपाल। शुक्रवार को सीबीएसई ने 12वीं व 10वीं कक्षा के परीक्षा परिणामों की घोषणा की। सेंट मोंटफोर्ट स्कूल भोपाल के छात्रों ने सीबीएसई 10वीं और 12वीं परीक्षा में हमेशा की तरह इस साल भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। सीबीएसई हायर सेकंडरी परीक्षा परिणामों में सेंट मोंटफोर्ट स्कूल के छात्र-छात्राओं का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। 12वीं के छात्र अर्पित गुप्ता व ब्रह्मजोत सिंह ने 95-95 फीसदी अंक प्राप्त कर स्कूल में संयुक्त रूप से टॉपर रहे। वहीं लक्ष्य हसानी 94.8 फीसदी अंकों के साथ स्कूल में दूसरा स्थान प्राप्त किया। अयुश सिंह ने स्कूल में 92.8 फीसदी अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। अग्नी छारिया व यश जियानी ने 92.2 फीसदी अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर रहे। जबकि खुशी चौहान ने 92 फीसदी अंकों के साथ पांचवां स्थान हासिल किया। 10वीं में स्कूल के अरव देवरॉय, एस. रोशन, रिदम जैन व सौम्या कुवर ने 96-96 फीसदी अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। जबकि अक्षिता चतुर्वेदी 95.8 फीसदी, अक्षत राय, अक्षय राजपूत, आदित्य बोवडे, प्रथमेश सिंह, रिद्धीमा गौतम ने 95.6 फीसदी अंकों के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। समर्थ गट्टानी सुयश त्रिपाठी ने 95.4 फीसदी अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे। सेंट जेवियर स्कूल के प्रबंधन ने छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि छात्र-छात्राओं ने स्कूल और अपने माता-पिता को गौरान्वित किया है।

सेंट राफेल स्कूल का शत-प्रतिशत रहा परीक्षा परिणाम

भोपाल। 12वीं तथा 10वीं के परीक्षा परिणाम में सेंट राफेल कोएड स्कूल भोपाल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। प्रधानाचार्या सिस्टर वल्सा जोसेफ ने विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों और अभिभावकों को भी बधाई देते हुए बताया कि कक्षा 12वीं कॉमर्स स्ट्रीम में कुमारी पलक बुलचंदानी ने 93.6 प्रतिशत, कुमारी उन्नति करोड़े ने 93.2 तथा साइंस ग्रुप में कुमारी अर्पिता राठौर ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। कक्षा 10वीं में आयुष मिश्रा ने 97.8 तथा कनक राय खरे ने 95.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रधानाचार्या सिस्टर वल्सा जोसेफ एवं रफेलाइट्स परिवार ने पुनः बधाई देते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सेंट जोसेफ कोलार के छात्र-छात्राओं ने बढ़ाया स्कूल का गौरव

भोपाल। सीबीएसई बोर्ड द्वारा कक्षा 10वीं एवं 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ। जिसमे हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सैन्ट जोसेफ को-एड स्कूल कोलार के छात्र-छात्राओं द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। कक्षा 10वीं के छात्र त्रिशय परसेदिया ने 97 फीसदी अंक अर्जित कर शाला में प्रथम स्थान, छात्रा नंदिनी गुप्ता ने 96.2 फीसदी अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान एवं छात्र कार्तिक गुप्ता ने 96 फीसदी अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। साथ ही कक्षा 12वीं में विज्ञान संकाय पीसीएम से छात्रा पवित्रा दसहोरे ने 92.2 फीसदी अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। पीसीबी से छात्र आयुष भट्ट ने 90 फीसदी अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वाणिज्य संकाय में छात्र अविरल मजूमदार ने 93.2 फीसदी अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। ह्यूमेनिटज संकाय से छात्रा अनन्या शिंदे ने 95.4 फीसदी अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्कूल प्रबंधन की तरफ से प्राचार्या सिस्टर एलाइजा जोसेफ तथा मैनेजर फादर रोनाल्ड कार्डोजा ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

म्युचुअल फंडों के पास बिना दावे के 2500 करोड़ रुपए

सेबी के साथ मिलकर काम कर रहा एम्फी

नई दिल्ली । भारत में म्युचुअल फंडों के संगठन एम्फी ने कहा कि म्युचुअल फंडों के पास बगैर दावे के करीब 2500 करोड़ रुपए के लाभांश और यूनिट हैं। इस कुल राशि में से करीब 1600 करोड़ रुपए बगैर दावे वाले लाभांश और शेष बिना दावे से जुड़ी बिकवाली से संबंधित हैं। एम्फी के मुख्य कार्याधिकारी एनएस वेंकटेश ने कहा कि संगठन ने यह सुनिश्चित करने के लिए बाजार नियामक सेबी के साथ लगातार काम किया है कि यह राशि सही मालिकों के हाथों में पहुंच जाए। उन्होंने कहा, सेबी ने एम्फी को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी है कि निवेशक या उनके नोमिनी या वारिस को पूंजी मिले। हम इस संबंध में सेबी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। यह आंकड़ा निकट भविष्य में काफी घट जाएगा। वेंकटेश ने कहा कि फंड हाउस इन निवेशकों से ईमेल आईडी और उनके पैन से जुड़े फोन नंबरों के जरिए संपर्क बनाने की कोशिश कर रहे हैं। बगैर दावे वाली बचत और निवेश लगभग सभी बैंकों और निवेश योजनाओं के लिए समस्या है। पिछले महीने सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पास करीब 35000 करोड़ रुपए की बगैर दावे की जमाएं होने का अनुमान लगाया था। वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री भागवत कराड ने जवाब में कहा, आरबीआई के पास मौजूद जानकारी के अनुसार, फरवरी 2023 के अंत तक केंद्रीय बैंक को जमाओं के संबंध में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा बगैर दावे वाले 35012 करोड़ रुपए स्थानांरित किए गए।

पीएम वाणी के तहत रोजगार और स्वरोजगार के अवसर

रायपुर। देश के सभी सार्वजनिक स्थानों पर वाई-फाई सुविधा उपलब्ध कराने वाली प्रधानमंत्री वाईफाई एक्सेस नेटवर्क इनिशिएटिव पीएम वाणी योजना के तहत छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर प्रेस क्लब में सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पीएम वाणी के सह संस्थापक गौरव सिंह ने बताया कि किस तरह वाई फाई सेंटर एवं डाटा केंद्र की शुरूआत कर रोजगार और स्वरोजगार कर सकते हैं। गौरव सिंह ने बताया कि पीएम वाणी योजना के तहत पूरे देश में सार्वजनिक डाटा केंद्र खोले जा रहे हैं। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ में भी इसकी शुरुआत की जा रही है, जिसके माध्यम से लोगों को बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविटी देने वाली मुफ्त वाई-फाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस योजना के माध्यम से प्रत्येक नागरिक इंटरनेट से कनेक्ट हो सकता है, जिससे उन्हें कई तरह की सुविधाएं मिलेंगी। छोटे व्यापारी और दुकानदारों को इस योजना से व्यापार करने में भी आसानी होगी। रिफाइनिंग राजस्व बढ़ने से कंपनी की आमदनी बढ़ी है।

आरबीआई ने केनरा बैंक पर लगाया 2.92 करोड़ रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने नियमों की अनदेखी करने पर सरकारी बैंक केनरा बैंक पर बड़ी कार्रवाई की है और उस पर करोड़ों का जुर्माना लगाया है। बैंक पर आरबीआई ने केनरा बैंक पर 2.92 करोड़ रुपए की पेनाल्टी लगाई गई है। रिजर्व बैंक ने बताया कि ब्याज दरों को रेपो रेट जैसे एक्सटर्नल बेंचमार्क से लिंक करने और अयोग्य लोगों के सेविंग खाता खोलने के कारण बैंक पर यह कार्रवाई की गई है। केंद्रीय बैंक ने जानकारी दी कि इससे पहले 31 मार्च, 2021 को रिजर्व बैंक ने केनरा बैंक की वित्तीय कार्य की जांच के लिए एक वैधानिक निरीक्षण किया था। जुलाई 2020 में एक अन्य बैंक द्वारा धोखाधड़ी की शिकायत मिलने के बाद केंद्रीय बैंक यह निरीक्षण किया था। अपनी जांच में आरबीआई ने पाया कि बैंक फ्लोटिंग रेट पर आधारित रिटेल और एमएसएमई को प्रदान किए गए लोन पर ब्याज दरों को एक्सटर्नल बेंचमार्क से जोड़ने में असफल रहा है। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2020-21 में नए फ्लोटिंग रेट आधारित रुपए के लोन पर वसूले जाने वाले ब्याज दर को मार्जिनल कॉस्ट ऑफ लेंडिंग रेट से जोड़ने में भी बैंक नाकाम रहा। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने यह भी बताया कि केनरा बैंक ने कई अयोग्य एंटिटीज के नाम पर सेविंग अकाउंट खोले और कई क्रेडिट कार्ड वाले खाते में फर्जी मोबाइल नंबर भी डाले। इसके साथ ही बैंक डेली जमा योजना के तहत खोले गए खातों पर ब्याज देने में भी असफल रहा है। आरबीआई ने यह भी बताया कि बैंक ने उन खातों से एमएमएस चार्ज ले लिया जो वास्तविक तौर पर इस्तेमाल भी नहीं किया जा रहा था। इसके साथ ही बैंक ट्रांजैक्शन के आधार पर अलर्ट जारी करने में भी विफल रहा है।

मदर्स डे के लिए सोनी सब के कलाकारों के विचार

भोपाल। सोनी सब के ध्रुव तारा में ध्रुव की भूमिका निभा रहे, ईशान धवन ने कहा, इस मदर्स डे पर मैं उस महिला का आभार व्यक्त करना चाहता हूं, जो मेरे लिए सब कुछ है, यानि मेरी मां। वह सिर्फ मेरी मां ही नहीं, बल्कि मेरी रक्षक, मेरा सपोर्ट सिस्टम और मेरी सबसे अ%छी दोस्त है। उनका अटूट प्रेम और बलिदान मेरे जीवन के स्तंभ रहे हैं। ध्रुव तारा में तारा की भूमिका निभाने वाली, रिया शर्मा ने कहा, इस मदर्स डे पर, मैं उस महिला को आभार व्यक्त करना चाहती हूं, जो मेरी रक्षक, मेरी गुरु और मेरी सबसे बडी चीयरलीडर रही हैं - मेरी मां। आज मैंने जो कुछ भी हासिल किया है, वह उनके निरंतर समर्थन, प्रोत्साहन और बलिदान के कारण संभव हो पाया है। दिल दियां गल्लां में अमृता का किरदार निभाने वाली, कावेरी प्रियम ने कहा, मैं उस महिला का दिल से आभार व्यक्त करना चाहती हूं जिसने मुझे जीवन दिया, मेरी मां।

आईआईटी में प्रौद्योगिकी विभाग का शुभारंभ

चेन्नई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी मद्रास ने चिकित्सा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का शुभारंभ किया है। यह चिकित्सा विज्ञान और इंजीनियरिंग में चार वर्षीय बीएस प्रोग्राम का संचालन करेगा। यह कोर्स भारत में पहली बार शुरू किया जाएगा। विभाग के उद्घाटन में कॉग्निजेंट के सह संस्थापक लक्ष्मी नारायणन और आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामकोटि इस विभाग की संचालन समिति के मेडिकल क्लीनिशियंस और अन्य भागीदार मौजूद थे। यह कोर्स विभिन्न विषयों के परस्पर सहयोग का दृष्टिकोण रखते हुए जीवन रक्षक चिकित्सा उपकरण, दवा की खोज, चिकित्सा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मौलिक चिकित्सा अनुसंधान के लिए छात्रों को तैयार करेगा।

भारत भूषण फाइनेंस एंड कमोडिटी का पंजीकरण रद्द

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने अवैध पेयर्ड कांट्रैक्ट में शामिल होने के लिए ब्रोकरेज कंपनी भारत भूषण फाइनेंस एंड कमोडिटी ब्रोकर्स लिमिटेड का पंजीकरण रद्द कर दिया। यह अनुबंध अब बंद हो चुकी नेशनल स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड एनएसईएल ने शुरू किया था। सेबी ने इसके अलावा ब्रोकर से उसके मौजूदा ग्राहकों को उसके पास जमा उनकी प्रतिभूतियों या कोष को 15 दिन के अंदर वापस लेने अथवा उसे अंतरित करने की मंजूरी देने का निर्देश दिया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड सेबी ने कहा कि अगर कोई ग्राहक इस दौरान किसी कारण अपनी प्रतिभूति या कोष वापस नहीं ले पाता है तो ब्रोकर को अगले 15 दिन के अंदर उस ग्राहक की सलाह पर उसकी प्रतिभूति या कोष किसी अन्य ब्रोकर को हस्तांतरित करनी होगी। यह मामला भारत भूषण फाइनेंस एंड कमोडिटी ब्रोकर्स के दोहरे अनुबंध में शामिल होने से संबंधित है। इस अनुबंध को सेबी की मंजूरी नहीं मिली थी।

भारत में बिक्री की विशाल संभावनाएं: बोइंग

नई दिल्ली। विमानन कंपनी गो फर्स्ट के संकट में फंसने के बीच अमेरिकी विमान विनिर्माता बोइंग ने कहा कि वह मसले को हल करने के लिए हितधारकों के साथ मिलकर काम करेगी। बोइंग कमर्शियल एयरप्लेन्स के उपाध्यक्ष भारत में वाणिज्यिक बिक्री एवं विपणन रेयान वीर ने साथ ही कहा कि भारत में बिक्री की विशाल संभावनाएं हैं। इससे पहले पट्टेदारों ने राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण एनसीएलटी के गो फर्स्ट की परिसंपत्तियों पर रोक लगाने के बारे में चिंता जताई थी। ऐसे में एयरलाइन द्वारा पट्टे पर लिए गए विमानों के पंजीकरण को रद्द करने पर भी रोक लग गई थी।

हुंडई करेगी 20000 करोड़ रुपए का बड़ा निवेश

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहनों ईवी और संबंधित तंत्र में अपनी मौजूदगी का विस्तार करने के लिए हुंडई मोटर इंडिया ने वर्ष 2023 से अगले 10 वर्षों की अवधि के दौरान तमिलनाडु में लगभग 20000 करोड़ रुपए का निवेश करने के लिए राज्य सरकार के साथ एक समझौता किया है। उत्पादन की मात्रा बढ़ाने और नए ईवी मॉडल पेश करने की योजना है। भारत में दूसरी सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी 178000 इकाई की वार्षिक क्षमता वाली बैटरी पैक असेंबली संयंत्र स्थापित करेगी और अगले पांच साल के दौरान राज्य भर में 100 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करेगी।

गूगल के खिलाफ सीसीआई ने शुरू की जांच

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्द्धा आयोग सीसीआई ने गूगल की एंड्रॉयड प्लेस्टोर संबंधी नीतियों के बारे में पिछले साल अक्टूबर में दिए गए अपने निर्देश का पालन नहीं करने के आरोप की जांच शुरू कर दी। प्रतिस्पर्द्धा नियामक ने गूगल को कारण बताओ नोटिस जारी कर कुछ बिंदुओं पर जवाब मांगा है। इंटरनेट कंपनी को चार सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा गया है। सूत्र ने कहा कि सीसीआई के आदेश का पालन नहीं करने को एक गंभीर मामला माना जाता है और अगर इसमें गूगल को दोषी पाया जाता है तो उस पर जुर्माना एवं दंडात्मक कदम उठाए जा सकते हैं। प्रतिस्पर्द्धा आयोग ने 25 अक्टूबर, 2022 के अपने आदेश में गूगल को एंड्रॉयड के प्लेस्टोर पर अपने दबदबे का दुरुपयोग करने का दोषी पाने के बाद 936.44 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया था।

खाद्य तेलों के लिए एगमार्क हटाने का प्रस्ताव

एफएसएसएआई ने दिया निर्देश

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य संरक्षा व मानक प्राधिकरण एफएसएसएआई ने कई स्रोतों से बनाए जा रहे खाद्य तेलों के लिए एगमार्क पंजीकरण समाप्त करने के प्रारूप की अधिसूचना जारी की है। इससे कारोबार सुगमता के साथ-साथ खाद्य क्षेत्र पर लागू होने वाले कानूनों की संख्या घटेगी। उद्योग के दिग्गजों के मुताबिक ऐसे खाद्य तेलों के लिए एफएसएसएआई लाइसेंस ही पर्याप्त होगा और अलग से एगमार्क के पंजीकरण की जरूरत नहीं होगी।

इस प्रारूप की अधिसूचना कुछ दिन पहले जारी की गई थी। सरकारी अधिसूचना के प्रकाशन के 60 दिनों तक सार्वजनिक तौर पर राय मांगी गई है। इस प्रारूप को खाद्य सुरक्षा और मानक बिक्री पर प्रतिबंध और रोकद्ध संशोधन विनियम, 2023 कहा गया है। इस प्रारूप का खाद्य तेल उद्योग ने खुले दिल से स्वागत किया है। सॉल्वेंट एक्स्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक बीवी मेहता ने बताया, इस अधिसूचना में एगमार्क पंजीकरण को समाप्त करने का सुझाव दिया है। यह स्थितियों को आसान बना रही है। यह उद्योग और देश के लिए अच्छा है। एफएसएसएसएआई का प्रारूप एक देशए एक कानून की भावना के अनुरूप है। अभी कई खाद्य वस्तुओं के लिए एगमार्क पंजीकरण की अनिवार्यता नहीं है। एफएसएसएसएआई के लाइसेंस को उत्पाद की गुणवत्ता आकलन करने के लिए पर्याप्त रूप से अच्छा मानदंड माना जाता है।

खाद्य तेलों की सालाना खपत 2.3 करोड़ टन : भारत में खाद्य तेलों की सालाना खपत 2.3 करोड़ टन है। इसमें से एक करोड़ से 1.1 करोड़ टन खाद्य तेल की जरूरत घरेलू संसाधनों से पूरी होती है। शेष आयात से पूरी होती है। आयातित होने वाले खाद्य तेल में ज्यादातर पॉम ऑयल होता है। पॉम ऑयल का सालाना 80 लाख टन आयात होता है और शेष आयात सोयाबीन और सूरजमुखी के तेल का होता है। भारत ने बड़े पैमाने पर 1990 के दशक में खाद्य तेल का आयात शुरू किया। इसके बाद से आने वाले 20 वर्षों 1990-91 से 2020-21 तक आयात की मात्रा में 160 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। यह मूल्य के संदर्भ में 7000 करोड़ रुपए से बढ़कर 2020-21 में करीब 1.17 लाख करोड़ रुपए हो गया। 2018-19 में अभी तक का सबसे ज्यादा खाद्य तेल की मात्रा 1.49 करोड़ टन का आयात किया था।

गायनोवेदा जीह्व इंफर्टीलिटी के प्रबंधन में कारगर

नई दिल्ली। आयुर्वेद पर आधारित महिलाओं के हेल्थकेयर ब्रांड गायनोवेदा डॉटकॉम इंफर्टीलिटी से जूझ रही महिलाओं के लिए अनूठा फॉर्मूला लेकर आए हैं। युरोपियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एंड मेडिकल रीसर्च द्वारा मान्यता प्राप्त यह आयुर्वेदिक सप्लीमेंट गायनेकोलोजिकल समस्याओं जैसे पीसीओएस, अनियमित पीरियड्स की वजह से होने वाली इंफर्टीलिटी के प्रबंधन में कारगर पाया गया है। केरल के पलक्कड़ स्थित धन्वन्तरी आयुर्वेदिक सेंटर में 149 प्रतिभागियों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि गायनोवेदा का आयुर्वेदिक सप्लीमेन्ट लेने के तीन महीने के भीतर बाद 85.23 फीसदी महिलाओं में समय पर ओव्यूलेशन हुआ। डॉ आरती पाटिल एमडी आयुर्वेदा गायनेकोलोजी चीफ डॉक्टर सह संस्थापक गायनोवेदा ने कहा, हमें खुशी है कि हम यह आयुर्वेदिक फॉर्मूला लेकर आए हैं जो प्राकृतिक रूप से महिलाओं की इन समस्याओं को हल करता है।

मांकड़ और पूरन के धमाल से LSG की ऊंची छलांग

आईपीएल सीजन 16: हैदराबाद को सात विकेट से हराकर टॉप-4 में पहुंची लखनऊ

हैदराबाद। लखनऊ सुपर जायंट्स ने प्रेरक मांकड़ (64*) के शानदार अर्द्धशतक और निकोलस पूरन (44*) के तूफानी योगदान की बदौलत आईपीएल के आतिशबाजी से भरे मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से परास्त कर दिया। सनराइजर्स ने हेनरिक क्लासेन (47 रन) और अब्दुल समद (37 रन) के बीच हुई 58 रन की आक्रामक साझेदारी की मदद से लखनऊ के सामने 183 रन का लक्ष्य रखा। पूरन ने अंतिम ओवरों में 338.46 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ को चार गेंदें रहते हुए जीत दिला दी। हार की ओर बढ़ रही लखनऊ को आखिरी पांच ओवर में 69 रन की जरूरत थी, लेकिन अभिषेक शर्मा के एक ओवर ने मैच को पूरी तरह पलट दिया।

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4/6
अनमोलप्रीत कै. एवं बो. अमित	36	27	7/0
अभिषेक कै. डिकॉक बो. चरक	07	05	1/0
त्रिपाठी कै. डिकॉक बो. ठाकुर	20	13	4/0
मार्करम स्टंप. डिकॉक बो. कृणाल	28	20	2/1
क्लासेन कै. मांकड बो. आवेश	47	29	3/3
ग्लेन फिलिप्स बो. कृणाल	00	01	0/0
अब्दुल समद नाबाद	37	25	1/4
भुवनेश्वर कुमार नाबाद	02	01	0/0

अतिरिक्त: 5, **कुल:** 20 ओवर में 182/6, **विकेट पतन:** 1-19, 2-56, 3-82, 4-115, 5-115, 6-173 **गेंदबाजी:** चरक 3-0-24-1, मेयर्स 1-0-11-0, कृणाल 4-0-24-2, आवेश 2-0-30-1, यश 4-0-28-1, अमित मिश्रा 4-0-40-1, रवि बिश्नोई 2-0-23-0,

लखनऊ सुपर जायंट्स	रन	गेंद	4/6
मेयर्स कै. मार्करम बो. फिलिप्स	02	14	0/0
डिकॉक कै. अभिषेक बो. मयंक	29	19	3/1
प्रेरक मांकड नाबाद	64	45	7/2
स्टॉयनिस कै. समद बो. अभिषेक	40	25	2/3
निकोलस पूरन नाबाद	44	13	3/4

अतिरिक्त: 6, **कुल:** 19.2 ओवर में तीन विकेट पर 185 रन **विकेट पतन:** 1-12, 2-54, 3-127 **गेंदबाजी:** भुवनेश्वर 4-0-30-0, फारुकी 3.2-0-32-0, फिलिप्स 2-0-10-1, टी नटराजन 4-0-31-0, मयंक मार्कंडेय 3-0-39-1, अभिषेक शर्मा 3-0-42-1,

हैदराबाद के खिलाफ रोमांचक जीत के बाद खुशी से उछलते लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रेरक मांकड़ और निकोलस पूरन।

प्रभसिमरन सिंह

103	65	10	06
रन	गेंद	चौके	छक्के

आईपीएल में शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी

19 साल, 253 दिन	मनीष पांडे (आरसीबी)	2009
20 साल, 218 दिन	ऋषभ पंत (दिल्ली)	2018
20 वर्ष, 289 दिन	देवदत्त पडिक्कल (आरसीबी)	2021
21 वर्ष, 123 दिन	यशस्वी जायसवाल (राजस्थान)	2023
22 साल, 151 दिन	संजू सैमसन (दिल्ली)	2017
22 साल, 276 दिन	प्रभसिमरन सिंह (पंजाब)	2023

प्रभसिमरन सिंह के शतक से पंजाब की उम्मीदें जिंदा

दिल्ली कैपिटल्स को हरा प्लेऑफ की दौड़ में बरकरार

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स ने प्रभसिमरन सिंह (103) के शानदार शतक के बाद हरप्रीत बराड़ (30/4) की नायाब गेंदबाजी की बदौलत आईपीएल में शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स को 31 रन से हरा दिया। पंजाब ने दिल्ली के सामने 168 रन का लक्ष्य रखा। डेविड वॉर्नर (27 गेंद, 54 रन) ने तूफानी अर्द्धशतक जड़कर दिल्ली को अच्छी शुरुआत दिलाई, लेकिन बराड़ और राहुल चाहर (16/2) की जादूई फिरकी ने दिल्ली को 20 ओवर में 136/8 के स्कोर पर रोक दिया। पंजाब के अन्य बल्लेबाज जहां बड़ा योगदान नहीं दे सके, वहीं पटियाला के 22 वर्षीय प्रतिभावान सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन ने 65 गेंद पर 10 चौकों और एक छक्के के साथ 103 रन की पारी खेल डाली। यह आईपीएल में प्रभसिमरन का पहला शतक है और ये इस टूर्नामेंट में सैकड़ा जड़ने वाले छठे सबसे युवा बल्लेबाज हैं। इस शतक ने पंजाब को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने का काम किया, जबकि बची-खुची कसर बराड़-चाहर ने पूरी कर दी। पंजाब 12 मैचों में छठी जीत के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर आ गई है, जबकि दिल्ली 12 मैचों में आठवीं हार के साथ तालिका में सबसे नीचे बरकरार है।

स्कोर बोर्ड

पंजाब किंग्स	रन	गेंद	4/6
प्रभसिमरन सिंह बो. मुकेश	103	65	10/6
धवन कै. रूसो बो. ईशांत	07	05	0/1
लियाम लिविंगस्टोन बो. ईशांत	04	05	1/0
जितेश शर्मा बो. अक्षर पटेल	05	05	1/0
सैम करन कै. अमन बो. दुबे	20	24	1/0
बराड़ कै. मार्श बो. कुलदीप	02	05	0/0
शाहरुख खान रन आउट	02	04	0/0
सिकंदर रजा नाबाद	11	07	0/1
ऋषि धवन नाबाद	00	00	0/0

अतिरिक्त: 13, **कुल:** 20 ओवर में सात विकेट पर 167 रन **विकेट पतन:** 1-10, 2- 32, 3-45, 4-117, 5-129, 6-154, 7-165 **गेंदबाजी:** खलील अहमद 4-0-36-0, ईशांत शर्मा 3-0-27-2, अक्षर पटेल 4-0-27-1, प्रवीण दुबे 3-0-19-1, कुलदीप यादव 4-0-32-1, मिचेल मार्श 4-0-21-1, मुकेश कुमार 1-0-3-1,

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4/6
डेविड वॉर्नर एगवाधा हरप्रीत	54	27	10/1
फिल सॉल्ट बो. हरप्रीत	21	17	3/0
मिचेल शर्मा एगवाधा चाहर	03	04	0/0
राइली रूसो कै. रजा बो. हरप्रीत	05	05	1/0
अक्षर पटेल एगवाधा चाहर	01	02	0/0
मनीष पांडे बो. हरप्रीत	00	03	0/0
अमन कै. हरप्रीत बो. एलिस	16	18	1/1
प्रवीण दुबे बो. एलिस	16	20	2/0
कुलदीप यादव नाबाद	10	17	0/0
मुकेश कुमार नाबाद	06	07	0/0

अतिरिक्त: 4, **कुल:** 20 ओवर में आठ विकेट पर 136 रन **विकेट पतन:** 1-69, 2-74, 3-81, 4-86, 5-86, 6-88, 7-118, 8-123 **गेंदबाजी:** ऋषि धवन 1-0-10-0, सैम करन 2-0-18-0, हरप्रीत बराड़ 4-0-30-4, नेथम एलिस 4-0-26-2, अर्शदीप सिंह 4-0-32-0, राहुल चाहर 4-0-16-2, सिकंदर रजा 1-0-3-0,

ऑरेंज कैप

1 फाफ डु प्लेसिस 576

मैच	सर्वश्रेष्ठ	औसत	चौके	छक्के	50	100
11	84	57.60	45	32	6	0

स्थान	प्लेयर	मैच	रन	सर्वश्रेष्ठ	औसत	4	6	50	100
2	यशस्वी	12	575	124	52.27	74	26	4	1
3	सूर्यकुमार	12	479	103*	43.55	52	24	4	1
4	शुभमन गिल	12	475	94*	43.18	49	13	4	0
5	डेवोन कॉन्वे	12	468	92*	52.00	55	13	5	0

पर्पल कैप

1 राशिद खान 23

मैच	विकेट	इकोनॉमी	बेस्ट बॉलिंग	4/5 विकेट
12	23	8.04	30/4	1/0

स्थान	प्लेयर	मैच	विकेट	बेस्ट	इकोनॉमी	4/5 विकेट
2	चहल	12	21	17/4	7.91	3/0
3	पीयूष चावला	12	19	22/3	7.59	0/0
4	मो. शमी	12	19	11/4	7.74	1/0
5	तुषार देशपांड़े	12	19	45/3	10.01	0/0

आईपीएल 2023 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
गुजरात टाइटंस	12	08	04	16	0.761
चेन्नई सुपर किंग्स	12	07	04	15	0.493
मुंबई इंडियंस	12	07	05	14	-0.117
लखनऊ सुपर जांयट्स	12	06	05	13	0.309
राजस्थान रॉयल्स	12	06	06	12	0.633
पंजाब किंग्स	12	06	06	12	-0.268
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	11	05	06	10	-0.345
कोलकाता नाइट राइडर्स	12	05	07	10	-0.357
सनराइजर्स हैदराबाद	11	04	07	08	-0.471
दिल्ली कैपिटल्स	12	04	08	08	-0.686

Filmiतड़का

बिपाशा ने पति के साथ मनाया बेटी देवी का हाफ ईयर बर्थडे

इन-हाउस पार्टी की तस्वीर की शेयर

मुंबई। स्टार कपल बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर अपनी लाडली बेटी देवी के साथ पैरेंटहुड के हर पल का लुत्फ ले रहे हैं। जैसे ही देवी 6 महीने की हुईं, बिपाशा और करण ने प्यार भरी तस्वीरें पोस्ट कीं और अभिनेत्री ने देवी के लिए अपनी और करण की इंटीमेट हाउस पार्टी की एक झलक भी साझा की। दरअसल, 12 मई 2023 को बिपाशा बसु ने अपने इंस्टा हैंडल से बेटी देवी की एक तस्वीर पोस्ट की है, इसमें करण ने अपनी लाडली को बाहों में पकड़ रखा था। पिता-पुत्री की जोड़ी उपहारों और गुब्बारों से घिरी हुई थी। एक बड़े गुब्बारे के साथ एक सफेद रंग की ड्रेस भी देखी जा सकती है, जिस पर देवी साल के आधे रास्ते पर है लिखा हुआ है। बिपाशा ने इस तस्वीर के साथ लिखा, हमारे दिल को 6 महीने मुबारक हो देवी। उन सभी को धन्यवाद, जिन्होंने उन्हें प्यार, शुभकामनाएं और सबसे प्यारे उपहार भेजे। आभारी। दूसरी ओर, करण सिंह ग्रोवर ने अपने इंस्टा अकाउंट से देवी के साथ एक स्पष्ट तस्वीर पोस्ट की। इसमें पिता और बेटी अपनी छत से सूर्यास्त का आनंद लेते दिख रहे हैं। तस्वीर में देवी ने अपने पापा के चेहरे पर एक हाथ रखे हुए प्रिंटेड ड्रेस पहनी हुई थी। उन्होंने तस्वीर को कैप्शन दिया, हमारे दिल को जन्मदिन मुबारक हो। देवी। मम्मा और पापा आपको सबसे ज्यादा प्यार करते हैं! आप सभी के प्यार और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद!

अपनी बेटी को बताया मां वैष्णो देवी का आशीर्वाद

बिपाशा और करण ने साल 2016 में शादी की थी और दोनों ने छह साल के शादीशुदा जीवन के बाद पैरेंटहुड को अपनाया। 12 नवंबर 2022 को बिपाशा और करण ने अपनी बच्ची का स्वागत किया था। बिपाशा ने एक बार कहा था कि उनकी बेटी मां वैष्णो देवी का आशीर्वाद है और यही एक कारण है कि उन्होंने अपनी बेटी के नाम के रूप में देवी को चुना।

प्रीति ने ढाठू पहन फूंका चूल्हा

पहाड़ी घर की रसोई में अपने स्कूली दिनों को किया याद

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने शिमला जिले के रोहडू में पहाड़ी घर की रसोई में पारंपरिक चूल्हा जलाया और अपने बचपन की यादों को ताजा किया। इस दौरान उन्होंने सिर पर ढाठू पहना था। प्रीति जिंटा ने अपने अधिकारिक फेसबुक अकाउंट पर इस संबंध में फोटो के साथ एक पोस्ट की है। उन्होंने लिखा, पुरानी यादों को फिर से जी रही हूं और नई यादें बना रही हूं। यह सारी कार्रवाई पहाड़ी घरों में रसोई के इर्द-गिर्द घूमती है। यहां मैं आग जलाने की कोशिश कर रही हूं और शायद ही कभी इस्तेमाल किए जाने वाले पुराने स्कूल के चूल्हे को जीवंत करने की कोशिश कर रहा हूं। बता दें हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में तापमान कम रहने के कारण लगभग पूरे साल ही घरों में चूल्हे जलते हैं, लेकिन अब पुराने चूल्हों की जगह लोहे से बने चूल्हों ने ले ली है। अब एलपीजी या हीटर का चलन अधिक होने से पारंपरिक चूल्हों का इस्तेमाल बंद हो गया है। हालांकि, बहुत से घरों में अभी भी पुराने चूल्हे जलते हैं लेकिन उनका भी स्वरूप बदल गया है। ऐसे में अभिनेत्री ने पारंपरिक परिधान में पहाड़ी संस्कृति के साथ इन पारंपरिक चूल्हों को फिर जीवंत करने का संदेश दिया है। प्रीति जिंटा मूलत तहसील रोहडू के सियाओ गांव के रहने वाली हैं। उनकी शादी अमेरिका में हुई है। बीते दिनों वह जुब्बल में मामा के घर रह रही थीं। बताया जा रहा है कि इसी दौरान उन्होंने पहाड़ी चूल्हे को जलाने की तस्वीरें खींची थीं।

भारतीय गोल्फर अदिति एलपीजीए टूर में इतिहास रचने के करीब

क्विलपटन। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फाउंडर्स कप गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त तीसरा स्थान हासिल करके एलपीजीए टूर में खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। पहले दौर में तीन अंडर 68 का कार्ड खेलने वाली अदिति ने दूसरे दौर में चार अंडर 67 का स्कोर बनाया। अब उनका कुल स्कोर सात अंडर 137 और वह संयुक्त रूप से शीर्ष पर काबिज ऑस्ट्रेलिया की सारा केम्प (65) और कोरिया की जिन यंग को (68) से केवल एक शॉट पीछे है। अदिति पिछले सात वर्षों से महिला गोल्फ के सबसे महत्वपूर्ण टूर एलपीजीए में खेल रही है लेकिन उन्होंने अभी तक कोई खिताब नहीं जीता है। भारत की इस स्टार गोल्फर ने दूसरे दौर में छह बर्डी बनाई लेकिन इस बीच उन्होंने दो बोगी भी की। अदिति ने दिन की शुरुआत 3-अंडर से की और 5-अंडर पर जाने के लिए बर्डी-बर्डी खोली। पांचवें पर बोगी के बाद आठ पर बर्डी और फिर 11वें-12वें पर बैक-टू-बैक बर्डी हुई। 17वें पर एक बोगी ने उसे थोड़ा पीछे गिरते देखा, लेकिन वह 18वें पर एक ठोस बर्डी के साथ समाप्त हुई।

अनिकेत और अरहम के शतकों से जीता भोपाल संभाग

भोपाल। डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंडर-22 बॉयज इंटर डिवीजन टूर्नामेंट 2022-23 लिमिटेड ओवर्स में भोपाल संभाग ने अनिकेत वर्मा और अरहम अकील की शतकीय पारी से इंदौर संभाग को 168 रनों से हराया। इंदौर संभाग के टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भोपाल संभाग ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 372 रन बनाए। भोपाल से अनिकेत वर्मा ने 102 गेंदो में 13 चौके और 12 छक्कों की मदद से 175 रन और अरहम अकील ने 7 चौके और एक छक्के की मदद से 109 रनों की शतकीय परियां खेली। इसके अलवा पृथ्वीराज तोमर ने 35 रन व प्रखर शर्मा ने नाबाद 17 रन का योगदान दिया। इंदौर की तरफ से आकाश राजावत ने 4 विकेट लिए। जवाब में इंदौर संभाग की टीम 34.5 ओवरों में 204 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। इंदौर के लिए चंचल राठौर ने 76 रन, सागर सोलंकी ने 36 रन और सारांश सुराना ने 26 रन का योगदान दिया। भोपाल की तरफ से पृथ्वीराज तोमर और साद बग्गड़ तीन-तीन विकेट लिए। भोपाल के अनिकेत वर्मा को उनकी अविस्मर्णीय शतकीय पारी के मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

रग्बी: रायसेन ने नर्मदापुरम को 5-0 से और देवास ने इंदौर को 30-0 से पीटा

भोपाल। मध्यप्रदेश रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में जय नारायण कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी भोपाल में खेली जा रही चौथी मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय सीनियर एवं जूनियर रग्बी प्रतियोगिता 2023 में शनिवार को पुरुष सीनियर वर्ग के मुकाबले में रायसेन ने नर्मदापुरम को 5-0 से, देवास ने इंदौर को 30-0 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। महिला सीनियर वर्ग के मुकाबले में रायसेन ने नर्मदापुरम को 15-0 से ,बैतूल ने इंदौर को 5-0 से हराया। जूनियर बालक वर्ग के मुकाबले में देवास ने सीहोर को 10-0 से, देवास कारपोरेशन ने शाजापुर को 10-0 से हरा अगले दौर में प्रवेश किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ पूनम चौकसे कुलाधिपति एलएनसीटी विद्यापीठ यूनिवर्सिटी, डॉ. अनुपम चौकसे चेयरमैन रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन मप्र, अबरार अहमद शेख रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन मप्र, द्वारा किया गया। पंकज कुमार जैन कोषाध्यक्ष रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन मप, ने बताया कि तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के रायसेन, शाजापुर, देवास, रतलाम, सीहोर, उज्जैन, इंदौर, खंडवा, नर्मदापुरम, बैतूल, भोपाल, जबलपुर, मंदसौर, ग्वालियर समेत 14 जिलों के लगभग 250 महिला एवं पुरुष खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

कम बजट में घूमना चाहते हैं कर्नाटक तो इन जगहों को करें एक्सप्लोर, सफर बनेगा यादगार

भारत के टॉप 5 पर्यटन स्थलों की लिस्ट में कर्नाटक का नाम भी शामिल है। यहां पर आप बेलगाम से लेकर बैंगलोर तक में घूमने और देखने के लिए काफी कुछ है। इस खूबसूरत राज्य में आपको कई मनमोहक नजारे देखने को मिलेंगे। अगर आप भी कर्नाटक घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आज इस आर्टिकल में आपको राज्य की कुछ बेस्ट जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। कर्नाटक जाने के बाद आपको इन जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। साथ ही आप यहां पर आने के बाद खुद को प्रकृति के और करीब पाएंगे।

कुर्ग हिल स्टेशन- घने पहाड़ों और धुंध से घिरा कूर्ग हिल स्टेशन प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी जन्नत से कम नहीं है। कुर्ग शहर विविध वनस्पतियों और जीवों, सुगंधित मसालों और कॉफी के बागानों के लिए काफी फेमस है। यह पर आपको झरने से लेकर ट्रेकिंग, मंदिर और ऐतिहासिक किले देखने को मिलेंगे। यहां कई तिब्बती बस्तियां भी देखी जा सकती है। यहां पर आप स्वादिष्ट भोजन के अलावा यहां की संस्कृति का भरपूर आनंद उठा सकते हैं। इरुप्पु जलप्रपात, तडियांदामोल शिखर, नामद्रोलिंग मठ आदि यहां के प्रमुख आकर्षण के केंद्र हैं।

जोग फॉल्स- मेघालय के बाद भारत का दूसरा सबसे ऊंचा जलप्रपात जोग फॉल्स है। 253 मीटर की अविश्वसनीय ऊंचाई से झरना गिरता है। शिवमोग्गा में स्थित यह फेमस जलप्रपात सभी पर्यटकों को जरूर देखना चाहिए। यह स्थान पिकनिक और विश्राम के दिन के लिए एकदम परफेक्ट है। इसे लोग जेरसप्पा या जोगा फॉल के नाम से जानते हैं। जुलाई से मार्च महीने का समय यहां आने के लिए अच्छा रहता है। इन दिनों आप यहां पर बारिश में झरनो और हरियाली का सुखद अनुभव ले सकते हैं।

बीजापुर- बीजापुर कर्नाटक की सबसे बेहतरीन जगहों में से एक है। यहां पर आपको जामिया मस्जिद, बड़ा कमान, मलिक-ए-मैदान, गोल गुंबज के अलावा इब्राहिम रोजा रोड जैसे कई मुगल वास्तुकला से परिचित होने का मौका मिलेगा। इसके अलावा आप यहां पर शिवगिरी शिव मंदिर, गगन महल, भूतल झील, बीजापुर फोर्ट, मेहतर महल, साथ खबर के साथ काफी कुछ देख सकते हैं।

नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान- नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान राज्य का एक फेमस बाघ अभयारण्य है। प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों के लिए नागरहोल नेशनल पार्क एकदम सही है। यहां पर आप टाइगर रिजर्व के कई जानवरों की प्रजातियों और वनस्पतियों को देख सकते हैं। इस राष्ट्रीय उद्यान तक पहुंचने के लिए देश भर से यहां पहुंचते हैं। यहां पर आप वन्य जीवन और प्रकृति की सुंदरता का आनंद ले सकते हैं। इसके अलावा यहां पर आप सफारी का सफर भी कर सकते हैं।

पाकिस्तान में सेना ने पांच आतंकियों को किया ढेर

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा बलों ने एक सेना की जांच चौकी पर हमले को नाकाम कर दिया गया, इस मुठभेड़ में पांच आतंकवादी मारे गए। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने शुक्रवार देर रात एक बयान में कहा कि यह घटना गुरुवार रात बलूचिस्तान के होशब इलाके में हुई। बयान में कहा गया कि आतंकवादियों के वहां से भागने के बाद सुरक्षा बलों ने उन्हें पकड़ने के लिए एक अभियान शुरू किया था, जिसके दौरान आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के एक दल में भारी गोलीबारी हुई।

केन्या में भूख पंथ के 179 अनुयायियों की मौत

नैरोबी, (एजेंसी)। केन्या में भूखे रहकर साधना करने वाले पंथ के मरने वालों सदस्यों की संख्या बढ़कर 179 हो गई है। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। मीडिया ने अप्रैल माह में रिपोर्ट प्रकाशित की थी कि धार्मिक गुरु पॉल मैकेंजी के नेतृत्व वाले एक 'पंथ' के दर्जनों अनुयायी इस धारणा के साथ स्वयं को भूख से मार रहे हैं कि इस तरह से मृत्यु होने पर वे स्वर्ग जाएंगे। चार लोगों के शव मिलने के बाद पंथ के नेता को गिरफ्तार कर लिया गया तट क्षेत्रीय आयुक्त रोडा ओन्यान्चा ने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भूख पंथ के नेता के अनुयायियों के बीच मरने वालों की संख्या बढ़कर 179 हो गई है।

बारामूला में घुसपैठ नाकाम सेना का अधिकारी घायल

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में बारामूला जिले के उरी सेक्टर में सेना ने शनिवार को नियंत्रण रेखा के पास आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी वहीं सेना का एक जूनियर कमीशन अधिकारी(जेसीओ) घायल हो गया। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि उरी सेक्टर में आज तड़के सतर्क सैनिकों ने सीमा पर से घुसपैठ की कोशिश को विफल कर दिया। नियंत्रण रेखा पर सैनिकों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई। मुठभेड़ में एक जेसीओ को मामूली चोटें आईं। इसी दौरान सीमा पर से एक क्वाडकॉप्टर उड़ाने की कोशिश की, लेकिन गोलीबारी के बीच वह तेजी से पीछे हट गया।

परमाणु ईंधन आयात प्रतिबंध के लिए समय की आवश्यकता

मॉस्को, (एजेंसी)। रूस के परमाणु ईंधन के आयात पर यूरोपीय संघ की ओर से किसी भी प्रतिबंध लगाए जाने से पहले सदस्य देशों को वैकल्पिक आपूर्ति तलाश करने के लिए समय मिलना चाहिए। एक अधिकारी ने कहा कि यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यूरोपीय संघ के कई सदस्य देश अभी भी रूस से आयात किए जाने वाले परमाणु ईंधन पर निर्भर हैं। इसलिए, समायोजन की अवधि उसी तरह से आवश्यक है जैसे कि यूरोपीय संघ ने एक विशिष्ट अवधि के बाद रूस से तेल के आयात पर प्रतिबंध लगा था। सूत्रों ने इस बात की पुष्टि नहीं की कि ईंधन आयात पर प्रतिबंध पाइपलाइन से संबंध है या नहीं। उल्लेखनीय है कि यूरोपीय आयोग के प्रतिबंधों के 11वें पैकेज के लिए एक आम दृष्टिकोण बनाने के लिए यूरोपीय संघ के विदेश मंत्री स्टॉकहोम में बैठक कर रहे हैं। जिसमें रूस से परमाणु ईंधन और हीरे के आयात को समाप्त करना और प्रतिबंधों में ढिलाई को रोकना शामिल है।

धनखड़ की यात्रा, जगतपिता ब्रह्माजी मंदिर में प्रवेश बंद

अजमेर, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की कल राजस्थान में अजमेर के पुष्कर की प्रस्तावित यात्रा के दौरान आम श्रद्धालुओं के लिए जगतपिता ब्रमा जी मंदिर में प्रवेश बंद रहेगा। पुष्कर के उपखंड अधिकारी तथा मंदिर की सरकारी समिति के सचिव निखिल कुमार पोद्दार ने कहा उपराष्ट्रपति की यात्रा के दौरान सुरक्षा कारणों से मंदिर में प्रातः 8 से 12 बजे तक आम आदमी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा । श्री धनखड़ की पुष्कर यात्रा के बाद मंदिर आम दिनो की तरह खोल दिया जाएगा। वे हैलीकॉप्टर से 10.15 पर ब्रह्मा मंदिर के नजदीक बने अस्थाई हैलीपैड पर से सीधे ब्रमा जी के दर्शन करने जाएंगे।

आज का इतिहास

- **1702:** नीदरलैंड और इंग्लैंड ने स्पेन और फ्रांस के खिलाफ युद्ध की घोषणा।
- **1811:** परागवे स्पेन की पराधीनता से मुक्त हुआ।
- **1879:** थॉमस एडिसन यूरोप की एडिसन टेलीफोन कंपनी से जुड़े।
- **1908:** पहली बार किसी व्यक्ति ने हवाई जहाज में उड़ान भरी।
- **1941:** 36,000 परशियन यहूदी को में गिरफ्तार किया गया।
- **1944:** ब्रिटिश सैनिकों ने कोहिमा पर कब्जा किया।
- **1963:** कुवैत संयुक्त राष्ट्र का 111 वां सदस्य बना।
- **1973:** अमेरिका सुप्रीम कोर्ट ने सेना में महिला समान अधिकार को मंजूरी दी।
- **1981:** नासा ने स्पेश व्हिकल एस-192 लांच किया।1981 -नासा ने स्पेश व्हिकल एस-192 लांच किया।
- **1999:** सदी के आखिरी विश्व कप क्रिकेट की लॉडर्स (इग्लैंड) में शुरुआत हुई।

भाजपा के नफरत के बाजार में राहुल गांधी की चल गई मोहब्बत की दुकानः पाठक

कर्नाटक की जीत पर कांग्रेसियों ने मनाया जश्न

जमकर लगाए जय बजरंग बली के नारे

प्रयागराज, (ब्यूरो)। कर्नाटक विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी ने प्रचंड जीत हासिल की है। कांग्रेस ने 224 सीटों में 136 सीटों पर अपना झंडा बुलंद किया तो वहीं भजपा ने 65 सीटों पर जीत हासिल की। अगर मत प्रतिशतों की बात करें तो कांग्रेस को लगभग 43 प्रतिशत तो वहीं भाजपा को 36 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में मिली बंपर जीत के बाद कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया।

उप्र में गंगापार कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सुरेश यादव के नेतृत्व में पटाखे फोड़कर और मिठाई बांटकर जीत की खुशी मनाई। इस दौरान पार्टी नेताओं ने बजरंग बली के चित्र के साथ जयकारा भी लगाया। प्रदेश महासचिव विवेकानंद पाठक ने कहा कि देश में भाजपा के नफरत के बाजार में राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान चल गई। कर्नाटक की जनता ने भाजपा की नफरत की राजनीति को सिरे से नकार दिया है। देश की जनता मोहब्बत चाहती है। आपस में भाईचारा चाहती है। भाजपा की नफरत की राजनीति ज्यादा दिनों तक चलने वाली नहीं है।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कई दिग्गजों को जीत मिली है जबकि कई प्रमुख नेताओं को हार का सामना करना पड़ा है। बसवराज बोम्मई सरकार के कई मंत्री और विधानसभा अध्यक्ष भी चुनाव हार गए हैं। सीएम बोम्मई ने शिगगांव सीट पर कांग्रेस के पठान यासिर हमेद खान को करीब 36 हजार वोट से हराया। बोम्मई को 100016 और उनके निकटतम प्रतिद्वंदी खान को 64,038 वोट मिले। पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस प्रत्याशी सिद्धारमैया ने वरुण सीट से भाजपा के मंत्री वी सोमना को करीब 46 हजार से अधिक वोट से मात दी। कनकपुरा सीट से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने भाजपा के आर अशोक को 1.24 लाख वोट के भारी अंतर से हराया। शिवकुमार को 1,43,023 और अशोक को 19753 वोट मिले।

जीत पर लगे पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे, दर्ज की गई एफआईआर

कर्नाटक विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी की प्रचंड जीत के बाद पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जमकर जश्न मनाया और नारेबाजी की। इस दौरान बेलगावी जिले में मतगणना केंद्र के बाहर कुछ अज्ञात लोगों ने विवादित नारे लगाए, तिलकवाड़ी पुलिस के मुताबिक यहां मतगणना केंद्र के बाहर कुछ अज्ञात लोगों ने पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। बताया जा रहा है कि जब कांग्रेस की जीत शुरू हुई तो समर्थकों ने जीत का जश्न मनाना शुरू कर दिया, इस दौरान कुछ लोगों ने पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद, हिंदू संगठनों के सदस्यों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस के बाहर धरना दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

उत्तरप्रदेश में गंगापार कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सुरेश यादव के नेतृत्व में पटाखे फोड़कर और मिठाई बांटकर जीत की खुशी मनाई

ध्यान भटकाने वाली राजनीति ज्यादा दिन नहीं चलेगी: प्रियंका

शिमला, (एजेंसी)। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि हिमाचल के बाद कर्नाटक ने साबित कर दिया है कि ध्यान भटकाने वाली राजनीति नहीं चलेगी। कर्नाटक के चुनाव परिणामों के आने के बाद श्रीमती वाड्रा ने शनिवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि कर्नाटक की जनता ने अपना ध्यान स्थानीय मुद्दों पर केंद्रित रखा, साथ ही ये प्रण लिया था कि भ्रष्ट सरकार को हटाना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा गया था। कर्नाटक में लोगों ने कांग्रेस को बहुमत से जीत दिलाई। गौरतलब है कि चुनाव की मतगणना शुरू होने से पहले प्रियंका गांधी सुबह हनुमान जी के प्राचीन जाखू मंदिर भी पहुंची थी।

भाजपा की धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति जनता ने नकारी: भूपेश

जयपुर, (ब्यूरो)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जो माहौल दिखा था आज उसी का नतीजा कर्नाटक के चुनाव परिणाम में स्पष्ट दिख रहा है। श्री गहलोत ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के परिणाम मिलने लगने के बाद आज यह बात कही। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगातिशील गठबंधन (संप्रग) की चेयरपर्सन सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने शानदार चुनाव प्रचार किया। भाजपा की धार्मिक ध्रुवीकरण और सांप्रदायिक राजनीति को नकार कर विकास की राजनीति को चुना है। आने वाले राजस्थान, मप्र, छग और तेलंगाना विधानसभा चुनाव में भी इसकी पुनरावृत्ति होगी।

कांग्रेस को मिली भारी जीत पीएम मोदी की हार: राजद

रांची, (एजेंसी)। झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के मुख्य प्रवक्ता डॉ. मनोज कुमार ने कार्नटक में कांग्रेस की जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कर्नाटक कि यह जीत वहां की जनता की जीत है और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हार है। डॉ. कुमार ने कहा कि यह हार नहीं बल्कि भाजपा की उल्टी गिनती प्रारंभ हो गई ।देश और राज्य की आवाम समझ चुकी है कि भाजपा देश की जनता को ठगने एवं धोखा देने का काम कर रही है इसलिए कर्नाटक की जनता ने भाजपा को धूल चटाने का काम किया है। भाजपा की यह हार झांकी है लोकसभा अभी बाकी है। अब पीएम को जनहित में, राज हित में, देश हित में काम करना चाहिए और जनता को धोखा देने से परहेज करना चाहिए। यह जीत आने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल है पूरे देश की जनता भाजपा की सरकार से बेहाल व परेशान ह।

सुरजेवाला ने सिद्दारमैया व शिवकुमार को किया एकजुट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। 1999 के बाद कर्नाटक में कांग्रेस एक और ऐतिहासिक जीत दर्ज की, वहीं पार्टी ने शनिवार को दक्षिणी राज्य में जीत का श्रेय अपने एकजुट चेहरे को दिया, जिसमें राहुल गांधी के करीबी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने अहम भूमिका निभाई। कांग्रेस, जो दक्षिणी राज्य में महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में दो गुटों को लेकर चिंतित थी, अपने किले को पूरी तरह से पकड़ने में कामयाब रही। कांग्रेस, जिसने राज्य में 2018 के विधानसभा चुनावों में 80 सीटें जीती थीं और जेडी-एस के साथ गठबंधन में सरकार बनाई थी, जिसने 37 सीटें जीती थीं। बाद में जेडी-एस के कई विधायक पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए और गठबंधन को सत्ता से बाहर कर दिया था।

वे पांच वादे जिन्होंने कर्नाटक में कांग्रेस के पक्ष में चलाई हवा

कांग्रेस का चुनावी घोषणापत्र जारी होने के साथ शहर में चर्चा बन गया, क्योंकि इसमें सत्ता में आने पर बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का वादा किया गया था। घोषणापत्र की आलोचना भी की गई। कांग्रेस पार्टी की बड़ी घोषणाएं:

1. **कर्नाटक में हर घर को मुफ्त में 200 यूनिट बिजली।**
2. **प्रत्येक गृहिणी को 200 रुपए प्रति माह देने का वादा।**
3. **युवा निधि के जरिए ग्रैजुएट बेरोजगार युवाओं को हर महीने 3000 रुपए देने का वादा।**
4. **डिप्लोमाधारी युवाओं को भत्ते के रूप में हर महीने 1500 देने का वादा।**
5. **अन्न भाग्य, व महिला मुफ्त यात्रा।**

शिवकुमार ने अपनी प्रतिज्ञा को याद किया, सोनिया को दिया धन्यवाद

बेंगलुरु, (एजेंसी)। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने शनिवार को अपनी मुख्यमंत्री पद की महत्वाकांक्षा को पूरा करने का दावा किया और 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत का मार्ग प्रशस्त करने के लिए सोनिया गांधी समेत पार्टी के शीर्ष नेताओं के सामने ली गई प्रतिज्ञा को याद किया। श्री शिवकुमार ने बताया कि मैंने शुरुआत में ही कहा था। मैंने सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को आश्वासन दिया था कि मैं कर्नाटक को उनके पाले में पहुंचा का दम लूंगा। जेल में अपने समय को याद करते हुए आंसुओं से सराबोर शिवकुमार ने आगे कहा कि मैं सोनिया गांधी का जेल में मुझसे मिलने के लिए आना नहीं भूल सकता, जब भाजपा के इन सभी लोगों ने मुझे जेल में डाल दिया।

विपक्ष के साथ अगले साल राहुल बन सकते हैं पीएम: सिद्धारमैया

बेंगलुरु, (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा में कांग्रेस की जीत से उत्साह से भरे पार्टी नेता एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अगले साल आम चुनाव में विपक्ष की एक जुटता की उम्मीद जताते हुए शनिवार को कहा है कि पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 2024 में देश के प्रधानमंत्री बन सकते हैं। सिद्धारमैया ने पत्रकारों से बातचीत मे कर्नाटक के चुनाव नतीजों को लोकसभा के आगामी चुनाव की एक सीढ़ी बताया और कहा कि मुझे उम्मीद है कि सभी गैर-भाजपा दल एक साथ आएंगे। मुझे उम्मीद है कि राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के लोगों ने इस बार बदलाव का मन बना लिया था कि लोग भाजपा सरकार से तंग आ चुके थे। उन्होंने दावा किया कि इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख नेताओं के प्रचार का मतदाताओं पर कोई खास असर नहीं हुआ।

कर्नाटक ने धन, जाति और धर्म की राजनीति को नकारा: पवार

मुंबई, (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक की जनता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की धन, जाति और धर्म की राजनीति को नकार दिया और इसी तरह के परिणाम 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भी देखने को मिलेंगे। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए श्री पवार ने कहा कि दक्षिण भारतीय राज्य के लोगों ने भाजपा को कड़ा सबक सिखाया है और सत्ता की बागडोर कांग्रेस को थमा दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा के वहां सत्ता में होने के बावजूद सरकार से जुड़े सभी शीर्ष लोग और पार्टी के वरिष्ठ नेता वहां प्रचार करने गए थे। हमें लग रहा था उनके द्वारा इस्तेमाल किया गया पैसा उनके खिलाफ जाएगा और ऐसा ही हुआ है।

भाजपा कश्मीर में चुनाव कराने की अब जल्दी नहीं करेगी: उमर

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक चुनाव में हार के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने की हिम्मत नहीं रह गई है। गौरतलब है कि जून 2018 में भाजपा ने महबूबा मुफ्ती की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। तब से केंद्र शासित प्रदेश में निर्वाचित सरकार नहीं है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजों में कांग्रेस की जीत के बाद श्री उमर ने भाजपा पर निशाना साधते हुए ट्वीट कर कहा कि अब ऐसा कोई रास्ता नहीं है कि भाजपा जम्मू-कश्मीर में जल्द विधानसभा चुनाव कराने की हिम्मत जुटा सके। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि कांग्रेस का कर्नाटक चुनाव जीतना आसान नहीं था।

किसी भी संघर्ष को त्याग और तप बनाता है सफल: पायलट

जनसंघर्ष पदयात्रा का तीसरे रोज नासनोड़ा में रात्रि विश्राम

जयपुर, (एजेंसी)। राजस्थान में पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट की भ्रष्टाचार के खिलाफ अजमेर से जयपुर तक की जनसंघर्ष पद यात्रा शनिवार को तीसरे दिन भी जारी रही और तेज गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में उनके समर्थकों ने पैदल चलकर इसमें भाग लिया।

पदयात्रा में युवाओं का जोश अलग ही नजर आ रहा था वहीं महिलाएं, बुजुर्ग, दिव्यांग सहित समाज के हर वर्ग और समुदाय के लोग यात्रा में शामिल हुए। इन समर्थकों में एक पदयात्री नंगे पांव भी चल रहा था। उनका कहना था कि किसी भी संघर्ष को त्याग और तप ही सफल बनाता है और वह श्री पायलट की यात्रा को सफल बनाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। इससे पहले श्री पायलट ने तीसरे दिन की यात्रा सुबह दूदू से प्रारंभ होकर ग्राम पालू में पहला पड़ाव पूरा हुआ। इसके बाद यात्रा का रात्रि विश्राम नासनोड़ा में किया गया।

जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है, भारत तीव्र गर्मी की लहरों का सामना कर रहा है। कई राज्यों ने हीटवेव की चेतावनी जारी की है। दक्षिण दिनाजपुर जिले के बालुरघाट के पास गर्मी से बचने के लिए लोग आत्रेयी नदी में स्नान करने गर्मी दूर भगाने का प्रयास करते हुए।

मॉरीशस के राष्ट्रपति कोलकाता आएंगे

कोलकाता, (एजेंसी)। मॉरीशस के सातवें राष्ट्रपति के रूप में सेवारत राजनेता पृथ्वीराज सिंह रूपन अपनी पत्नी के साथ रविवार से तीन दिवसीय निजी दौरे पर कोलकाता आने वाले हैं। राष्ट्रपति कोलकाता में अपने प्रवास के दौरान प्रसिद्ध दक्षिणेश्वर मंदिर और बेलूर मठ का दौरा करेंगे। वह कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट में गिरमिटिया मजदूरों के लिए निर्मित स्मारक भी जाएंगे। गवर्निंग काउंसिल ऑफ इंडिया फाउंडेशन एवं खोला हवा के अध्यक्ष डॉ. स्वपन दासगुप्ता और गवर्निंग काउंसिल, इंडिया फाउंडेशन के सदस्य एवं बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सांसद सुशील कुमार मोदी, पृथ्वीराजसिंह रूपन के सम्मान में एक नागरिक अभिनंदन और रात्रिभोज का आयोजन करेंगे, जिसमें राज्यपाल सीवी आनंद बोस आदि भी शामिल रहेंगे।

यूक्रेन ने दो स्टॉर्म शैडो क्रूज मिसाइलें दागीं

कीव, (एजेंसी)। यूक्रेन ने शुक्रवार को लुहांस्क पीपुल्स रिपब्लिक (एलपीआर) के प्रतिनिधि कार्यालय पर दो एंग्लो-फ्रेंच स्टॉर्म शैडो क्रूज मिसाइलों और एक अमेरिका निर्मित एडीएम-160 एमएएलडी डिकॉय मिसाइल से हमला किया। यूक्रेन के युद्ध अपराधों से संबंधित मामलों के नियंत्रण और समन्वय संयुक्त केंद्र (जेसीसीसी) ने यह शनिवार को यह जानकारी दी। इससे पहले रूस न्यूज एजेंसी स्पूतनिक ने अपनी रिपोर्ट में जानकारी दी थी कि शुक्रवार को लुहांस्क में दो विस्फोट हुए।

जेसीसीसी ने कहा कि यूक्रेन ने दो यूक्रेनी निर्मित ग्रोम मिसाइलों का इस्तेमाल किया। हमले में छह बच्चे घायल हो गए। एलपीआर के प्रतिनिधि कार्यालय ने कहा कि लुहांस्क शहर पर एक मिसाइल हमला हुआ।

तूफानी चक्रवात मोचा तटों को करेगा पार

हैदराबाद, (एजेंसी)। बंगाल की पूर्वी मध्य खाड़ी के ऊपर अत्यधिक गंभीर चक्रवाती तूफान मोचा पिछले छह घंटों के दौरान 14 किमी प्रति घंटे की गति के साथ लगभग उत्तर पूर्व की ओर बढ़ा और शनिवार को सुबह 08.30 बजे उत्तरी अक्षांश पर 15.7 डिग्री और पूर्वी देशांतर पर 89.5 डिग्री के पास समान क्षेत्र में केंद्रित रहा।

यह तूफान पोर्ट ब्लेयर से लगभग 560 किमी उत्तर-उत्तर पश्चिम, कॉक्स बाजार (बांग्लादेश) से 680 किमी दक्षिण-दक्षिण पश्चिम और सितवे (म्यांमार) से 600 किमी दक्षिण पश्चिम में फिलहाल स्थित है। मौसम विज्ञान केंद्र ने शनिवार को बताया कि इसके उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने और कॉक्स बाजार व क्यौकप्यू में दक्षिण-पूर्व बांग्लादेश और उत्तरी म्यांमार के तटों को पार करने की संभावनाएं हैं। रविवार दोपहर सितवे (म्यांमार) के करीब, 150-160 किमी प्रति घंटे की अधिकतम निरंतर हवा की गति से तूफान 175 किमी प्रति घंटे रफ्तार से चलेगा।

शिंदे के हेलीकॉप्टर में अचानक आई खराबी

कोल्हापुर, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हेलीकॉप्टर में अचानक खराबी आने के कारण सतारा में राज्य स्तरीय अभियान 'शासन आपल्या दारी' (आपके द्वार पर सरकार) कार्यक्रम का उद्घाटन रद्द करना पड़ा, लेकिन बाद में मरम्मत के बाद वह उसी हेलीकॉप्टर से सतारा जिले के पाटन के लिए रवाना हुए।

आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। श्री शिंदे को सतारा जिले के पाटन से रवाना होना था, लेकिन हेलीकॉप्टर में अचानक खराबी आने के कारण पायलट ने आपातकालीन लैंडिंग की। जिसके कारण उनका दौरा रद्द कर दिया गया लेकिन हेलीकॉप्टर की खराबी को ठीक करने के बाद, श्री शिंदे समारोह में शामिल होने के लिए पाटन वापस चले गए।

फ्रांस की पुलिस ने पेरिस में दक्षिणपंथी रैली रोकी

पेरिस, (एजेंसी)। फ्रांस की पुलिस ने सप्ताह के अंत में पेरिस में होने वाले दक्षिणपंथी समूहों के पांच प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगा दिया है। एक सप्ताह पहले हुयी इस तरह की रैली को लेकर यहां सार्वजनिक रूप से गरमा गरम बहस शुरू हो गई थी। पुलिस ने एक बयान में कहा कि पुलिस प्रशासन शनिवार, 13 मई और रविवार, 14 मई को पेरिस में आयोजित होने वाले कई कार्यक्रमों पर रोक लगाता है। यह आदेश बिगड़ती जीवन स्थितियों के विरोध में प्लेस डी आर्म्स द्वारा बुलाए गए मार्च को प्रतिबंधित करता है। पुलिस ने प्रतिबंध के कारणों के रूप में सार्वजनिक व्यवस्था के अपराधों के जोखिम, घृणा को उकसाने, राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा और नव-नाजी 9 मई समिति द्वारा आयोजित एक प्रदर्शन से उत्पन्न विवाद का हवाला दिया।

समाजसेवी शम्मी ने सदर विधायक पर लगाया आरोप, 350 लोगों ने सपा से दिया इस्तीफा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। निकाय चुनाव के परिणाम आने के बाद एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। रविवार को जिला पंचायत सभागार में समाजसेवी विवेक सिंह शम्मी ने प्रेस वार्ता कर समाजवादी पार्टी के सदर विधायक पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने विधायक जय किशन साहू पर भाजपा प्रत्याशी को निकाय चुनाव में जीत दिलाने के लिए साजिश रचने का आरोप लगाया है। इस दौरान बड़ी संख्या में उनके समर्थकों ने सपा से इस्तीफा दे दिया। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने सदर विधायक के फोटोग्राफ और वीडियो भी जारी किए हैं। समाजसेवी शम्मी सिंह ने बताया कि लगभग साढ़े 300 लोगों ने विधायक जय किशन साहू के रवैए अक्रोशित होकर सपा से इस्तीफा दे दिया है। इसमें से अधिकांश लोग उपस्थित हैं बाकी लोगों ने फोन से पुष्टि की है। शम्मी सिंह ने विधायक जय किशन साहू पर आरोप लगाते हुए का कि सपा विधायक के चलते भाजपा का प्रत्याशी जीता है। उन्होंने विधायक से सवाल पूछा है कि मो0 शरीफ राइनी के सपा को समर्थन देने के बावजूद भी भाजपा कैसे 3300 मतों से जीत गई। जबकि पिछले चुनाव में मो0 शरीफ के बसपा से लड़ने और सांसद अफजाल अंसारी के जोरदार प्रचार करने के बावजूद भी केवल मामूली वोटो से भाजपा जीती थी। उन्होंने कहा इस चुनाव में भाजपा की हार सुनिश्चित थी क्योंकि नगर पालिका अध्यक्ष पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप थे, आरोपों के समय तत्कालीन जिलाधिकारी मंगला प्रसाद ने इसकी रिपोर्ट शासन को भेज दी थी लेकिन सत्ता के दबाव में उनके ऊपर कोई कार्यवाही नहीं हुई। उन्होंने कहा कि सपा विधायक जय किशन साहू और भाजपा प्रत्याशी के पति विनोद अग्रवाल के बीच पिछले विधानसभा चुनाव में डील हुई थी। विधानसभा में हम शहर में आपकी मदद करेंगे, जब नगर पालिका का चुनाव आएगा तो आप मेरी मदद करिएगा। इस डील के तहत जय किशन साहू ने टिकट वितरण के दौरान सपा प्रदेश अध्यक्ष के सामने प्रतिष्ठा बनाकर कहा था कि आप मेरे कहने से प्रत्याशी दीजिए मैं उसे तन मन धन से जिताकर लाऊंगा नहीं तो आपके यहां चपरासी बन जाऊंगा। विधायक के दबाव पर सपा हाईकमान ने मेरा टिकट काट दिया जिस से सपा विधायक और भाजपा नेता दोनों की मंशा पूरी हो गई। सपा प्रत्याशी दिनेश यादव तो केवल विधायक जय किशन साहू के मोहरा थे। असल में विधायक जय किशन साहू भाजपा के प्रत्याशी को ही जिताना चाहते थे। शम्मी सिंह ने कहा कि जब तक विधायक जय किशन साहू सपा में अपने पद पर बने रहेंगे तब तक हम लोग समाज सेवा करेंगे 2027 में उचित निर्णय लेंगे।

20 व 21 को स्वामी सहजानंद महाविद्यालय में होगा आईपीएल फैन पार्क का आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन से संबद्ध संस्था गाजीपुर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष शाश्वत सिंह की अध्यक्षता में आज वर्चुअल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में आगामी दिनों में आयोजित होने वाले टाटा आईपीएल फैन पार्क के सफल क्रियान्वयन हेतु कार्यनीति बना कार्यों का आवंटन किया गया। सभी वालंटियर के चयन करने का उत्तरदायित्व क्रिकेट परफॉरमेंस के अध्यक्ष वैभव सिंह को दिया गया है। इसके अतिरिक्त सुरक्षा हेतु बाउंसर की उपलब्धता, सुव्यवस्थित पार्किंग का उत्तरदायित्व संजय राय का होगा जिसमें संजय यादव उनका सहयोग करेंगे। मैदान सम्बन्धित समस्त कार्यों, जनरेटर की व्यवस्था, बरकेटिंग आदि का उत्तरदायित्व रंजन सिंह को सौंपा गया है तथा शहंशाह खान उनके सहयोगी के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर गाजीपुर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक व उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अपैक्स कौंसिल के सदस्य तथा टाटा आईपीएल के स्थानीय अधिकृत लाईजनिंग अधिकारी संजीव कुमार सिंह ने बताया कि इस वर्ष भी बोर्ड ऑफ कण्ट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया (बी.सी.सी.आई.) द्वारा आईपीएल मैच का बड़े स्क्रीन पर सीधा प्रसारण करने हेतु आईपीएल फैन पार्क आयोजित करने हेतु जनपद गाजीपुर सहित मात्र 03 शहरों को नामित किया गया है` बी.सी.सी.आई. के इस निर्णय पर मंडल के क्रिकेट प्रेमियों ने बी.सी.सी.आई. उपाध्यक्ष राजीव शुक्ल तथा सचिव जय शाह के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है। गाजीपुर मंडल में इस फैन पार्क का आयोजन स्वामी सहजानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मैदान पर किया जा रहा है। आगामी 20 मई 23 से आयोजित होने वाले दो दिवसीय आईपीएल फैन पार्क में दिनांक 20 मई 2023 को खेले जानेवाले दोनों मैच तथा 21 मई 23 को खेले जानेवाले दोनों मैचो का बड़े स्क्रीन पर सीधा प्रसारण किया जायेगा। दिनांक 20 मई को पहला मैच दिल्ली कैपिटल तथा चेन्नई सुपरकिंग्स एवं दूसरा मैच कोलकाता नाइट राइडर्स तथा लखनऊ सुपर जायंट के बीच खेला जायेगा` इसी क्रम में दूसरे दिन दिनांक 21 मई को पहला मैच मुंबई इंडियन तथा सनराइजर्स हैदराबाद एवं दूसरा मैच रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर तथा गुजरात टाइटन्स के बीच खेला जायेगा। समस्त कार्यक्रम बोर्ड ऑफ कण्ट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया (बी.सी.सी.आई.) के पर्यवेक्षक एल्विन गायकवाड़ के दिशा-निर्देश में बी.सी.सी.आई. के नियमावली के अनुसार में संपन्न कराया जायेगा। उन्होंने बताया कि बुजुर्गों, महिलाओं, युवतियों युवाओं व बच्चों सहित समाज के सभी आयु वर्ग के क्रिकेट प्रेमियों को क्रिकेट का लुफ्त उठाने के लिए बी.सी.सी.आई. द्वारा देश भर में चुनिन्दा शहरों में इस प्रकार का आयोजन किया जा रहा है। टाटा आईपीएल के अधिकृत वेंडर मॉम्स ने बताया कि फैन पार्क की तैयारियां समय पर पूरी करने के लिए उनकी टीम 16 मई को ही गाजीपुर पहुँच जाएगी बोर्ड ऑफ कण्ट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया के पर्यवेक्षक एल्विन गायकवाड़ भी 18 मई को गाजीपुर आ जायेंगे।

डिवाइन सैनिक स्कूल के विद्यार्थियों ने दसवीं एवं बारहवीं के सीबीएसई परीक्षा में फहराया परचम

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। डिवाइन सैनिक स्कूल लहरतारा के विद्यार्थियों ने सीबीएसई द्वारा घोषित परीक्षा परिणामो में परचम फहराया है। दसवीं में रेहान अहमद सिद्धकी ने 96.6% अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान हासिल किया। वही कार्तिकेय सिंह ने 96.4%, आशुतोष पांडेय 96.2%, जिया शर्मा 95.8%, नव्या मौर्या 95.8%, क्षतिज शर्मा 95%, कृतिका पांडे 94.6%, सास्वत पाठक 94%, अर्पिता अग्रवाल 93.8% एवं लक्ष्य मौर्या ने 93.6% अंक प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया। वही बारहवीं के छात्र अमन सिंह 96.2% अंक प्राप्त कर सर्वोच्च रहे। 12वीं कक्षा में ही विशाल मौर्या 94.4%, नवनीत कुमार सिंह 93.2%, आर्यन यादव 93%, निशा कुमारी 93%, खुशी राय 92.8%, निकिता राय 92.8%, ऋषभ जायसवाल 92.4%, ऋतु राय 92.4% व अदिति कुमारी ने 92% अंक प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया।

इस उपलब्धि पर संस्था के चेयरमैन एसएन सिंह व निदेशक विकास सिंह ने सभी सफल छात्र-छात्राओं व अभिभावकों को हार्दिक बधाई व शुभकामना दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर स्कूल की प्राचार्या डॉ नविता श्रीवास्तव ने बच्चों को मिठाई खिलाकर बधाई दी एवं उप प्राचार्या भावना दुबे ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को बधाई एवं आशीर्वाद दिया और उनके आगे बढ़ते रहने की कामना की।

तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता चैंपियनशिप आवाहन का काशी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में शानदार समापन

प्रखर वाराणसी। काशी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन की टीम ने आवाहन 2023 का ओवरऑल चैंपियन खिताब जीता काशी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता आवाहन 2023 का आगाज 12 मई से 14 मई तक चला इसमें विजेता टीमें इस प्रकार है कबड्डी क्रिकेट वॉलीबॉल टेबल टेनिस बैडमिंटन में काशी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन का प्रथम स्थान रहा द्वितीय स्थान पर कबड्डी में हरवंश फामेर्सी कॉलेज जौनपुर क्रिकेट में हरवंश फामेर्सी कॉलेज जौनपुर वॉलीबॉल में एसएमएस कॉलेज वाराणसी बैडमिंटन में एसएमएस कॉलेज वाराणसी टेबल टेनिस में एसएमएस कॉलेज वाराणसी उपविजेता रही आज प्राइस डिस्ट्रीब्यूशन का कार्य मुख्य अतिथि विनय प्रताप सिंह सीनियर मैनेजर छात्र शक्ति ग्रुप के कर कमलों द्वारा किया गया इस उपलक्ष में s.m.s. कॉलेज के स्पोर्ट्स

कोऑर्डिनेटर सुमित सर और छात्र शक्ति ग्रुप के मैकेनिकल हेड राहुल जी भी मौजूद रहे प्राइस डिस्ट्रीब्यूशन का काम बड़े ही धूमधाम के साथ किया गया मुख्य अतिथि ने अपने वक्तव्य में खिलाड़ियों को यह संदेश दिया की जीतेगा खिलाड़ी जो जीतेगा भारत और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन के रूप में उन्होंने यह भी कहा कि खेल से ओवराल डेवलपमेंट होता है आगे की कड़ी में मुख्य अतिथि का स्वागत स्पोर्ट्स ऑफिसर अजय विक्रम सिंह के द्वारा स्मृति चिन्ह देकर के किया गया और इस उपलक्ष में उपस्थित खिलाड़ी इस प्रकार रहे राघवेंद्र प्रताप सिंह हिमांशु उपाध्याय रोहित नीतीश अतुल तिवारी अमन विशाल तिवारी सुजीत सिंह अखिलेश आदि खिलाड़ी उपस्थित रहे लास्ट में स्पोर्ट्स ऑफिसर अजय विक्रम सिंह के द्वारा उपस्थित सभी खिलाड़ियों एवं मुख्य अतिथि का धन्यवाद देकर के आयोजन का समापन किया गया।

उत्तराखंड राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हरिद्वार लोकसभा के सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक की लेखनी विश्व प्रसिद्ध होने से उत्साहित हैं उत्तराखंडवासी : संजय चोपड़ा

प्रखर पूर्वान्चल हरिद्वार। उत्तराखंड राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री, हरिद्वार लोकसभा के सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक को उनके द्वारा किए गए रचनात्मक समर्पित उत्कृष्ट कार्यों पर ब्रिटिश, लंदन की संसद द्वारा भारत गौरव अवार्ड से सम्मानित किए जाने से उत्साहित पूर्व मंडी अध्यक्ष, भाजपा नेता संजय चोपड़ा ने लोकसभा सांसद पूर्व केंद्र मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक से शिष्टाचार मुलाकात कर अभिनंदन किया साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को संयुक्त रूप से पत्र लिखकर ईमेल द्वारा हरिद्वार के लोकसभा सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक को होने वाले लोकसभा, राज्यसभा सत्र के दौरान सार्वजनिक तौर से सम्मानित किए जाने की मांग प्रमुखता से की` इस अवसर पर पूर्व मंडी अध्यक्ष, भाजपा नेता संजय चोपड़ा ने कहा हरिद्वार के लोकप्रिय सांसद, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक की लेखनी विश्व प्रसिद्ध हुई है इससे हरिद्वार उत्तराखंड का नाम दुनिया में कायम हुआ है जो कि हर्ष का विषय है उन्होंने कहा डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक की राजनीतिक जीवन एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में समर्पित रहा है उन्होंने यह भी कहा उत्तराखंड राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में 2010 का महाकुंभ पहली बार

ऐतिहासिक हुआ था महाकुंभ के प्रबंधन को देश दुनिया में सराहा गया था और नोबेल पुरस्कार सम्मान के लिए सिफारिश की गई थी` हरिद्वार के लोकसभा सांसद के रूप में केंद्र सरकार की और राज्य सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजनाएं धरातल पर उत्तर रही है जो कि हरिद्वार के लोकसभा सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक के भागीरथ प्रयास है।

जय महाकालेश्वर सेवा संस्था कलश यात्रा में हजारों की भीड़ महिलाओं के साथ

जय महाकालेश्वर सेवा संस्था द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम

प्रखर भदोही। महाकालेश्वर संस्था का आयोजन 12 मई ज्ञानपुर वारी गल्हैय्या की धरती पर जय श्री राम हर हर महादेव के नारे गुज रहे थे भगवा ध्वज के साथ भक्तिमय माहौल था। जय महाकालेश्वर सेवा फाउंडेशन के तत्वावधान में 12 मई से ग्राम सभा वारी, गल्हैया,ज्ञानपुर में हो रहे श्री राम कथा और भव्य कलश यात्रा में दीप प्रज्वलन का शुभारंभ माननीय दया शंकर मिश्रा दयालु जी (आयुष मंत्री स्वतंत्र प्रभार) के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ जिसमें प्रमुख रूप से गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। जय महाकालेश्वर सेवा फाउंडेशन द्वारा आयोजित श्रीराम कथा दीप प्रज्वलन वारी गहलैया में गणमान्य आदरणीय लोगो की भव्य उपस्थिति में गाँव की सैकड़ों महिलाओं कलश यात्रा गाँव के आभामंडल को शुशोभित कर रहा था। माननीय दयालु मिश्रा जी ,आदरणीय ब्लाक डीघ प्रमुख श्री मनोज मिश्रा जी,आदरणीय ज्ञानपुर ब्लाक प्रमुख अखिलेश्वर प्रताप सिंह (बबलू)जी ग्राम प्रधान पति गलहैया दारा गौंड जी,ग्राम

स्वतंत्र प्रभार आयुष मंत्री जी, विधायक ज्ञानपुर विपुल दुबे जी, माननीय पूर्व विधायक रविन्द्र नाथ त्रिपाठी जी, भदोही विधायक माननीय जाहिद बेग जी, औराई विधायक माननीय दीनानाथ भाष्कर प्रधान वारी श्री विपिन सिंह जी,ग्राम प्रधान महजुदा श्री राजमणि पांडेय जी, ग्राम प्रधान भिडियूरा श्री राहुल पांडेय जी,ग्राम प्रधान सहसेपुर श्री अम्बुज मिश्रा जी, गरिमामयी उपस्थित रहीं।

हज यात्रियों को लगा टीका हुए प्रतिरक्षित प्रशिक्षण में दी गई जरूरी जानकारी

बच्चों को 12 जानलेवा बीमारियों से बचाव व टीबी मुक्त भारत के लिए करेंगे प्रार्थना

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। इस वर्ष जनपद से हज को जाने वाले यात्रियों का टीकाकरण शुरू हो गया है इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संदीप चौधरी के निर्देशन में काजी साहदुल्लापुरा स्थित सिटी गर्ल्स इंटर कॉलेज में शिविर लगाकर हज यात्रियों को टीका लगाया गया यह शिविर स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पूर्वांञ्चल हज सेवा समिति के सहयोग से आयोजित किया गया` इस मौके पर मौजूद जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ निकुंज कुमार वर्मा ने बताया कि शासन के निदेर्शानुसार हज को जाने वाले सभी यात्रियों को मेनिंजाईटिस सीजनल इंफ्लुएंजा का टीका लगाया जाता है जनपद से हज को जाने वाले 861 हज यात्रियों को चार दिन में टीका लगाने कर कार्य किया जा रहा है पहले दिन 314 हज यात्रियों के को टीका लगाकर प्रतिरक्षित किया गया इसमें 155 पुरुष व 159 महिलाएं शामिल हैं शेष हज यात्रियों को अगले तीन दिनों में निर्धारित स्थानों पर टीका लगाया जाएगा इसके अलावा यात्रा के दौरान कई जरूरी जानकारी के लिए प्रशिक्षण भी दिया गया उप जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ यतीश भुवन पाठक व वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ एके पांडे ने सभी हज यात्रियों से सहयोग करने की अपील की इसके साथ ही उन्होने बच्चों को 12 जानलेवा बीमारियों से बचाव व टीबी मुक्त भारत के लिए विशेष संदेश दिया और हज यात्रियों से प्रार्थना करने का अनुरोध किया इस मौके पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ शशांक दुबे, डॉ उपासना, पूर्वांञ्चल हज सेवा समिति के अध्यक्ष हाजी रईस अहमद एडवोकेट, महासचिव सलमान खाँ अदनान, उपाध्यक्ष हाजी जुबैर व हाजी आली अहमद, सचिव हाजी डॉ अमीन अंसारी व हाजी डॉ अली अब्दुल अहाद, कोषाध्यक्ष हाजी तारिख हसन खाँ बब्लू, यूनिसेफ से डॉ शाहिद, यूएनडीपी से रीना वर्मा, फार्मासिस्ट फारुख आलम एवं अन्य लोग मौजूद रहे` एएनएम संगीता, सुनीता, ममता, किरन और गोपाल ने सभी हज यात्रियों को टीका लगाया।

मिट्टी लदे ट्रैक्टर ने किशोर को रौंदा, इलाज के दौरान हुई मौत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जमानिया कोतवाली क्षेत्र के हमीदपुर गांव के पास सुबह सड़क किनारे खड़ा शाहपुर लटिया गांव निवासी गजाधर पुत्र इस्पात मिट्टी लगे तेज रफ्तार ट्रैक्टर के चपेट में आने से गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना होते ही मौके पर आसपास के ग्रामीण इकट्ठा हो गए इसकी सूचना लोगों ने परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंचे परिजन वाहन से उसे नजदीक के अस्पताल में ले गए। जहां हालत गंभीर देख चिकित्सक ने वाराणसी रेफर कर दिया वाराणसी ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान बालक की मौत हो गई। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मृतक के पिता ने इस हादसे के मामले में ट्रैक्टर चालक के खिलाफ तहरीर दी है जिसके आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मैं ट्रैक्टर चालक को दबोच लिया। मृतक किशोर के पिता इस्पात ने बताया कि उसका मृतक पुत्र अपने साथ भाई बहनों में सबसे छोटा था।

नगर क्षेत्र के एक निजी स्कूल में कक्षा चार में पढ़ता था। इस संबंध में कोतवाल महेंद्र सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है। पिता की तहरीर पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को कब्जे में ले लिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

अपने प्रतिद्वंदी को भारी मतों से हराकर सभासद बने निर्दल प्रत्याशी प्रधान ज्ञानचंद पटेल

प्रखर वाराणसी। नगर निगम निकाय चुनाव का परिणाम आते ही जीते हुए प्रत्याशियों में खुशी की लहर दौड़ गई, जीते हुए प्रत्याशियों को बधाई देने क्षेत्रीय जनता उनके आवास पर जुटने लगी, लालपुर पांडेपुर अंतर्गत लालपुर मीरापुर बसही से वार्ड नंबर 56 के प्रत्याशी ज्ञान चंद्र की पत्नी अनीता आम के चुनाव चिन्ह से निर्दल प्रत्याशी बनकर चुनाव मैदान में उतरी थी ज्ञानचंद ने अपने प्रतिद्वंदी को 11 से 66 वोटों से हराकर विजई हुए विजई होने के बाद उनके घर क्षेत्रवासियों का बधाई देने के लिए तांता लग गया, क्षेत्रवासियों ने निर्वाचित सभासद ज्ञान चंद्र को माला पहना कर मिठाई खिलाकर बधाई दी, वही ज्ञानचंद ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि क्षेत्र की जनता हमारे ऊपर जितना विश्वास किया है और हमें भारी मतों से हराया है उतना ही उनके विश्वास पर हम खड़े उतने का भरपूर कोशिश करेंगे, जो भी क्षेत्र का विकास अधूरा रहा है उसे मैं सभासद निधि से पूरा करने का कार्य करूंगा।

फाजिलनगर व हाटा विधानसभा क्षेत्र में नहीं खिला कमल

प्रखर कुशीनगर। नगरीय निकाय चुनाव संपन्न होने के बाद आए विपरीत परिणामों को लेकर भाजपा में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। हार की भड़ास पार्टी के नेता एक दूसरे पर सोशल मीडिया के माध्यम से निकाल रहे हैं और आरोपों की झड़ी लगा भी रहें हैं। नेताओं की भड़ास और आरोप लगाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म बना हुआ है। भाजपा फाजिलनगर विधानसभा क्षेत्र की दोनों नगर पंचायत हार गई तो वही नवसृजित 6 नगर पंचायतों में तमकुहीराज में ही कमल खिल सका है। जबकि इन नगर पंचायतों के गठन का श्रेय भाजपा की प्रदेश सरकार को जाता है लेकिन इसका लाभ भाजपा को नही मिल सका और पार्टी अंदरूनी कलह की शिकार हो गयी। फिर चर्चा का दौर शुरू है कि आखिर फाजिलनगर विधानसभा क्षेत्र की दोनों सीट हारने सहित जिले में भी अपेक्षित परिणाम नही आने पर हार की जिम्मेदारी कौन लेगा। यह बहस का मुद्दा हैं कि जब जीत का वाहवाही संगठन में महत्वपूर्ण पदों पर आसीन लोगों के द्वारा ली जाती है तो फिर हार की जिम्मेदारी भी उन्हें ही लेनी चाहिए। भाजपा के कार्यकर्ता भी सोशल मीडिया में एक दूसरे पर हार का ठिकरा फोड़ रहे है।फाजिलनगर सहित जिले में भारतीय जनता पार्टी में अंतरकलह चल रही है। भाजपा प्रत्याशियो के हार के बाद से पार्टी में टीका टिप्पणी का दौर चल चुका है। अब देखा जाय कि इसको संभालने के लिए प्रदेश भाजपा नेतृत्व जिले से लेकर बूथ स्तर तक संगठन में बदलाव करते हुए नये व युवाओं को मौका देता है, जिससे अंतर्कलह दूर हो और 2024 लोकसभा चुनाव की राह आसान हो सके। चर्चा तेज हो चली है कि अगर जिले से लेकर बूथ स्तर तक संगठन के महत्वपूर्ण पदों पर बदलाव नही हुए तो कुशीनगर में 2024 लोकसभा चुनाव की राह भाजपा के लिए आसान नही रहने वाली हैं।

कहा पर किसके सिर बधा जीत का सेहरा- भाजपा ने पड़रौना, कुशीनगर (कसया), खड्डा, रामकोला, कप्तानगंज, तमकुहीराज, सेवरही में जीत दर्ज की तो वही सपा ने हाटा में जीत दर्ज की। जबकि बसपा ने दुदही में कामयाबी मिली। जबकि छितौनी, सुकरौली, फाजिलनगर व मथौली में निर्दलीयों ने बाजी मारी।

मातृ दिवस पर नयी दिशा द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

प्रखर कुशीनगर। जनपद के रक्तकोष में रक्त की कमी न हो इस निमित्त नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा श्रीरामजानकी मंदिर (मठ) कसया के परिसर में मातृ दिवस के सुअवसर पर रविवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन नगर पालिका परिषद, कुशीनगर की नवनिर्वाचित अध्यक्ष किरण जायसवाल ने पूर्व प्राचार्य डॉ0 डीएस तिवारी व समाजसेवी राकेश जायसवाल के साथ किया। उद्घाटन करते किरण जायसवाल ने कहा कि रक्तदान अत्यंत पवित्र कार्य है और श्रेष्ठदान की श्रेणी में आता है क्योंकि इसका सीधा संबंध किसी व्यक्ति के जीवन से है। उन्होंने मातृ दिवस पर रक्तदान शिविर के आयोजन हेतु नयी दिशा को धन्यवाद देते हुए अपने कार्यकाल में संस्था के सामाजिक कार्यों में सहभागिता और सहयोग का आश्वासन दिया।

शिविर में रक्तदान हेतु 53 ने पंजीकरण कराया जिसमें चिकित्सकीय परीक्षण के पश्चात 20 रक्तवीरों ने रक्तदान किया। इनमें गुफरान, मिथिलेश दुबे, कृष्णा मिश्रा, आनंद मालवीय, हरिशंकर सिंह, रंजीत राय, प्रभात जायसवाल, शैलेन्द्र कुमार सिंह, अनूप कुमार, सीए अंजनी नंदन सिंह, विवेक चंद्र पाल, अफजल अली, रजनीश श्रीवास्तव, नीरज गौड़, बजरंगी कुमार गौड़, अभिषेक श्रीवास्तव, नागेंद्र सिंह, मनीष राव, मिथलेश शर्मा एवं नयी दिशा के संस्थापक अध्यक्ष नीतीश चन्द्र शुक्ल सम्मिलित रहे। इग्नाइट क्लासेज, कसया द्वारा शिविर को विशेष सहयोग प्राप्त हुआ और उनके लोग रक्तदानियों की सेवा में लगे रहे। रक्त संग्रह का कार्य संयुक्त जिला चिकित्सालय कुशीनगर एवं गोरखपुर रक्तकोष की टीम द्वारा किया गया। टीम में एजाज अहमद, विंध्यवासिनी पांडेय, रिंकी यादव, क्षमा मिश्रा, नितेश शर्मा, सुरेंद्र यादव, राम विनोद सिंह, मंटू प्रजापति, दिलीप उपाध्याय, इस्तियाक, घनश्याम पांडेय सम्मिलित रहे। संस्था सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र ने रक्तदानियों सहित आयोजन में सहभागी सभी का आभार प्रकट किया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं